epaper.dehatsandesh.com

3 नशीली दवाओं के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

5 टिम साउदी करेंगे आईएलटी 20 के तीसरे संस्करण में शारजाह वारियर्स की कप्तानी

8 फसलों पर अनुकूल एवं प्रतिकूल मौसम का प्रभाव

मौसम जम्मू
न्यूनतम 6
अधिकतम 17

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

# देहात संदेश

वर्ष-21, जम्मू तवी, अंक-311 | जम्मू तवी, शनिवार 28 दिसम्बर, 2024 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

## डॉ सिंह का जीवन विपरीत परिस्थितियों में ऊंचाई हासिल करने की प्रेरणा देता है: मोदी

**नयी दिल्ली 27 दिसम्बर ।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन आने वाली पीढ़ियों को विपरीत परिस्थितियों से ऊपर उठकर महान ऊंचाइयों को हासिल करने की प्रेरणा देता है।

डॉ सिंह का गुरुवार रात यहां एम्स में निधन हो गया था।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने यहां बताया कि श्री मोदी ने एक वीडियो संदेश में डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह का निधन देश के लिए एक बड़ी क्षति है। प्रधानमंत्री ने कहा, फजीवन के हर क्षेत्र में सफलता हासिल करना कोई सामान्य उपलब्धि नहीं है और विभाजन के दौरान भारत आने के बाद बहुत कुछ खोने के बावजूद डॉ. सिंह बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाले व्यक्ति थे। डॉ. सिंह का जीवन आने वाली पीढ़ियों को

सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियों से कैसे ऊपर उठकर महान ऊंचाइयों को हासिल किया जाए।

श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि डॉ. सिंह को हमेशा एक दयालु व्यक्ति, एक विद्वान अर्थशास्त्री और सुधारों के लिए समर्पित नेता के रूप में याद किया जाएगा। उन्होंने केन्द्र सरकार में डॉ. सिंह के एक अर्थशास्त्री के रूप में विभिन्न स्तरों पर अनगिनत योगदानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने चुनौतीपूर्ण समय में भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में डॉ. सिंह की भूमिका की सराहना की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न पी.वी. नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री के रूप में डॉ. सिंह ने देश को वित्तीय संकट से निकालकर नये आर्थिक रास्ते पर चलाया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री के रूप में देश के विकास और प्रगति में डॉ. सिंह के योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोगों और देश के विकास के प्रति डॉ. सिंह की प्रतिबद्धता को हमेशा उच्च सम्मान में रखा गया है। श्री मोदी ने कहा कि डॉ. सिंह का जीवन उनकी ईमानदारी और सादगी का प्रतिबिंब था। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह का प्रतिष्ठित संसदीय करियर उनकी विनम्रता, सौम्यता और बुद्धिमत्ता से चिह्नित था। प्रधानमंत्री ने याद किया कि इस वर्ष की शुरुआत में राज्यसभा में डॉ. सिंह के कार्यकाल के अंत में भी, उन्होंने सभी के लिए प्रेरणा के रूप में डॉ. सिंह के समर्पण की प्रशंसा की थी। अपनी शारीरिक चुनौतियों के बावजूद, डॉ. सिंह ने अपने संसदीय कर्तव्यों को पूरा करते हुए व्हीलचेयर पर महत्वपूर्ण सत्रों में भाग लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रतिष्ठित वैश्विक संस्थानों से शिक्षा प्राप्त करने और शीर्ष सरकारी पदों पर रहने के बावजूद, डॉ. सिंह अपनी साधारण पृष्ठभूमि के मूल्यों को कभी नहीं भूले। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह हमेशा दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सभी दलों के लोगों से संपर्क बनाए रखते थे और सभी के लिए आसानी से उपलब्ध रहते थे। प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान और बाद में दिल्ली में डॉ. सिंह के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर उनकी खुली चर्चा को याद किया। उन्होंने डॉ. सिंह के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और सभी नागरिकों की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

## जम्मू-कश्मीर में 117.58 करोड़ रुपये की ऐतिहासिक कृषि परियोजनाओं को मंजूरीः जावेद डार

**जम्मू 27 दिसंबर।** कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग के मंत्री जावेद अहमद डार ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में कृषि अवसंरचना निर्माण के लिए 117.58 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

मंत्री ने एपीडी सचिव शैलेंद्र कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में एक बैठक के दौरान यह जानकारी दी।

मंत्री ने कहा कि कृषि, पशुपालन और सीएडीडब्ल्यूएम के तहत इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं की मंजूरी सतत कृषि विकास और ग्रामीण समृद्धि की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

उन्होंने कहा कि ये महत्वपूर्ण परियोजनाएं न केवल कृषि अवसंरचना में सुधार करेंगी, सिंचाई दक्षता बढ़ाएंगी बल्कि जम्मू-कश्मीर में टिकाऊ कृषि पारिस्थितिकी तंत्र भी सुनिश्चित करेंगी।

उन्होंने कहा कि विकास कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में अवसंरचना निर्माण को बढ़ावा देगा और किसानों और अन्य हितधारकों के लिए उत्पादकता और आर्थिक संभावनाओं में वृद्धि सुनिश्चित करेगा।

उन्होंने कहा कि नाबार्ड के तहत स्वीकृत अन्य प्रमुख परियोजनाओं में पशुपालन की 12 परियोजनाएं शामिल हैं, जिनमें ग्यारह पशु चिकित्सा अस्पतालों और एक प्रशिक्षण संस्थान का निर्माण और उन्नयन शामिल है, जिसके लिए 4067.04 लाख रुपये का स्वीकृत बजट है। परियोजनाओं में बांदीपुरा, गांदरबल और अनंतनाग में जिला पशु चिकित्सा अस्पतालों के निर्माण के अलावा किश्तवाड़, भद्रवाह, सांबा, कठुआ, गुज्जर कॉलोनी जम्मू और कालाकोट, परगवाल जिलों में जिला पशु चिकित्सा अस्पतालों का उन्नयन शामिल है। श्रीनगर में पैरा-वेट ट्रेनिंग डेवलपमेंट शाल्टेंग का निर्माण भी पशुपालन क्षेत्र में स्वीकृत प्रमुख परियोजनाओं में से एक है।

मंत्री ने कहा कि कृषि क्षेत्र में 3051.65 लाख रुपये की लागत से शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विष्वविद्यालय जम्मू और शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विष्वविद्यालय कश्मीर में अत्याधुनिक छात्रावासों सहित अतिरिक्त बुनियादी ढांचे के विकास को भी मंजूरी दी गई है। कमांड एरिया डेवलपमेंट एंड वाटर मैनेजमेंट में बुनियादी ढांचे के विकास को सुनिश्चित करने के लिए, विभिन्न जिलों में 4639.31 लाख रुपये की लागत से 14 सीएडी परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जो सिंचाई और फील्ड चैनलों के पुनरुद्धार पर केंद्रित हैं।

इन परियोजनाओं में उधमपुर में बारहमासी प्राकृतिक जल स्रोतों का दोहन, कठुआ, बारामुला और अन्य जिलों में फील्ड चैनलों का निर्माण शामिल है। इसके अलावा, कुलगाम, पुलवामा और श्रीनगर में मौजूदा सिंचाई प्रणालियों का पुनर्वास भी शामिल है।

सहकारिता एवं चुनाव विभाग के मंत्री जावेद डार ने कहा कि इन परियोजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण बुनियादी ढांचे में सुधार, सिंचाई दक्षता में वृद्धि, तथा प्रशिक्षण, पशु चिकित्सा देखभाल और संसाधन प्रबंधन के लिए आधुनिक सुविधाओं के साथ किसानों को सहायता प्रदान करना है। उन्होंने संबंधितों को समय पर कार्य निष्पादन सुनिश्चित करने और परियोजनाओं को जल्द से जल्द जनता को समर्पित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार इन परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर निष्पादित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें आवश्यकतानुसार शीघ्र निष्पादन के प्रावधान भी शामिल हैं।

## सीमा पार से अवैध गतिविधियों में शामिल तीन आतंकवादियों की संपत्तियां जब्त

**राजौरी 27 दिसंबर।** पुलिस ने शुक्रवार को सीमा पार से अवैध गतिविधियों में शामिल तीन आतंकवादियों की संपत्तियां जब्त की हैं। यह कार्रवाई पुलिस स्टेशन कंडी में दर्ज एक मामले के में आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 88 के तहत की गई है। जब्त की गई कुल संपत्ति 07 कनाल और 15 मरला है, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 18.5 लाख रुपये है। पुलिस ने एक बयान में कहा कि कंडी तहसील कोटरंका जिला राजौरी निवासी खादिम हुसैन पुत्र दिल मोहम्मद की 03 कनाल, 04 मरला और 31 वर्ग फीट, गखरोटे तहसील कोटरंका जिला राजौरी निवासी मुनीर हुसैन पुत्र सईद की 02 कनाल और 08 मरला और पंजनारा, तहसील कोटरंका जिला राजौरी निवासी मोहम्मद शबीर पुत्र फकीर मोहम्मद की 02 कनाल, 02 मरला और 253 वर्ग फीट जमीन जब्त की गई है। अधिकारियों ने कहा कि यह जब्ती न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमआईसी), कोटरंका के न्यायालय के आदेशों के बाद की गई। पुलिस ने जनता से क्षेत्र में शांति और सुरक्षा को मजबूत करने के लिए किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना कानून प्रवर्तन एजेंसियों को देने का आग्रह किया है।

## सुरक्षा बलों ने हीवान बारामुल्ला में तलाशी अभियान किया शुरू

**बारामुला, 27 दिसंबर।** सुरक्षाबलों ने शुक्रवार को बारामुला जिले के हीवान गांव इलाके में एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया है। इस अभियान में 46वीं राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर), स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) बारामुल्ला और सीआरपीएफ की 53वीं बटालियन शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि अभियान के तहत क्षेत्र में सभी प्रवेश और निकास बिंदुओं को बंद कर दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि तलाशी का उद्देश्य क्षेत्र में किसी भी संभावित खतरे को रोकना है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र को पूरी तरह से सुरक्षित बनाने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है।

## कटरा-रियासी रेलवे ट्रैक पर दौड़ा 45 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार इंजन

**जम्मू, 27 दिसंबर।** उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना पर रेलवे द्वारा ट्रायल पर ट्रायल किए जा रहे है। दो दिन पहले यहां इस परियोजना के कटरा से रियासी वाले ट्रैक पर सफल इलेक्ट्रिक इंजन ट्रायल किया गया। तो बीते कल 3300 टन वनज की मालगाड़ी को इस ट्रैक पर दौड़ाया गया। लेकिन आज इस ट्रैक पर डबल इंजनों से सफल ट्रायल किया गया है।

## सरकार ने 6 आईएएस अधिकारियों के स्थानांतरण के आदेश दिए

**जम्मू, 27 दिसंबर।** जम्मू-कश्मीर सरकार ने तत्काल प्रभाव से 6 आईएएस अधिकारियों के स्थानांतरण और नियुक्ति का आदेश दिया है।

आदेश के अनुसार सामान्य प्रशासन विभाग में नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे शांतमनु को स्थानांतरित कर उच्च शिक्षा विभाग के वित्तीय आयुक्त (अपर मुख्य सचिव) के पद पर तैनात किया गया है जिससे आईएएस डॉ. रश्मि सिंह को अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। शांतमनु प्रशासनिक सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी के पद का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे जिससे आईएएस संतोष डी. वैद्य को अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया जाएगा।

शैलेन्द्र कुमार आईएएस प्रमुख सचिव, कृषि उत्पादन विभाग और अपने कर्तव्यों के अलावा 01.01.2025 से प्रशासनिक सचिव, पुष्पकृषि, उद्यान एवं उद्यान विभाग का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे।

संजीव वर्मा आईएएस आयुक्त/सचिव सामान्य प्रशासन विभाग को स्थानांतरित कर सरकार के आयुक्त/सचिव समाज कल्याण विभाग के पद पर पदस्थ किया गया है।

सामान्य प्रशासन विभाग में पदस्थापन आदेश की प्रतीक्षा कर रहे आईएएस एम. राजू को आयुक्त/सचिव सामान्य प्रशासन विभाग के पद पर पदस्थ किया गया है। वह अगले आदेश तक सूचना विभाग के प्रशासनिक सचिव का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे।

शीतल नंदा आईएएस आयुक्त/सचिव समाज कल्याण विभाग को स्थानांतरित कर सरकार के वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण विभाग में आयुक्त/सचिव के पद पर तैनात किया गया है जिससे आईएएस शैलेन्द्र कुमार को अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है।

## श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की यात्रा ने इस साल 93 लाख का आंकड़ा किया पार

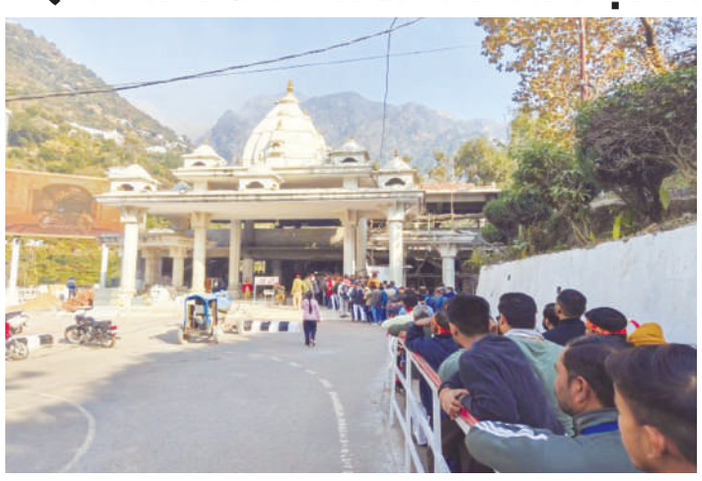

**जम्मू, 27 दिसंबर।** एक और रिकॉर्ड बनाते हुए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की यात्रा ने इस साल 93 लाख का आंकड़ा पार कर लिया है।

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशुल गर्ग ने एक्स के माध्यम से कहा कि जम्मू और कश्मीर के रियासी जिले के कटरा शहर के त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर में इस वर्ष 93 लाख से अधिक यात्रियों ने पूजा अर्चना की है।

उन्होंने कहा कि कटरा रेलवे स्टेशन, बाणगंगा और ताराकोट में श्राइन बोर्ड द्वारा विशेष लंगर लगाए गए हैं जो तीर्थयात्रियों को चाय और दूध प्रदान करते हैं क्योंकि यात्रा दोनों पटरियों के माध्यम से सुचारू रूप से जारी है।

## डॉ. मनमोहन सिंह के सम्मान में जम्मू-कश्मीर में सात दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा

**जम्मू, 27 दिसंबर ।** जम्मू-कश्मीर सरकार ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के सम्मान में 26 दिसंबर, 2024 से 1 जनवरी, 2025 तक सात दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की है।

डॉ. मनमोहन सिंह का 26 दिसंबर को निधन हो गया था। इस दौरान सभी आधिकारिक स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और कोई भी आधिकारिक मनोरंजन कार्यक्रम नहीं होगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने इन उपायों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी किए हैं। आयुक्त/सचिव संजीव वर्मा द्वारा सूचित किया गया है कि यह निर्णय दिवंगत नेता के प्रति राज्य के सम्मान को दर्शाता है। नागरिकों से शोक अवधि के दौरान दिशा-निर्देशों का पालन करने का अनुरोध किया गया है।

## सर्दीयों की पहली बारिश, पहाड़ों पर बर्फबारी

**कठुआ, जम्मू, 27 दिसंबर ।** बारिश को लेकर आखिरकार लोगों का इंतजार खत्म हुआ। सर्दीयों के शुष्क मौसम से लोग बिमार हो रहे थे। हर कोई बारिश का इंतजार कर रहा था। शुक्रवार को सुबह से ही रूक रूककर हो रही सीजन की पहली बारिश से लोगों विशेष तौर पर किसानों के चेहरे खिल उठे। इससे लोगों को बिमारी से भी निजात मिलेगी।

सीजन की पहली बारिश ने दस्तक दे दी है। कठुआ में भी सर्दीयों की पहली बारिश से मौसम और भी ज्यादा ठंडा हो गया है। इसी बीच जिले के पहाड़ी क्षेत्र भंडार, गुद्दू, रौलका, छत्रगलां समेत नुकनाली के पहाड़ों पर हिमपात हुआ। इन इलाकों में एक फुट तक बर्फ की चादर बिछ जाने की सूचना है। कैलाश कुंड के नजदीक भी भारी हिमपात की जानकारी मिली है। छत्रगलां टॉप पर भी बर्फ के फाहे गिरने से तापमान शून्य से भी नीचे चला गया है। डंडी गुद्दू और रौलका से सटे पहाड़ बर्फ से सफेद हो गए हैं तो वहीं भंडार और हिमाचल से सटी सीमा पर गढ़ माता मंदिर के नजदीक भी अच्छी बर्फबारी दर्ज हो गई है।

लोहाई मल्हार के दूरदराज इलाकों में भी पहली बर्फबारी दर्ज हो गई है। सर्दियों के आगाज के साथ ही लोगों ने ठंड से बचने के लिए आग का सहारा लेना शुरू कर दिया है। कठुआ में शुक्रवार को दिन का अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस तो वहीं रात का न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बनी में दिन का अधिकतम तापमान 10 डिग्री तो वहीं न्यूनतम 2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बिलावर और बसोहली के इलाकों में भी दिन भर रुक-रुक कर बारिश का सिलसिला जारी रहा।

## अनंतनाग पुलिस ने तीन कुख्यात नशा तस्करों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज

**27 दिसंबर।** ड्रग तस्करी से निपटने और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत अनंतनाग पुलिस ने आपराधिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। तीन कुख्यात ड्रग तस्करों पर नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थों में अवैध तस्करी की रोकथाम (पीआईटी एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है जबकि एक आदतन जालसाज को सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत में लिया गया है।

जानकारी के अनुसार जुबैर अहमद गनी पुत्र मोहम्मद रमजान गनी निवासी गुंड बाग सीर हमदान, पुलिस स्टेशन मट्टन में एनडीपीएस अधिनियम के तहत एफआईआर नंबर 04/2024 में शामिल है जहां बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित पदार्थ जब्त किया गया था।

गोपालपोरा मट्टन निवासी मोहम्मद यूसुफ खान के बेटे बशीर अहमद खान पर पुलिस स्टेशन मट्टन में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस एफआईआर नंबर 89/2024 में मामला दर्ज है।

तुलखान बिजबेहरा निवासी अब्दुल रशीद भट के बेटे सरताज अहमद भट पर पुलिस स्टेशन बिजबेहरा में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस एफआईआर नंबर 14/2024 में मामला दर्ज किया गया है।

इन कार्रवाइयों का उद्देश्य ड्रग तस्करी नेटवर्क को बाधित करना और आदतन अपराधियों को उनकी अवैध गतिविधियों को जारी रखने से रोकना है। इसके अतिरिक्त अनंतनाग पुलिस ने पीएसए के तहत एक कुख्यात धोखेबाज बिलाल अहमद लोन उर्फ डॉ. बिलाल' को हिरासत में लिया है जो मरातगाम हंदवाड़ा का निवासी मोहम्मद अकबर लोन का बेटा है। वह कई धोखाधड़ी गतिविधियों में शामिल होने के लिए जाना जाता है और बिलाल अहमद लोन ने काफी सार्वजनिक संकट पैदा किया है।

## श्रीनगर और घाटी के मैदानी इलाकों में मौसम की पहली बर्फबारी, कई सड़कें बंद हुईं

**श्रीनगर, 27 दिसंबर ।** श्रीनगर और कश्मीर घाटी के अन्य मैदानी इलाकों में शुक्रवार को मौसम की पहली बर्फबारी हुई है, जिससे लंबे समय से चल रहा सूखा खत्म हो गया। डोडा, रामबन और किश्तवाड़ के कुछ हिस्सों से भी बर्फबारी की हुई है, जबकि जम्मू जिले के मैदानी इलाकों में बारिश हो रही है। बर्फबारी के कारण दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले को जम्मू जिले के पुंछ और राजौरी जिले से जोड़ने वाली ऐतिहासिक मुगल रोड, लद्दाख को जोड़ने वाली श्रीनगर-सोनमर्ग-गुमरी रोड के अलावा सिंथन-किश्तवाड़ रोड और कोकरनाग-मारवा-वारवान रोड सहित कुछ रणनीतिक सड़कें भी बंद हो गई हैं।

जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में लंबे समय से चल रहे सूखे के बाद मौसम की पहली बर्फबारी हुई है, जिससे पर्यटक काफी खुश हुए हैं। पर्यटक डल झील के किनारे फैशनेबल बुलेवार्ड रोड पर आलीशान हाउसबोट की पृष्ठभूमि में बर्फ के टुकड़ों का आनंद लेते हुए और जीवन भर के लिए यादगार तस्वीरें क्लिक करते हुए देखे गए। शुक्रवार को बिजबिहाडा, शोपियां, कुलगाम, पुलवामा और काजीगुंड के कुछ हिस्सों, बारामुला और कश्मीर घाटी के अन्य हिस्सों सहित दक्षिण कश्मीर के कई मैदानी इलाकों में मौसम की पहली बर्फबारी दर्ज की गई। स्वतंत्र मौसम पूर्वानुमानकर्ता फैजान आरिफ ने बताया कि मौजूदा जमीनी अवलोकनों और भविष्य के पूर्वानुमान के आधार पर कुछ ऊंचे इलाकों में महत्वपूर्ण बर्फबारी की उम्मीद है जिसमें 12 से 18 इंच के बीच बर्फबारी हो सकती है। उन्होंने कहा कि दक्षिण कश्मीर के कुछ मैदानी इलाकों में भी अच्छी बर्फबारी हो सकती है।

## वैष्णो देवी रोपवे परियोजना के विरोध में कटड़ा में तीसरे दिन भी रहा बंद

**रियासी, 27 दिसंबर ।** प्रस्तावित वैष्णो देवी रोपवे परियोजना के विरोध में कटरा में शुक्रवार को तीसरे दिन भी बंद जारी रहा। यहां पहले के प्रदर्शनों के दौरान हिरासत में लिए गए लोगों की रिहाई की मांग को लेकर और अधिक लोग भूख हड़ताल पर बैठे हैं। श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति ने बुधवार से 72 घंटे के बंद का आह्वान करके घोषणा की थी कि बंद के दौरान जम्मू और कश्मीर के कटरा में सभी गतिविधियां निलंबित रहेंगी। बुधवार रात को भूख हड़ताल शुरू करने वाले छह प्रदर्शनकारियों में अब महिलाएं और बच्चे भी शामिल हो गए हैं। यह सभी लोग विरोध मार्च के दौरान हिरासत में लिए गए समिति के 18 सदस्यों की रिहाई की मांग कर रहे हैं। श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति दुकानदारों, टट्टू संचालकों और पालकी मालिकों का प्रतिनिधित्व करती है। समिति का तर्क है कि रोपवे परियोजना से स्थानीय व्यापार मालिकों की आजीविका नष्ट होगी,. इसलिए इस परियोजना को रद्द कर दिया जाए। समिति के आह्वान के बाद शहर भर में काले झंडे दिखाए गए। इस दौरान दुकानें, रेस्तरां और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान तीसरे दिन भी बंद रहे और वाहनों की आवाजाही ठप रही। समिति के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह बंद रोपवे परियोजना के विरोध में हमारे 72 घंटे के बंद का हिस्सा है। यह शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा है। समिति जल्द ही अगली कार्रवाई के बारे में फैसला करेगी। प्रशासन की भागीदारी की कमी की आलोचना करते हुए प्रवक्ता ने कहा कि प्रशासन शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रहे महिलाओं और बच्चों सहित लोगों की दुर्दशा के प्रति उदासीन है। भूख हड़ताल में भाग लेने वाले एक व्यक्ति ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों की रिहाई होने तक हमारी भूख हड़ताल जारी रहेगी।

## उपायुक्त जम्मू द्वारा कैपेक्स के तहत पीडब्ल्यूडी कार्यों की प्रगति की समीक्षा

**जम्मू 27 दिसंबर।** उपायुक्त सचिन कुमार वैश्य ने जिला कैपेक्स बजट के तहत लोक निर्माण विभाग द्वारा किए गए विकास कार्यों की स्थिति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिले भर में चल रही परियोजनाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। समयसीमा का पालन करने के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने निष्पादन एजेंसियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कार्यों के निष्पादन में गुणवत्ता के मानकों को बनाए रखने पर भी जोर दिया। डीसी ने फंड के उपयोग की स्थिति की भी समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखते हुए फंड का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त शेर सिंह, मुख्य योजना अधिकारी उत्तम कुमार के अलावा पीडब्ल्यूडी के कार्यकारी अभियंता, उप-मंडल मजिस्ट्रेट और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

# नए साल में बना रहे घूमने का प्लान तो...

## मलेशिया को करें एक्सप्लोर, वीजा पर नहीं खर्च होगा एक भी पैसा

नए साल को आने में कुछ दिनों का समय बचा है। नए साल पर कई लोग घूमने का प्लान बनाते हैं, तो वहीं कुछ लोग विदेश घूमने का प्लान बनाते हैं। ऐसे में अगर आप भी नए साल पर विदेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको बता दें कि घूमने के शौकीन लोगों के लिए एक बेहद अच्छी खबर सामने आई है।

दरअसल, भारत और चीन के नागरिकों को 1 दिसंबर से मलेशिया में वीजा फ्री एंट्री मिल रही है। ऐसे में आप बिना वीजा पर एक पैसा खर्च किए मलेशिया घूमने का प्लान बना सकते हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम ने अपने एक भाषण के दौरान यह घोषणा की।

### इन देशों में कर सकेंगे वीजा फ्री एंट्री

आपको बता दें कि इस लिस्ट में अब कई देशों का नाम शामिल हो गया है, जहां पर भारतीय नागरिक वीजा फ्री एंट्री कर सकते हैं। मलेशिया के अलावा भारतीय नागरिक श्रीलंका और थाईलैंड में भी वीजा फ्री एंट्री कर सकते हैं।

इन देशों के नागरिक कर सकेंगे वीजा फ्री यात्रा

मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम के अनुसार, चीनी और भारतीय नागरिक बिना वीजा के 30 दिनों तक मलेशिया की सैर कर सकते हैं। हांलाकि अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि वीजा फ्री एंट्री कब तक लागू रहेगी।

भारत और चीन, मलेशिया के चौथे और पांचवें सबसे बड़े सोर्स मार्केट की लिस्ट में शामिल हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल जनवरी से जून के बीच मलेशिया में 9.16 मिलियन पर्यटक आए। जिनमें से भारत के 2,83,885 पर्यटक और चीन के 4,98,540 पर्यटक शामिल रहे। वहीं कोरोना महामारी से पहले साल 2019 में भारत से 3,54,486 और चीन से 1,5 मिलियन लोग मलेशिया पहुंचे थे।

### वीजा के लिए आवेदन

थाईलैंड ने अपने महत्वपूर्ण पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने और सुस्त अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के लिए वीजा फ्री एंट्री का ऐलान किया। इस साल चीनी और भारतीय नागरिकों को भी यह छूट मिली है। हांलाकि वर्तमान समय में भारतीय और चीनी पर्यटकों को मलेशिया जाने के लिए वीजा का आवेदन करना पड़ता है।

# मॉरीशसः समुद्र का निराला संसार

दुनिया के बीच डेस्टिनेशन में जिन जगहों को मुख्य रूप से गिना जाता है उनमें मॉरीशस टॉप पर है। हिंद महासागर के नीले गहरे पानी में स्थित मॉरीशस अनूठा है। रंग, संस्कृति और स्वाद में जो विविधता यहां है, वह यहां गुजारे पलों को यादगार बना देती है। इसकी भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि लगभग पूरे साल यहां का मौसम लगभग एक सरीखा रहता है। ना बहुत ज्यादा गर्मी पड़ती है और न ज्यादा ठंड। दिसंबर से मार्च के महीने सबसे ज्यादा बारिश वाले होते हैं, इसलिए उनको छोड़कर बाकी पूरे साल यहां कभी भी जाया जा सकता है। मॉरीशस के सफेद रेतीले तट कोरल रीफ बैरियर से सुरक्षित हैं। यहां का लगभग समूचा तट कोरल रीफ से घिरा है, सिवाय दक्षिणी सिरे के कुछ अपवाद को छोड़कर। इसीलिए बाकी तटों पर समुद्र जहां शांत होता है, वहीं दक्षिणी हिस्से में वह बहुत अशांत है। वहां चत्रनी तट पर समुद्र की पछाड़ें देखकर आप मुग्ध हो सकते हैं।

मॉरीशस के मुख्य द्वीप के चारों ओर कई छोटे-छोटे निर्जन द्वीप भी हैं। हम भारतीयों के लिए मॉरीशस उन जगहों में से है, जहां से हमारा भावनात्मक लगाव है। हमारी संस्कृति साझी है और लोग भी। राजधानी पोर्ट लुई पश्चिमी तट पर स्थित है। उत्तर का इलाका मैदानी है और यहां देश के कई सबसे खूबसूरत बीच हैं। समुद्र तटों की रंगीनियत भी सबसे ज्यादा इसी इलाके में है। वहीं पूर्वी मॉरीशस के समुद्र तट सुकून से कुछ पल बिताने के लिए हैं। यहां के समुद्र तट की खूबसूरती खोह और लैगून में हैं। यहां ब्लू बे और बेले मेरे सबसे लोकप्रिय समुद्री इलाकों में से हैं। उधर पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी तट रोमांच प्रेमियों के लिए स्वर्ग हैं। यहां आप सर्फिंग, स्नोर्कलिंग, डीप शी फिशिंग, जैसे ज्यादातर समुद्री खेल का आनंद आप ले सकते हैं। यहां टेमेरिन बे के आसपास आप डॉल्फिन भी देख सकते हैं। दक्षिणी इलाके का रंगरूप बाकी देश से पूरी तरह अलग है। ग्रिस-ग्रिस ही मॉरीशस के समुद्री तट का अकेला ऐसा इलाका है जहां कोरल रीफ नहीं हैं। वहां किनारे ऊंची पहाड़ियां और गहरी खाइयां देखने को मिल जाएंगी। मॉरीशस का भीतरी इलाका संस्कृति के विभिन्न रंगों से रंगा है। यहां की शिवरात्रि आपको भारत की शिवरात्रि जैसी ही लगेगी।

### कैसे जाएं

मॉरीशस के लिए दिल्ली व मुंबई आदि शहरों से कई एयरलाइंस की उड़ानें हैं। दिल्ली से मॉरीशस की सीधी उड़ान लगभग साढ़े सात घंटे का समय लेती है। कई उड़ानें दुबई के रास्ते भी हैं। मॉरीशस का वापसी किराया दिल्ली से 26 हजार रुपये से शुरू हो जाता है। मॉरीशस जाना बेशक महंगा है लेकिन वहां रुकने के लिए लग्जरी रिजॉर्ट के अलावा बजट होटल भी बड़ी आसानी से मिल जाएंगे।

# जर्मनी के प्रचलित शहरों में से एक कोलोन

जर्मनी के प्रमुख शहरों में से एक कोलोन में जमीन पर तो अब रोम साम्राज्य के अधिक अवशेष दिखाई नहीं देते हैं परंतु जमीन के तले आज भी रोम साम्राज्य के प्रभुत्व के प्रमाण मौजूद हैं। एक सीढ़ी की मदद से नीचे उतरने पर रहस्यमयी अंधेरे से घिरे दूसरी सदी की एक कब्रगाह तक पहुंचा जा सकता है।

विभिन्न पौराणिक जीवों की आकृतियों से सजा एक विशाल ताबूत यहां दिखाई देता है ।इसका ढक्कन हटाया गया है जिसके भीतर झांकने पर सारा डर दूर हो जाता है क्योंकि इसमें कोई भयावह चीज नहीं बल्कि दो कुर्सियां रखी दिखाई देती हैं। पहली नजर में ये कुर्सियां आजकल की आम कुर्सियां जैसी प्रतीत होती हैं परंतु ध्यान से देखने पर इनका महत्व महसूस होने लगता है क्योंकि इन कुर्सियों को बेहद कलात्मक ढंग से चूना पत्थर से करीब 1800 वर्ष पहले तैयार किया गया था।

इन भूमिगत हिस्सों में सब कुछ बेहद प्राचीन है। बेशक कई सौ वर्ष पूर्व कोलोन वासी रोम साम्राज्य से आजाद हो गए थे और जमीन से तो इसके अधिकतर अवशेष हटा दिए गए परंतु जमीन के नीचे आज भी कोलोनिया क्लाऊडिया अरा एग्रीप्पिनेनसियम ( वह उपनिवेश जिससे यह नगर विकसित हुआ ) के अवशेष बाकी हैं। गवर्नर के महल प्रायटोरियम का पता ही नहीं चलता यदि द्वितीय विश्व युद्ध में कोलोन शहर का मध्य हिस्सा तबाह न हुआ होता।

आज पर्यटक इस महल के अवशेषों की सैर कर सकते हैं जो सोमवार को छोड़ कर सप्ताह के बाकी दिन खुला रहता है ।इसके ठीक साथ प्राचीन गटर है ।रोमन 100 किलोमीटर दूर एफिल पहाड़ियों से ताजा पानी कोलोन तक लाए थे जबकि गंदे पानी की निकासी वे राइन नदी में करते थे। इसके लिए जिस तकनीक का इस्तेमाल प्राचीन रोमन करते थे उसका पता अन्यों को 19वीं सदी में जाकर लगा था।

इस जर्मन शहर में रोम साम्राज्य के कई नए अवशेषों का भी पता चलता रहा है, विशेषकर भूमिगत रेलवे के लिए की जाने वाली खुदाई के चलते कई अवशेषों का पता चल रहा है ।हालांकि शहर के भीतरी हिस्से में रहने वाले किसी भी इंसान को प्राचीन अवशेषों का पता चल सकता है ।1965 में एक व्यक्ति को अपने घर के बेसमैंट की खुदाई में कुछ पत्थरों से बने हिस्से मिले थे जो एक प्राचीन स्मारक निकला ।आज यह रोमन-जर्मेनिक म्यूजियम की शोभा बढ़ा रहा है ।इससे पहले 1941 में भी एक बंकर की खुदाई के दौरान एक खोज हुई थी।

तब भगवान डाइओनीसोस का एक मोजायक मिला था जिसमें 15 लाख टाइल्स लगी थीं। यदि आप जानना चाहें कि प्राचीन रोम वासी किस तरह से स्पा का आनंद लिया करते थे तो आपको कोलोन से निकल कर करीब स्थित जुएलपिच कस्बे तक जाना होगा। वहां म्यूजियम ऑफ बैथ कल्चर में प्राचीन रोम के स्नानागारों के संरक्षित अवशेष सहेज कर रखे गए हैं। संग्रहालय में मॉडल्स बना कर रोम कालीन स्नानागारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है ।गहरे रंग में रंगे स्नानागारों में कपड़े बदलने के लिए लॉकर रूम बने हैं।

स्वीटिंग या हॉट बैथ में स्नान करने से पहले शरीर पर तेल लगाया जाता था या मालिश करवाई जाती थी। फिर करीब 40 डिग्री तक गर्म पानी में स्नान किया जाता था। बाद में वे ठंडे पानी में नहाते थे ।स्नानागारों में केश विन्यासक, चिकित्सक तथा रसोइए भी मेहमानों की सेवा में मुस्तैद रहते थे।

स्नानागारों के नीचे गुलाम लगातार आग जला कर रखते थे जिसकी ऊष्मा फर्श तथा दीवारों बने छिद्रों से होकर स्नानागार तक पहुंचती रहती थी।

जब आग के लिए लकड़ी पाने के लिए आस-पास के जंगलों के पेड़ों को काट कर खत्म कर दिया गया तो प्राचीन रोम वासी ब्लैक फॉरैस्ट से लकड़ी काट कर राइन नदी के रास्ते कोलोन तक पहुंचाने लगे थे ।उस वक्त अभिजात्य वर्ग के रोम वासियों के लिए विशेष शौचालय भी बनाए गए थे जहां वे एक साथ बैठ कर निवृत्त होते हुए विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श भी किया करते थे। इतिहास पर नजर डालें तो कोलोन की खूबियों ने रोमन साम्राज्य का मन पूरी तरह मोह लिया था।

इतिहास बताता है कि हर किसी ने कोलोन को अपना बनाने की कई कोशिशें कीं ।यह रोमन साम्राज्य का एक बड़ा केंद्र रहा। 2 हजार साल पहले राइन नदी के किनारे रोमन साम्राज्य का विस्तार केंद्र कोलोन ही था। रोम शासकों ने यहां अपनी व्यापारिक चैकी स्थापित की थी और नाम दिया था कोलोनिया। रोमन दौर की निशानियां कोलोन में आज भी यहां वहां बिखरी हुई हैं। राइन नदी इलाके में व्यापार का प्रमुख रास्ता रहा है और इसकी बदौलत कोलोन की समृद्धि भी रही। मध्ययुगीन दौर में रोमन शासन के बनाए 12 चर्च और किले सरीखे तीन नगर द्वार कोलोन की विशिष्टता रहे हैं।

# इस एक स्थान पर होती है तीन धर्मों की यात्रा

संसार भर में भारत ही ऐसा देश है जहां विभिन्न धर्मों से जुड़े लोग एकजुट होकर रहते हैं। बहुत से ऐसे स्थान हैं जहां विभिन्न धर्मों के पवित्र स्थल एक ही स्थान पर स्थापित हैं। उन्हीं में से एक तीर्थ है राजगृह। राजगृह हिन्दू, बौद्ध और जैन तीनों धर्मों के अनुयायीयों का तीर्थ है। पुरातन काल में राजगृह मगध की राजधानी हुआ करती थी तत्पश्चात मौर्य साम्राज्य आया। महाभारत में राजगृह को तीर्थ माना गया है। राजगृह के समीप अरण्य में जरासंध की बैठक नाम की एक बारादरी अवस्थित है।

### हिन्दू तीर्थ

यहां प्रवाहित होने वाली सरस्वती नदी को स्थानीय लोग प्राची सरस्वती कहते हैं। सरस्वतीकुण्ड से आधा मील की दूरी पर सरस्वती को वैतरणी कहा जाता है। इस नदी के तट पर पिण्डदान और गोदान का बहुत महत्व है इसलिए यहां प्रत्येक धर्म-समुदाय के लोग पिण्डदान करते हैं। यहां मार्कण्डेयकुण्ड, व्यासकुण्ड, गंगा-यमुनाकुण्ड, अनन्तकुण्ड, सप्तर्षिधारा और काशीधारा हैं। जिनके समीप बहुत से देवी-देवताओं के मंदिर अवस्थित हैं।

### बौद्ध तीर्थ

पुरातन काल में इस स्थान पर बौद्धों के 18 विहार हुआ करते थे। राजगृह मुख्य बौद्ध तीर्थ है क्योंकि महात्मा बुद्ध ने अपने जीवन काल का बहुत बड़ा हिस्सा यहां व्यतित किया था। वर्षा के चार महीने यहीं व्यतीत किया करते थे।

### जैन तीर्थ

जैन तीर्थ पंच पहाड़ों पर स्थित है। इक्कीसवें तीर्थंकर मुनि सुव्रतनाथ का जन्म इसी पहाड़ी पर हुआ था। यही उनकी तपो भूमी थी। मुनिराज धनदत्त और महावीर के बहुत सारे गणधर इसी स्थान से मोक्ष को प्राप्त हुए थे। जैनयात्री यहां विशेष रूप से दर्शनों के लिए आते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

# अरुणा जसरोटिया ने सुनीं जन शिकायतें, समाधान का दिया आश्वासन

**कठुआ 27 दिसंबर (हि.स.)।** जसरोटा विधायक राजीव जसरोटिया की पत्नी अरुणा जसरोटिया ने शुक्रवार को जन शिकायतें सुनने के लिए सुफैन, गमेला, जंगेडा गांवों का दौरा किया। बैठकों में दुकानदारों, गणमान्य नागरिकों और युवाओं की महत्वपूर्ण भागीदारी देखी गई।

इस अवसर पर बोलते हुए अरुणा ने कहा कि भाजपा स्थानीय लोगों को अपनी शिकायतें कहने और ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक खुला मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। विभिन्न व्यक्तिगत मुद्दों के अलावा, पीएचई, पीडीडी, सड़कों, गलियों, नालियों आदि से संबंधित अन्य मुख्य मुद्दे प्रस्तुत किए गए, सभी मुद्दों के लिए अरुणा ने सभा को आश्वासन दिया कि उनकी सभी समस्याओं को संबंधित विभाग के अधिकारियों के ध्यान में लाया जाएगा। अरुणा ने शिकायतों को सुनते हुए कहा कि हमारी राजनीतिक व्यवस्था पीड़ितों को तत्काल राहत प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसलिए हम संबंधित अधिकारियों से जरूरतमंद व्यक्तियों को राहत प्रदान करने के लिए त्वरित कार्रवाई करने की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा विधायक एक जवाबदेह राजनीतिक पार्टी के समर्पित जनप्रतिनिधि के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं तक पहुंचने और उन्हें हल करने में भाजपा की प्रतिबद्धता पर भरोसा करते हुए लोग पार्टी कार्यालय में अपनी समस्याएं रखने के लिए आते हैं और पार्टी पर दृढ़ विश्वास रखते हैं।

अरुणा ने कहा कि भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पोषित मिशन सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास को कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि जाति, धर्म और क्षेत्र से परे समाज के सभी वर्गों को प्रगति और विकास के पथ पर सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने आम जनता को सुशासन प्रदान करने के भाजपा के रुख को दोहराया। उन्होंने कहा कि पार्टी लोगों की पीड़ा को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है और वर्ष के 365 दिन जनता से निरंतर संपर्क बनाए रखने में विश्वास रखती है। उन्होंने कहा कि हालांकि भाजपा जम्मू-कश्मीर में सरकार का हिस्सा नहीं है, लेकिन भाजपा के सभी विधायक जनता की पीड़ा को कम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

# राजौरी के सुदूर गांव में मोबाइल मेडिकल गश्ती का आयोजन किया

**जम्मू, 27 दिसंबर (हि.स.)।** राजौरी में मोबाइल मेडिकल गश्ती के साथ सुदूर गांव सिचका में पहुंचकर भारतीय सेना ने गुज्जर और बक्करवाल समुदायों सहित स्थानीय ग्रामीणों को महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं। चुनौतीपूर्ण भूभाग और मुख्यधारा की स्वास्थ्य सुविधाओं तक सीमित पहुंच के कारण ये समुदाय अक्सर स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण असमानताओं का सामना करते हैं।

भारतीय सेना की पहल का उद्देश्य इस अंतर को पाटना है जिससे उनके दरवाजे पर सीधे बहुत जरूरी चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा सके।

आवश्यक चिकित्सा आपूर्ति से लैस मोबाइल मेडिकल गश्ती ने बुनियादी स्वास्थ्य आकलन, दवाओं का वितरण, निवारक देखभाल, टीकाकरण, और स्वच्छता, पोषण और बीमारी की रोकथाम पर शिक्षा फैलाई। महिलाओं के स्वास्थ्य पर मुख्य ध्यान दिया गया। कुल 37 व्यक्तियों (22 पुरुष, 9 महिलाएं और 6 बच्चे) को प्रदान की गई चिकित्सा सेवाओं से लाभ मिला। स्थानीय लोगों ने सेना द्वारा प्रदान की गई दयालु देखभाल और सहायता के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया।

# डॉ. राम सेवक शर्मा ने एसएमवीडीयू के कुलपति प्रो. प्रगति कुमार को आधार का निर्माण भेंट किया

**जम्मू, 27 दिसंबर (हि.स.)।** प्रख्यात नौकरशाह और भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. राम सेवक शर्मा ने श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) का दौरा किया और अपनी पुस्तक, द मेकिंग ऑफ आधार- वर्ल्ड्स लार्जेस्ट आइडेंटिटी प्लेटफॉर्म, एसएमवीडीयू के कुलपति प्रो. प्रगति कुमार को भेंट की।

यह पुस्तक दुनिया की सबसे बड़ी बायोमेट्रिक पहचान प्रणाली आधार के निर्माण का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करती है जिसने 1.3 बिलियन से अधिक भारतीयों को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। डॉ. शर्मा ने आधार के विकास के दौरान सामने आई तकनीकी, प्रशासनिक और नीतिगत चुनौतियों पर प्रकाश डाला जिसमें दिखाया गया कि कैसे इस परियोजना ने पहचान सत्यापन में क्रांति ला दी और भारत में डिजिटल समावेशन को बढ़ावा दिया। पुस्तक प्राप्त करते समय प्रो. प्रगति कुमार ने डॉ. शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व और आधार की अभूतपूर्व सफलता की सराहना की। उन्होंने कहा आधार न केवल एक तकनीकी मील का पत्थर है बल्कि भारत की अभिनव भावना का भी प्रतिनिधित्व करता है। यह पुस्तक शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं और प्रौद्योगिकीविदों को प्रेरित करेगी जो भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में काम करेगी। इस यात्रा में डिजिटल पहचान के भविष्य और राष्ट्र निर्माण में इसके महत्व पर एक जीवंत चर्चा शामिल थी। डॉ. शर्मा ने समावेशी विकास को प्राप्त करने के लिए प्रौद्योगिकी-संचालित शासन की महत्वपूर्ण भूमिका और निरंतर नवाचार की आवश्यकता को रेखांकित किया।

# नशीली दवाओं के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

**जम्मू, 27 दिसंबर (हि.स.)।** शुक्रवार को डोडा में सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में एक व्यापक नशीली दवाओं के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जिसका उद्देश्य युवाओं को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरे से निपटने के लिए शिक्षित और सशक्त बनाना था। भारतीय सेना द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में 125 छात्रों और 15 संकाय सदस्यों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। नशीली दवाओं के परामर्श और कानून प्रवर्तन में विशेषज्ञों द्वारा प्रभावशाली सत्रों के माध्यम से कार्यक्रम ने मादक द्रव्यों के सेवन के जोखिमों, लचीलेपन के लिए रणनीतियों और मदद लेने के तरीकों पर प्रकाश डाला। कवर किए गए प्रमुख विषयों में नशीली दवाओं की लत के परिणाम, चेतावनी के संकेतों को पहचानना और छात्रों को साथियों के दबाव का विरोध करने के कौशल से लैस करना आदि शामिल थे।

# मूवमेंट कल्कि का मंदिर संरक्षण और गौ कल्याण पर केंद्रित अभियान 68वे दिन भी जारी रहा

**जम्मू, 27 दिसंबर (हि.स.)।** मूवमेंट कल्कि ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए जम्मू के ऐतिहासिक और प्राचीन मंदिरों के संरक्षण और विकास की आवश्यकता पर जोर दिया है। अपने अभियान के 68वें दिन संगठन ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा जो श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं से आग्रह किया कि वे धार्मिक स्थलों के संरक्षण और पुनर्जीवन को प्राथमिकता दें। प्रेस कॉन्फ्रेंस में ठाकुर कर्णैल चंद, प्रीतम शर्मा, विक्रम महाजन, अधिवक्ता सुमेश्वर कोहली, पवन नारंग, सुनीता कुंदल, संजीव दुबे, सुखदेव सिंह, सनी कफाई, सुरेश कुमार और पवन शर्मा मौजूद रहे।

# एसएमवीडीयू ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया

**जम्मू, 27 दिसंबर (हि.स.)।** श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन पर शोक व्यक्त करने में राष्ट्र के साथ शामिल है। दूरदर्शी राजनेता के रूप में पहचाने जाने वाले डॉ. सिंह ने भारत के आर्थिक और राजनीतिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है जिसने राष्ट्र की प्रगति पर एक अमिट छाप छोड़ी है। समावेशी विकास और सतत विकास के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। दिवंगत नेता के सम्मान में एसएमवीडीयू ने अपना 10वां दीक्षांत समारोह स्थगित कर दिया है जो पहले शुक्रवार को यानि 27 दिसंबर को आयोजित होना था। विश्वविद्यालय इस दुख की घड़ी में डॉ. सिंह के परिवार, मित्रों और पूरे देश के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है। 10वें दीक्षांत समारोह की नई तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी।

# कंडी क्षेत्रों में बंदरों का कहर, हजारों एकड़ भूमि हो रही बंजर

**कठुआ 27 दिसंबर (हि.स.)।** जिला कठुआ के ब्लॉक बरनोटी के पंचायत बरवाल सहित अन्य कंडी क्षेत्रों में बंदरों का कहर जारी है। गांव वासी पिछले दो वर्षों से नहीं लगा पा रहे कोई भी फसल, क्योंकि बंदर उन फसलों को खराब कर रहे हैं। जिसकी वजह से कंडी क्षेत्र में ज्यादातर भूमि बंजर हो रही है। जिला कठुआ की पंचायत बरवाल में बंदरों का कहर जारी है पिछले तीन वर्ष से गांव वासी अपने खेतों में किसी भी प्रकार की खेती नहीं कर रहे हैं। दरअसल बंदर उन खेतों में हुड़दंग मचा कर फसलों को खराब कर रहे हैं जिसकी वजह से स्थानीय लोगों ने अपने खेतों में खेती करना छोड़ दी है। जिस वजह से कंडी क्षेत्र में ज्यादातर जमीनें बंजर हो चुके हैं। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि बंदरों के आंतक से उन्हें निजात दिलवाई जाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे नहीं जानते कि बंदर कंडी क्षेत्र में कहां से आए, उनका कहना था कि आज से पांच वर्ष पहले कंडी क्षेत्र के ऊपरी हिस्से में मात्र चंद बंदर ही जंगलों में घूमते थे, लेकिन अब बंदर बस्तियों तक पहुंच चुके हैं जो रोजाना लोगों की छतों पर हुड़दंग मचाते हैं और भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं।

# उपायुक्त जम्मू द्वारा कैपेक्स के तहत पीडब्ल्यूडी कार्यों की प्रगति की समीक्षा

**जम्मू 27 दिसंबर।** उपायुक्त सचिन कुमार वैश्य ने जिला कैपेक्स बजट के तहत लोक निर्माण विभाग द्वारा किए गए विकास कार्यों की स्थिति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान उपायक्त ने जिले भर में चल रही परियोजनाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। समयसीमा का पालन करने के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने निष्पादन एजेंसियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कार्यों के निष्पादन में गुणवत्ता के मानकों को बनाए रखने पर भी जोर दिया।

डीसी ने फंड के उपयोग की स्थिति की भी समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखते हुए फंड का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त शेर सिंह, मुख्य योजना अधिकारी उत्तम कुमार के अलावा पीडब्ल्यूडी के कार्यकारी अभियंता, उप-मंडल मजिस्ट्रेट और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

# उपायुक्त उधमपुर द्वारा पीएमएवाई-शहरी योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा

**उधमपुर 27 दिसंबर।** प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी योजना के क्रियान्वयन में हुई प्रगति की समीक्षा के लिए डीसी कार्यालय परिसर के मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में उपायुक्त उधमपुर सलोनी राय की अध्यक्षता में बैठक बुलाई गई।

बैठक में अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त राजिंदर सिंह, अतिरिक्त उपायुक्त प्रेम सिंह, नगर पालिका के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजिंदर डिगरा और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

उपायुक्त ने पीएमएवाई-यू योजना के तहत शहरवार पंजीकरण की स्थिति का आकलन किया और संबंधित अधिकारियों को जिले की तीनों नगर पालिकाओं में विशेष शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने शहरी क्षेत्रों में भूमिहीन व्यक्तियों की एक व्यापक सूची तैयार करने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्हें योजना के तहत लाभार्थियों के रूप में शामिल किया जाए।

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे गैर-शुरू करने वालों के लिए अग्रिम वित्तीय जुटाना सुनिश्चित करें और निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी लंबित घरों को पूरा करें। उन्होंने संबंधित विभागों से योजना के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने तथा स्थानीय लोगों के लाभ के लिए पारदर्शी और जवाबदेह प्रक्रिया बनाए रखने का आग्रह किया।

# जेडीए को सिदड़ा में वाटर पार्क बनाने का जिम्मा सौंपा गया

**जम्मू 27 दिसंबर।** मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने सिदड़ा, जम्मू में तवी नदी के किनारे वाटर थीम पार्क स्थापित करने के विभिन्न तरीकों और साधनों की उपयुक्तता पर चर्चा करने हेतु एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें आयुक्त सचिव आवास एवं शहरी विकास विभाग, आयुक्त सचिव पर्यटन, वीसी जेडीए तथा अन्य संबंधित अधिकारी भी शामिल हुए। मुख्य सचिव ने तवी नदी के किनारे सिदड़ा गोल्फ कोर्स के आसपास विभाग द्वारा पहचानी गई भूमि की स्थिति पर ध्यान दिया। उन्होंने आवास विभाग को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि भूमि, खासकर वन विभाग से एनओसी लेने के लिए सभी तरह के अवरोधों से मुक्त हो। उन्होंने जम्मू विकास प्राधिकरण को सलाह दी कि वे इस बेशकीमती जमीन का इस्तेमाल परियोजना में अपनी इक्विटी के तौर पर करें, ताकि यह प्राधिकरण के लिए नियमित आय का स्रोत बन सके। उन्होंने उन्हें तैयार योजना के अनुसार पीपीपी मोड में इस साइट पर एक थीम आधारित जल मनोरंजन पार्क बनाने के लिए ईओआई आमंत्रित करने को कहा। अटल डुल्लू ने इस मामले को जेडीए के संबंधित निदेशक मंडल के समक्ष ले जाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि आगे की कार्रवाई के बारे में निर्णय लेने का अधिकार उसी को हो। उन्होंने कहा कि यह पार्क जम्मू में पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनने के साथ-साथ तवी लेक फ्रंट, जूलॉजिकल पार्क और यहां बनाई गई अन्य सुविधाओं में एक नया स्थान होगा। उन्होंने कहा कि बेहतर बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ-साथ इस तरह के मनोरंजन से यहां पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी और जम्मू अपने आप में एक पर्यटन स्थल बन जाएगा। आयुक्त सचिव, आवास एवं शहरी विकास विभाग मनदीप कौर ने बैठक में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस वाटर पार्क के विकास के लिए जेडीए द्वारा तवी नदी के किनारे गांव द्वार (सिधरा क्षेत्र, गोल्फकोर्स से सटा हुआ) में 92 कनाल और 3 मरला भूमि की पहचान की गई है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित स्थल राष्ट्रीय राजमार्ग से लगभग 04 किलोमीटर दूर है और इस परियोजना के लिए उपयुक्त है।

# डॉ. जसरोटिया ने वीर बल दिवस पर गुरु गोबिंद सिंह जी के बेटों के सर्वोच्च बलिदान पर प्रकाश डाला

**जम्मू, 27 दिसंबर, हि.स.।** वीर बल दिवस के समापन पर भाजपा पार्टी कार्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में वरिष्ठ नेता डॉ. अभिजीत जसरोटिया ने धर्म के नाम पर गुरु गोबिंद सिंह जी के चार बेटों साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान पर जोर दिया।

राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाए जाने वाले इस सप्ताह में बाबा फतेह सिंह जी उम्र 6 वर्ष और बाबा जोरावर सिंह जी उम्र 9 वर्ष की असाधारण वीरता को श्रद्धांजलि दी गई जिन्हें मुगल शासक औरंगजेब के अधीन जबरन धर्म परिवर्तन से इनकार करने पर सरहिंद में जिंदा ईंटों से चिनवा दिया गया था।

डॉ. जसरोटिया ने इस बात पर प्रकाश डाला कि गुरु गोबिंद सिंह जी का बलिदान जिन्होंने मानवता और धार्मिकता के लिए अपने चारों बेटों को बलिदान कर दिया इतिहास में बेमिसाल है।

उन्होंने कहा कि ऐसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं है जहां एक पिता दूसरों की गरिमा और आस्था को बनाए रखने के लिए अपने पूरे वंश का बलिदान कर देता है।

भाजपा प्रवक्ता एडवोकेट पूर्णिमा शर्मा ने कहा कि साहिबजादों की दादी माता गुजरी का योगदान भी समान रूप से सम्मान का पात्र है। उन्होंने कहा कि पत्नी, मां और दादी के रूप में उनका बलिदान धर्म के प्रति दृढ़ता और समर्पण का प्रतीक है।

गुरु तेग बहादुर और उनके पोतों के साथ उनकी विरासत औरंगजेब के अत्याचार के खिलाफ मजबूती से खड़ी है।

डॉ. जसरोटिया ने धर्म की रक्षा में सिख धर्म की अभिन्न भूमिका के बारे में भी विस्तार से बताया और यह भी कहा कि कैसे हिंदू परिवारों के सबसे बड़े बेटे अक्सर धार्मिकता की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में सिख धर्म को समर्पित होते थे। सप्ताह भर चलने वाले इस उत्सव में देश भर में शैक्षिक और सांस्कृतिक पहल की गई। साहिबजादों की शहादत को याद करने वाले कार्यक्रमों में 15 लाख से अधिक स्कूलों, 97 लाख शिक्षकों, 26.44 करोड़ छात्रों और 44,000 कॉलेजों और विश्वविद्यालयों ने भाग लिया। दुनिया भर के 137 हवाई अड्डों, सात रेलवे स्टेशनों, 67 पेट्रोल पंपों और भारतीय दूतावासों में उनके साहस और बलिदान को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनियाँ भी प्रदर्शित की गईं।

# पुलिस की साइबर यूनिट ने 2,16,400 रुपये की ऑनलाइन ठगी की रकम बरामद

**डोडा, 27 दिसंबर हि.स.।** जम्मू-कश्मीर पुलिस जिला डोडा द्वारा जारी एक बयान में बताया गया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस जिला डोडा की सीसीआईयू साइबर अपराध जांच इकाई ने साइबर अपराध के खिलाफ लड़ाई में उच्चतम स्तर की व्यावसायिकता और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है जिसमें 2,16,400 रुपये की ऑनलाइन ठगी की रकम को सफलतापूर्वक सुलझाया और बरामद किया गया।

डोडा पुलिस ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यूनिट को शिकायतकर्ताओं से शिकायतें प्राप्त हुईं जिसमे फोजिया बानो पुत्री मोहम्मद रफी निवासी खेलनी डोडा, जहीर अब्बास पुत्र अब्दुल रशीद वानी निवासी जठी अस्सार, शफीका बेगम पत्नी तालिब हुसैन निवासी काको तहसील गंडोह डोडा, चंचला देवी पत्नी लेफ्टिनेंट मुल्ख राज निवासी पुन्याल्ला डोडा में शामिल है। जांच के दौरान सीसीआईयू टीम ने अथक प्रयासों और उन्नत तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया जिसके परिणामस्वरूप अंततः 2,16,400/- रुपये की धोखाधड़ी की गई राशि की सफल वसूली हुई।

उल्लेखनीय है कि सीसीआईयू डोडा की स्थापना 07-02-2024 को हुई थी और तब से इकाई ने अब तक 30,01,384/- रुपये की बड़ी धोखाधड़ी वाली धनराशि सफलतापूर्वक बरामद की है। एसएसपी डोडा संदीप मेहता जेकेपीएस ने आम जनता से अपनी अपील में दोहराया कि वे अतिरिक्त सतर्क रहें और राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तुरंत रिपोर्ट करें।

# जावेद डार ने डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया

**जम्मू 27 दिसंबर।** कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री जावेद अहमद डार ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। अपने शोक संदेश में मंत्री ने डॉ. मनमोहन सिंह को एक अनुकरणीय नेता, प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री और दूरदर्शी राजनेता बताया, जिनके योगदान को पीढ़ियों तक याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में डॉ. सिंह के कार्यकाल और उनके क्रांतिकारी आर्थिक सुधारों ने भारत की वैश्विक आर्थिक स्थिति का मार्ग प्रशस्त किया। मंत्री ने कहा, डॉ. मनमोहन सिंह न केवल एक सम्मानित नेता थे, बल्कि वे उन असंख्य व्यक्तियों के लिए मार्गदर्शक भी थे, जो ईमानदारी और समर्पण के साथ देश की सेवा करना चाहते हैं।

# उपायुक्त ने वन मंजूरी और अभिसारी विकास परियोजनाओं में तेजी लाने पर जोर दिया

**राजौरी 27 दिसंबर।** उपायुक्त राजौरी अभिषेक शर्मा ने अपने कार्यालय कक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें वन विभाग द्वारा कैम्पा और कैपेक्स योजनाओं के तहत चल रही परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में वन मंजूरी के मुद्दों के समाधान का भी आकलन किया गया, जो जिले में विकास परियोजनाओं में बाधा बन रहे हैं।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने परियोजनाओं में बाधा उत्पन्न करने वाले भूमि संबंधी मुद्दों के शीघ्र निपटान के महत्व पर बल दिया।

उन्होंने अतिरिक्त आयुक्त राजस्व राजौरी को स्वास्थ्य विभाग की सुविधाओं और डीडीसी कार्यालय परिसर सहित विकास परियोजनाओं की शुरुआत को प्रभावित करने वाली सभी भूमि संबंधी चुनौतियों की पहचान करने और उनका समाधान करने का निर्देश दिया।

संसाधनों के प्रभावी अभिसरण की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए उपायुक्त ने प्रभागीय वन अधिकारी, मृदा संरक्षण को मनरेगा योजना के तहत ग्रामीण विकास विभाग और जिला खनिज फाउंडेशन पहल के तहत खनन विभाग के साथ सहयोग करने का निर्देश दिया।

उन्होंने बाबा गुलाम शाह बादशाह विश्वविद्यालय के तकनीकी विशेषज्ञों सहित इंजीनियरिंग विंग से विशेषज्ञता का उपयोग करने और परियोजनाओं की बेहतर योजना और निष्पादन के लिए समोच्च मानचित्रण तकनीकों को शामिल करने के महत्व पर भी जोर दिया।

उपायुक्त ने वन, जनजातीय मामले और पर्यावरण मंत्री द्वारा जारी निर्देशों के कार्यान्वयन की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी हितधारकों से विकासात्मक पहलों का समय पर निष्पादन सुनिश्चित करने और जमीन पर ठोस परिणाम प्राप्त करने का आग्रह किया।

बैठक में एडीडीसी राजौरी डॉ. राज कुमार थापा, एसई पीडब्ल्यूडी, राजौरी और नौशेरा के डीएफओ, डीएफओ मृदा संरक्षण, सीएमओ राजौरी, वन संरक्षण विभाग के सहायक निदेशक और अन्य जिला और क्षेत्रीय अधिकारी उपस्थित थे।

# सीयूजे के 50 से अधिक छात्रों ने प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनियों में प्लेसमेंट हासिल किया

**जम्मू, 27 दिसंबर (हि.स.)।** जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) ने कैंपस प्लेसमेंट को लेकर एक और उपलब्धि हासिल की। 2025 की कक्षा के 50 से अधिक छात्रों ने प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनियों में प्लेसमेंट हासिल किया यही। इस वर्ष प्रमुख भर्तीकर्ताओं में प्लैनेट स्पार्क, स्क्रिप्ट स्पेस, बेस्टसेलर, एचडीएफसी लाइफ, ईज माई ट्रिप, ट्रैवल लैंड, ट्रूविया ग्लोबल, होमीहट्स, एविसॉफ्ट, सिंथिम्ड लैब्स, फ्लिपकार्ट, टीसीएस और गोदरेज शामिल थे। एमबीए-एचआर, गणित, अर्थशास्त्र, वनस्पति विज्ञान, बी.वोकल, जूलॉजी और पर्यावरण विज्ञान जैसे विविध शैक्षणिक पृष्ठभूमि के छात्रों ने प्लेसमेंट ड्राइव में भाग लिया।

प्लेसमेंट सीजन में 6.6 एलपीए का उच्चतम पैकेज दर्ज किया गया है जबकि औसत पैकेज 3.63 एलपीए रहा। प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट कार्यालय द्वारा आयोजित प्लेसमेंट अभियान का उद्देश्य छात्रों को बीमा, बैंकिंग, बिक्री, पर्यटन, अनुसंधान और मानव संसाधन जैसे क्षेत्रों में अवसरों से लैस करना था। भर्तीकर्ताओं ने विभिन्न भर्ती मापदंडों पर छात्रों का मूल्यांकन किया, उन्हें न केवल नौकरी के प्रस्ताव दिए बल्कि उद्योग के बारे में मूल्यवान जानकारी भी दी।

# नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता ने कटरा रोपवे परियोजना पर चिंता जताई, तत्काल रोक लगाने की मांग

**जम्मू, 27 दिसंबर (हि.स.)।** जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता ने श्री माता वैष्णो देवी तीर्थस्थल के लिए प्रस्तावित रोपवे परियोजना का कड़ा विरोध किया है, उन्होंने कटरा शहर की धार्मिक परंपराओं, आजीविका और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर इसके संभावित प्रभाव का हवाला दिया है।

आज जारी एक बयान में, गुप्ता ने कटरा में चल रहे आंदोलन के कारण होने वाले व्यवधान को उजागर किया, जहां शहर लगातार तीन दिनों से बंद है। उन्होंने तीर्थयात्रा के अनुभव और श्राइन बोर्ड की प्रतिष्ठा पर नकारात्मक प्रभाव पर चिंता व्यक्त की, क्योंकि देश भर और विदेश से हजारों भक्तों को विरोध के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। गुप्ता ने चेतावनी दी कि रोपवे परियोजना बाण गंगा, चरण पादुका, अर्ध कुंवारी और हाथी मठ जैसे प्रमुख पवित्र स्थलों को

दरकिनार करके तीर्थयात्रा की पवित्रता से समझौता कर सकती है। उन्होंने कहा, ये स्थल आध्यात्मिक यात्रा के अभिन्न अंग हैं और इनका गहरा धार्मिक महत्व है। पारंपरिक मार्ग में बदलाव से तीर्थयात्रा की पवित्रता कम हो जाएगी, जो सदियों से अपरिवर्तित रही है। वरिष्ठ एनसी नेता ने कटरा के निवासियों के लिए आर्थिक निहितार्थों पर जोर देते हुए कहा कि 50,000 से अधिक लोग - जिनमें व्यापारी, पिट्ठू, टट्टू वाले, पालकी वाले और दुकानदार शामिल हैं - अपनी आजीविका के लिए तीर्थयात्रा पर निर्भर हैं।

गुप्ता ने जोर देकर कहा रोपवे परियोजना से शहर को तीर्थयात्रा अर्थव्यवस्था से अलग-थलग करने का जोखिम है, जो इस पवित्र परंपरा पर निर्भर स्थानीय परिवारों को तबाह कर देगा। शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर हाल ही में हुए लाठीचार्ज की निंदा करते हुए गुप्ता ने इस कार्रवाई को अलोकतांत्रिक और जनभावना को दबाने का प्रयास बताया। उन्होंने कटरा के निवासियों के साथ नेशनल कॉन्फ्रेंस की एकजुटता को दोहराते हुए कहा कि हम उनके अधिकारों और आजीविका की रक्षा के लिए उनकी लड़ाई का पूरा समर्थन करते हैं। श्राइन बोर्ड और केंद्र सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इस परियोजना से किसी की आजीविका से समझौता न हो। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा को संबोधित करते हुए गुप्ता ने रोपवे परियोजना पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया।

# संपादकीय

## जल संसाधनों को पुनर्जीवित करने के लिए कदम उठाए जाएँ

इसमें कोई संदेह नहीं है कि चल रही प्रधानमंत्री सूर्य घर बिजली योजना भारत सरकार का सबसे लोकप्रिय कार्यक्रम बनने जा रही है क्योंकि इस योजना के तहत लाभ पूरे देश में फैलना शुरू हो जाएगा क्योंकि इसमें कोई कमी नहीं है।

जम्मू-कश्मीर के मामले में, जो अपने निवासियों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए पानी उपलब्ध कराने में आत्मनिर्भर है, यह ज़रूरी है कि प्रकृति के इस गुण का विवेकपूर्ण तरीके से उपयोग किया जाए और उन संसाधनों को पुनर्जीवित करने के लिए कदम उठाए जाएँ जो मनुष्यों के साथ-साथ यूटी के वनस्पतियों और जीवों की सबसे ज़रूरी ज़रूरतों में से एक को पूरा करते हैं, ताकि इसका संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। बर्बादी को रोकने के अलावा, जल स्रोतों को रिचार्ज करने की एक और बात की ज़रूरत है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आने वाले समय में भी जम्मू-कश्मीर में पानी प्रचुर मात्रा में बना रहे और अगली पीढ़ियों की ज़रूरतों को पूरा किया जा सके।

इस संबंध में विधायक शाम लाल शर्मा द्वारा दिया गया सुझाव अमूल्य है, क्योंकि उन्होंने लोगों से क्षेत्र में घटते जल स्तर को पुनर्जीवित करने के लिए वर्षा जल संचयन अपनाने को कहा है।

यह उल्लेख करना उचित है कि वर्षा जल संचयन, वर्षा जल को बाद में उपयोग के लिए एकत्रित करने और संग्रहीत करने की प्रक्रिया है। यह आमतौर पर छतों से वर्षा जल को इकट्ठा करके, इसे टैंकों या भूमिगत जलाशयों में संग्रहीत करके और इसे सिंचाई, पीने और घरेलू जरूरतों जैसे विभिन्न उपयोगों के लिए फ़िल्टर करके किया जाता है। यह पानी के संरक्षण में मदद करता है, नगरपालिका आपूर्ति पर निर्भरता को कम करता है और पानी की कमी को दूर कर सकता है, खासकर उन क्षेत्रों में जहाँ ताजे पानी की कमी है। इसके अलावा, जैसा कि पहले चर्चा की गई है, इसका उपयोग जल स्तर को फिर से जीवंत करने के लिए इष्टतम रूप से किया जा सकता है, जो इस प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है क्योंकि अत्यधिक उपयोग के कारण सतह के नीचे का पानी बहुत तेजी से कम हो रहा है। क्षेत्र के लोगों को ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों से सीख लेनी चाहिए, जहाँ ऐसे बड़े क्षेत्र हैं जो लोगों और यहाँ तक कि जानवरों और पौधों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए पूरी तरह से वर्षा जल संचयन पर निर्भर हैं। जम्मू-कश्मीर में भी इस तरह के दृष्टिकोण को अपनाने में कोई बुराई नहीं है, क्योंकि बारिश तो निश्चित रूप से आएगी और बिना किसी भेदभाव के क्षेत्रों को पानी उपलब्ध कराएगी।

कुल मिलाकर, भविष्य में उपयोग के लिए वर्षा जल को संरक्षित करने के लिए कुछ कदम उठाने की आवश्यकता है और इसके लिए लोगों को धन की आवश्यकता है। भारत सरकार और इस मामले में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली जम्मू-कश्मीर सरकार भी प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना जैसी योजना की परिकल्पना कर सकती है, जिसमें वर्षा जल संचयन को सब्सिडी देकर इसे घरेलू मामला बनाया जा सके, क्योंकि यह लोगों की पानी की जरूरतों को पूरा करने के मामले में बहुत बड़ा बदलाव साबित हो सकता है।

यह आवश्यक है कि संबंधित अधिकारी इस पर विचार करने में अधिक समय बर्बाद न करें और इस योजना को लेकर आगे आएं, क्योंकि यह भी लाभों से भरपूर होगी और इसमें कोई कमी नहीं होगी।

# डॉ. मनमोहन सिंह: आधुनिक भारत के आर्थिक बदलाव के सूत्रधार

**भारत ने डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान ऐतिहासिक वृद्धि दर देखी, जो औसतन 7.7 प्रतिशत रही और उसी के परिणामस्वरूप भारत करीब दो ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में सफल रहा था। उन्हें न केवल उनके विजन के लिए जाना जाता है, जिसने भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनाया बल्कि उनकी कड़ी मेहनत और उनके विनम्र, मृदुभाषी व्यवहार के लिए भी जाना जाता है। वह एक ऐसे प्रधानमंत्री रहे, जिन्हें न केवल उन कार्यों के लिए स्मरण किया जाता रहेगा, जिनके जरिये उन्होंने भारत को आगे बढ़ाया बल्कि एक विचारशील और ईमानदार व्यक्ति के रूप में भी याद किया जाएगा। उन्होंने न केवल आर्थिक विकास की गति को बनाए रखा बल्कि सामाजिक और विकासशील नीतियों पर भी जोर दिया। हालांकि उनका कार्यकाल आलोचनाओं से भी अछूता नहीं रहा। अपने दूसरे कार्यकाल में उन्हें आर्थिक चुनौतियों और भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा और निर्णय लेने में धीमापन उनकी सरकार के लिए नकारात्मक साबित हुए।**

**- योगेश कुमार गोयल**

देश के आर्थिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले भारत के 14वें प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के साथ ही एक ऐसे नेता के युग का अंत हो गया, जिसने आधुनिक भारत के आर्थिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मनमोहन सिंह ने 92 वर्ष की उम्र में 26 दिसंबर की रात दिल्ली के एम्स अस्पताल में अंतिम सांस ली।

अपने शांत स्वभाव और बौद्धिक कौशल के लिए जाने जाने वाले मनमोहन सिंह ने भारत में ऐतिहासिक आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत करने में अहम भूमिका निभाई थी। 1991 में व्यापक सुधारों का श्रेय उन्हें ही दिया जाता है, जिसने भारत की अर्थव्यवस्था को खोला, तथाकथित लाइसेंस-परमिट राज को खत्म किया और वैश्विक मंच पर भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनने के मार्ग पर मजबूती से स्थापित किया। एक शिक्षाविद, अर्थशास्त्री और राजनीतिज्ञ के रूप में उनकी यात्रा न केवल प्रेरणादायक रही बल्कि उनके द्वारा किए गए आर्थिक सुधारों और राजनीतिक निर्णयों ने भारत के इतिहास में एक नई दिशा दी। उन्हें आधुनिक भारत के आर्थिक सुधारों का वास्तुकार भी कहा जाता है।

डॉ. मनमोहन सिंह ने जुलाई 1991 में अपने बजट भाषण के अंत में फ्रांसिसी लेखक विक्टर ह्यूगो की पंक्तियां उद्धृत करते हुए कहा था- दुनिया की कोई भी ताकत उस विचार को नहीं रोक सकती, जिसका समय आ गया है। मैं इस सम्मानित सदन को सुझाव देता हूं कि भारत का दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उदय एक ऐसा विचार है, जिसका समय अब आ चुका है।

मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत ने आर्थिक विकास में उल्लेखनीय वृद्धि की। 2004 से 2014 तक भारत 10वें स्थान से उठकर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया था, जिससे लाखों लोगों का जीवन स्तर सुधरा और गरीबी में कमी आई थी। मनमोहन सिंह ने एक दशक से भी ज्यादा समय तक अभूतपूर्व विकास और वृद्धि की दिशा में देश को नेतृत्व प्रदान किया। उनके द्वारा किए गए प्रमुख सुधारों में उदारीकरण के तहत लाइसेंस राज की समाप्ति और व्यवसाय शुरू करने के लिए सरल प्रक्रियाओं का निर्माण, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के दरवाजे खोलना और विदेशी व्यापार को प्रोत्साहित करना, कर ढ़ांचे को सरल और पारदर्शी बनाना, भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए बाजार पर आधारित सुधार लागू करना, ग्रामीण रोजगार और गरीबी उन्मूलन के लिए 'मनरेगा' लागू करना शामिल हैं। इन सुधारों ने भारत को आर्थिक संकट से बाहर निकाला और उसे विश्व अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित किया।

भारत ने डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान ऐतिहासिक वृद्धि दर देखी, जो औसतन 7.7 प्रतिशत रही और उसी के परिणामस्वरूप भारत करीब दो ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में सफल रहा था। उन्हें न केवल उनके विजन के लिए जाना जाता है, जिसने भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनाया बल्कि उनकी कड़ी मेहनत और उनके विनम्र, मृदुभाषी व्यवहार के लिए भी जाना जाता है। वह एक ऐसे प्रधानमंत्री रहे, जिन्हें न केवल उन कार्यों के लिए स्मरण किया जाता रहेगा, जिनके जरिये उन्होंने भारत को आगे बढ़ाया बल्कि एक विचारशील और ईमानदार व्यक्ति के रूप में भी याद किया जाएगा। उन्होंने न केवल आर्थिक विकास की गति को बनाए रखा बल्कि सामाजिक और विकासशील नीतियों पर भी जोर दिया। हालांकि उनका कार्यकाल आलोचनाओं से भी अछूता नहीं रहा। अपने दूसरे कार्यकाल में उन्हें आर्थिक चुनौतियों और भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा और निर्णय लेने में धीमापन उनकी सरकार के लिए नकारात्मक साबित हुए। 2जी घोटाला उनके कार्यकाल के सबसे बड़े विवादों में से एक रहा। इसके अलावा कोयला ब्लॉक आवंटन घोटाले को 'कोलगेट' के नाम से जाना गया। उनके दूसरे कार्यकाल में आर्थिक सुधारों की गति धीमी रही।22 मई 2004 से 26 मई 2014 तक दो बार भारत के प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह की छवि बेहद कम बोलने वाले और शांत रहने वाले व्यक्ति की रही। हालांकि जब भी वे कुछ बोलते थे, वह सुर्खियां बन जाती थी। मनमोहन सिंह ने ही कहा था कि राजनीति में लंबे समय तक कोई दोस्त या दुश्मन नहीं होता। वह कहा करते थे कि मैं एक खुली किताब की तरह हूं और मेरे दस वर्ष का कार्यकाल इतिहासकारों के मूल्यांकन का विषय है। उन्होंने 27 अगस्त 2012 को संसद में कहा था कि हजारों जवाबों से अच्छी मेरी खामोशी है, जिसने न जाने कितने सवालों की आबरू रखी। डॉ. मनमोहन सिंह को उनके अलोचकों द्वारा 'मूक प्रधानमंत्री' की संज्ञा दी जाती थी लेकिन उन्होंने आमतौर पर इस पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी। इस पर उनकी पहली प्रतिक्रिया दिसंबर 2018 में उनकी पुस्तक 'द चेजिंग इंडिया' के विमोचन के अवसर पर सामने आई थी, जब उन्होंने कहा था कि जो लोग कहते हैं कि मैं एक मूक प्रधानमंत्री था, मुझे लगता है कि मेरी ये पुस्तकें बोलती हैं।

बतौर प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह लोकसभा में 23 मार्च 2011 को विपक्ष के सवालों का जवाब दे रहे थे। उस दौरान सदन में नेता प्रतिपक्ष सुषमा स्वराज ने उन पर तंज करते हुए कहा था, 'तू इधर-उधर की न बात कर, ये बता कि कारवां क्यों लुटा, मुझे रहजनों से गिला नहीं, तेरी रहबरी का सवाल है।' इसके जवाब में डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा था, 'माना के तेरी दीद के काबिल नहीं हूं मैं, तू मेरा शौक तो देख मेरा इंतजार तो देख।' डॉ. मनमोहन सिंह ने जनवरी 2014 में बतौर प्रधानमंत्री अपनी आखिरी प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया के उन सवालों का जवाब देते हुए, जिनमें कहा गया था कि उनका नेतृत्व कमजोर है और कई अवसरों पर वे निर्णायक नहीं रहे, कहा था कि मैं यह नहीं मानता कि मैं एक कमजोर प्रधानमंत्री रहा हूं बल्कि मैं ईमानदारी से यह मानता हूं कि इतिहास मेरे प्रति समकालीन मीडिया या संसद में विपक्ष की तुलना में ज्यादा उदार होगा, राजनीतिक मजबूरियों के बीच मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है। उन्होंने कहा था कि परिस्थितियों के अनुसार मैं जितना कर सकता था, उतना किया। यह इतिहास को तय करना है कि मैंने क्या किया है या क्या नहीं किया है। उनका कहना था कि मुझे उम्मीद है कि मीडिया की तुलना में इतिहास मेरा मूल्यांकन करते समय ज्यादा उदार होगा।

26 सितंबर 1932 को पंजाब (अब पाकिस्तान में) के गांव गाह में जन्मे मनमोहन सिंह का परिवार विभाजन के समय भारत आ गया था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में हुई थी, जिसके बाद उच्च शिक्षा के लिए वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गए, जहां उन्होंने अर्थशास्त्र में ट्रिपोस किया और फिर ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी.फिल की उपाधि प्राप्त की। उनकी उच्च शिक्षा ने उन्हें न केवल एक उत्कृष्ट अर्थशास्त्री बनाया बल्कि वैश्विक परिप्रेक्ष्य और आर्थिक सोच की गहराई भी प्रदान की। अपने कैरियर की शुरुआत उन्होंने भारतीय सिविल सेवा से की और बाद में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और भारतीय रिजर्व बैंक जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं में भी कार्य किया। वे 1982 से 1985 तक भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे और उस दौरान उन्होंने वित्तीय स्थिरता बनाए रखने तथा मुद्रा प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भारत के आर्थिक इतिहास में 1991 का वर्ष एक निर्णायक मोड़ था क्योंकि उस समय देश गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा था। तब तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव ने डा. मनमोहन सिंह को वित्तमंत्री नियुक्त किया। वित्तमंत्री के रूप में उन्होंने साहसिक आर्थिक सुधारों का नेतृत्व किया, जिनमें उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण प्रमुख थे। बहरहाल, राजनीति में डा. मनमोहन सिंह जैसे विद्वान बहुत ही कम देखने को मिलते हैं। उनकी सरकार के दौरान भ्रष्टाचार के आरोपों के बावजूद उनकी व्यक्तिगत ईमानदारी हमेशा संदेह से परे रही। वह एक ऐसा राजनेता थे, जिन्हें राजनीतिक सीमाओं से परे सम्मान प्राप्त था। कुल मिलाकर, तमाम आलोचनाओं के बावजूद डा. मनमोहन सिंह एक ऐसे नेता के रूप में याद किए जाएंगे, जिन्होंने भारत को वैश्विक मंच पर सम्मानजनक स्थान दिलाया और भारत को आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से एक मजबूत राष्ट्र बनाने में अहम योगदान दिया।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

## स्मृति शेष: डॉ. मनमोहन सिंह

डॉ. रमेश ठाकुर

बानवे वर्ष की उम्र में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने दुनिया को अलविदा कह दिया। भारत ने अर्थव्यवस्था का विलक्षण वास्तुकार खो दिया। पूरे संसार की आंखें उनके निधन से नम हैं। दो बार प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिंह ने 5 ऐसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए जिन्हें मौजूदा क्या, आने वाली पीढ़ियां स्मरण करती रहेंगी। 2005 में 'सूचना का अधिकार' और उसी साल 'मनरेगा कानून' लागू किया जाना, इनमें शामिल है। फिर साल 2009 में 'शिक्षा का अधिकार कानून।' वहीं, 2013 में दो बड़े फैसले 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून' और 'भूमि अधिग्रहण कानून' पर फैसले को हर भारतीय याद करेगा।

डॉ. सिंह को अर्थव्यवस्था का सूत्रधार कहा गया। देश की नाजुक अर्थव्यवस्था के दौर में बने वित्त मंत्री से लेकर प्रधानमंत्री के दो साल के कार्यकाल के दौरान अर्थव्यवस्था में सुधार के उनके फैसलों के सभी कायल हैं। यूपीए सरकार के दूसरे कार्यकाल में जब प्रधानमंत्री बनाने की बात हुई तो प्रणब मुखर्जी का नाम सबसे आगे था लेकिन प्रणब मुखर्जी ने खुद आगे बढ़कर सोनिया गांधी और कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से गुहार लगाई कि देश की अर्थव्यवस्था जिस रफ्तार से बढ़ रही है, उसमें डॉ. मनमोहन सिंह से बेहतर कोई दूसरा नाम नहीं हो सकता। साल 1991 में वित्तमंत्री रहते उन्होंने जब देश की नाजुक अर्थव्यवस्था को संभाला था, तब स्वयं अटल बिहारी वाजपेई ने उनकी तारीफ की। उनके वित्तमंत्री रहे तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हाराव ने उन्हें अहम फैसलों के लिए पूरी ताकत दी। यह ऐसा दौर था जब वित्तमंत्री के तौर पर डॉ. मनमोहन सिंह ने दशकों से बंद पड़ी भारतीय अर्थव्यवस्था के दरवाजों को खोलने की शुरुआत की। वित्तमंत्री रहते लाइसेंस राज को खत्म करने का श्रेय उन्हें जाता है। उन्होंने सबसे पहले विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करने का काम किया और भारत के भीतर विदेशी कारोबार के लिए आधारभूत ढांचा मुहैया कराया। भारत में बाहरी कंपनियों के आगमन की शुरुआत यहीं से हुई। गौरतलब है कि अर्थव्यवस्था के अलावा डॉक्टर मनमोहन सिंह को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा सुधारक माना गया है। एकबार खुद उन्होंने स्वीकारा था कि विश्व के उच्च शिक्षा संस्थान में पढ़ने के बाद ही उन्हें देश में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां को संभालने का अवसर मिला। इसलिए वह उच्च शिक्षा के सदैव पक्षधर रहे। प्रत्येक निर्णय में उनका धैर्य, संयम, निस्पृहता और उदारता देखने लायक होती थी। दबाव में आकर या जल्दीबाजी में उन्होंने कभी कोई निर्णय नहीं लिया। 2005 में मनरेगा का जब फाइनल ड्राफ्ट उनके समक्ष प्रस्तुत किया गया तो उन्होंने उसमें फेरबदल को कहा। इसे लेकर सोनिया गांधी की नाराजगी भी सही लेकिन बाद में हुआ वही जो मनमोहन सिंह चाहते थे।

मनमोहन सिंह का व्यक्तित्व निःसंदेह करिश्माई था। अस्सी के दशक में जिन्होंने भी विभिन्न भारतीय नोटों में रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में उनका नाम और हस्ताक्षर देखें होंगे, उन्होंने सोचा नहीं होगा कि ये व्यक्ति कभी प्रधानमंत्री का ओहदा भी संभालेगा। एक बार उन्होंने लोकसभा का चुनाव लड़ा लेकिन हार गए। उसके बाद वह बिना कोई चुनाव लड़े देश के शीर्ष पद पर पहुंचे। डॉ. मनमोहन सिंह रिकॉर्ड 33 वर्ष तक राज्यसभा में सक्रिय सदस्य के रूप में अपनी भूमिका निभाते रहे। वर्ष-1991 में वह पहली बार राज्यसभा पहुंचे। उसके 1995, 2001, 2007 और 2013 में फिर से राज्यसभा के लिए चुने गए। सन 1998 से लेकर 2004 के बीच वह राज्यसभा में नेता विपक्ष का ओहदा भी संभाला।

इसके अलावा वह वित्त सचिव, मुख्य आर्थिक सलाहकार, योजना आयोग के उपाध्यक्ष, प्रधानमंत्री के सलाहकार, यूजीसी अध्यक्ष और आरबीआई गवर्नर भी रहे। कुल मिलाकर उन्होंने देश के बड़े पदों पर रहते इस पद को सार्थक बनाया। वैश्विकरण, उदारीकरण और निजीकरण के तीनों संस्करणों में उन्होंने अपना बहुमूल्य योगदान दिया, जिसे देश कभी नहीं भूलेगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

# क्या धन असमानता का निदान कर पायेगा 'संपत्ति कर'?

**-डॉ. सत्यवान सौरभ**

वैश्विक स्तर पर और भारत में धन असमानता गंभीर मुद्दा बन गया है, जहाँ शीर्ष 1त्न लोगों के पास देश की 40.1त्न संपत्ति है। व्यापक स्तर पर गरीबी एवं राज्य कल्याण कार्यक्रमों पर निर्भरता के साथ-साथ धन के केंद्रीकरण ने आर्थिक असमानता दूर करने और सार्वजनिक राजस्व उत्पन्न करने के लिए संपत्ति कर लगाने पर परिचर्चा दोबारा शुरू हो गई है। भारत में संपत्ति और विरासत करों को लागू करने में ऐतिहासिक और वर्तमान चुनौतियाँ हैं, जैसे कर चोरी, उच्च प्रशासनिक लागत और पूंजी पलायन का जोखिम। ये मुद्दे ऐसे करों को लागू करने के पिछले प्रयासों में स्पष्ट रहे हैं, जिसमें 1985 में एस्टेट ड्यूटी का उन्मूलन और 2015 में संपत्ति कर शामिल है।

संपत्ति कराधान कोई नई अवधारणा नहीं है। यह 19वीं शताब्दी से चली आ रही है, जब स्विटज़रलैंड के बेसल शहर ने 1840 में इस तरह का कर पेश किया था। अन्य देशों ने भी इसका अनुसरण किया, जिसमें 1892 में नीदरलैंड और 1911 में स्वीडन शामिल हैं। भारत 1957 में इस सूची में शामिल हुआ जब वित्त मंत्री टी-टी कृष्णमाचारी ने संपत्ति कर लागू किया। हालाँकि, समय के साथ इस कर को लागू करने वाले देशों की संख्या कम हो गई है। उदाहरण के लिए कर लगाने वाले देशों की संख्या 1990 में 12 से घटकर 2017 में चार रह गई। भारत ने 2015 में इसे समाप्त कर दिया।

हाल के वर्षों में धन असमानता पर बढ़ती चिंताओं के कारण धन पर कर लगाने का विचार फिर से सामने आया है। अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी और उनके सहयोगियों द्वारा किए गए एक अध्ययन में भारत में असमानता में तेज वृद्धि को उजागर किया गया है, खासकर 2014-15 के बाद। उनके शोध से संकेत मिलता है कि शीर्ष 1% आय अर्जित करने वालों के पास 2022-23 में देश की आय का 22.6त्न और इसकी संपत्ति का 40.1% हिस्सा होगा-यह आंकड़ा दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों से भी अधिक है। पिकेटी और उनके सह-लेखक 10 करोड़ रुपये से अधिक की शुद्ध संपत्ति पर 2% वार्षिक कर और उसी सीमा से अधिक की संपत्ति पर 33त्न कर का प्रस्ताव करते हैं।

धन करों की अपील के बावजूद उनका कार्यान्वयन कठिनाइयों से भरा है। 1985 में जब वित्त मंत्री वीपी सिंह ने संपदा शुल्क (विरासत कर) को समाप्त किया, तो उन्होंने कहा कि इसका प्रशासन महंगा था और इसकी राजस्व प्राप्ति न्यूनतम थी, जिसमें केवल लगभग 20 करोड़ रुपये एकत्र किए गए थे। सिंह ने स्वीकार किया कि कर धन असमानता को कम करने और राज्य विकास योजनाओं का समर्थन करने के अपने इच्छित लक्ष्यों को प्राप्त करने में विफल रहा है। इसी तरह, जब 2015 में संपत्ति कर को समाप्त कर दिया गया, तो वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 2013-14 में कर की कम राजस्व प्राप्ति 1, 008 करोड़ रुपये पर प्रकाश डाला, जो सरकार के कुल कर राजस्व का 0.1% से भी कम था। जेटली ने तर्क दिया कि उच्च प्रशासनिक लागत और कम उपज वाले करों को अधिक कुशल विकल्पों के साथ प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए।

7वीं शताब्दी ईसा पूर्व का एक प्राचीन मिस्र का पपीरस एक व्यक्ति की कहानी बताता है जो अपनी संपत्ति का कम मूल्यांकन करके विरासत करों से बचने का प्रयास करता है। इस तरह की चोरी की सजा-कोड़े मारना। आधुनिक, वैश्वीकृत दुनिया में, पूंजी की गतिशीलता जटिलता की एक और परत जोड़ती है। उच्च करों के कारण पूंजी पलायन हो सकता है, जहाँ धनी व्यक्ति दुबई जैसे कर-अनुकूल क्षेत्राधिकारों में बसने के लिए देश छोड़ देते हैं। यह नॉर्वे जैसे देशों में देखा गया है, जहाँ संपत्ति करों में वृद्धि के कारण कई उच्च-निवल-मूल्य वाले व्यक्ति विदेश चले गए। भारत में विदेश में स्थानांतरित होने वाले करोड़पतियों की संख्या में भी वृद्धि देखी गई है। 2023 में, लगभग 5, 100 भारतीय करोड़पति वित्तीय और कर-सम्बंधी कारणों का हवाला देते हुए विदेश चले गए। भारत में संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा भूमि, अचल संपत्ति और सोने से जुड़ा हुआ है। इन परिसंपत्तियों को आसानी से समाप्त नहीं किया जा सकता है, जिससे सवाल उठता है कि व्यवहार में संपत्ति कर कैसे लागू किया जाएगा।

यह देखते हुए कि भारत में संपत्ति सर्जन अभी भी अपने शुरुआती चरण में है, ऐसे कर लगाने से आर्थिक प्रगति में बाधा आ सकती है। यह व्यक्तियों के लिए अधिक कमाने और निवेश करने की प्रेरणा को कम कर सकता है, जिससे देश की वृद्धि धीमी हो सकती है। इसके अतिरिक्त, यह निजी संपत्ति सर्जन और उद्यमिता को हतोत्साहित करके अपने समाजवादी अतीत से दूर जाने की दिशा में बदलाव को उलट सकता है। जीएसटी अनुपालन को मज़बूत करना आवश्यक है, क्योंकि कई सामान अभी भी इसके दायरे से बाहर हैं। आयकर प्रणाली को सुव्यवस्थित और सरल बनाने से कार्यकुशलता बढ़ सकती है, कर आधार व्यापक हो सकता है और करदाताओं पर अनुपालन का बोझ कम हो सकता है। विलासिता उपभोग कर लागू करने से उच्च-स्तरीय वस्तुओं और सेवाओं को लक्षित किया जा सकता है, जिससे आम जनता पर बोझ डाले बिना असमानता को सम्बोधित करते हुए राजस्व उत्पन्न हो सकता है।

संपत्ति कराधान पर बहस जटिल है, जिसमें कर चोरी और पूंजी पलायन जैसी चुनौतियों के साथ असमानता को कम करने की क्षमता को संतुलित करना शामिल है। जबकि यह सामाजिक कार्यक्रमों के लिए संसाधन उत्पन्न कर सकता है, भारत में कार्यान्वयन संपत्ति और प्रशासनिक लागतों की प्रकृति के कारण जटिल है। इक्विटी और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाना महत्वपूर्ण है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

## हरीश शर्मा मेमोरियल बास्केटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 28, 29 दिसंबर को

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** भारतीय बास्केटबॉल महासंघ (बीएफआई) के दिवंगत महासचिव के योगदान को याद करते हुए हरीश शर्मा मेमोरियल बास्केटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 3×3 प्रारूप में किया जाएगा, जिसमें दर्जनों पुरुष और महिला टीमें भाग लेंगी। इसका आयोजन 28 और 29 दिसंबर को यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम के केडी जाधव हॉल में किया जाएगा।दो दिवसीय इस आयोजन में 3-पॉइंट शूटिंग, फ्री थ्रो और डंक प्रतियोगिताएं भी होंगी, जो इसे सभी के लिए रोमांचक बना देंगी। हरीश शर्मा मेमोरियल बास्केटबॉल चैंपियनशिप का दूरदर्शन द्वारा 'लाइव' प्रसारण किया जाएगा और सोशल मीडिया पर भी इसका प्रसारण किया जाएगा। विश्व संस्था फीबा भी आयोजकों के सहयोग से इस कार्यक्रम का प्रसारण करेगी। दिल्ली बास्केटबॉल एसोसिएशन की विज्ञप्ति के अनुसार, इस वर्ष का समापन बास्केटबॉल के दिग्गज हरीश शर्मा को श्रद्धांजलि देने के साथ करना वास्तव में एक शानदार अवसर है, जो एक दूरदर्शी व्यक्ति थे, जिन्होंने अपने अनुकरणीय नेतृत्व के माध्यम से भारत और विदेशों में बास्केटबॉल को बढ़ावा देने के लिए अपनी अभिनव और अनूठी रणनीतियों के साथ खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। दर्शकों को प्रेरित करने और उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण करेंगे। बास्केटबॉल 3म3 की विश्व संस्था फीबा ??ने इस चैंपियनशिप का समर्थन किया है और आयोजकों के साथ मिलकर इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी करेगी।

## एशियाई युवा भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2024 : भारत ने जीते 33 पदक

**नई दिल्ली**। भारतीय टीम ने दोहा में 2024 एशियाई युवा (लड़के और लड़कियों) भारोत्तोलन चैंपियनशिप का समापन +87 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतकर शानदार तरीके से किया। मैबाम मार्टिना देवी ने +87 किलोग्राम भार वर्ग में समापन दिवस पर एक कांस्य और दो रजत पदक जीते। 40 किलोग्राम भार वर्ग में 135 किलोग्राम भार उठाकर नया एशियाई युवा रिकॉर्ड बनाने वाली ज्योशना सबर को 1000 रॉबी अंकों के साथ युवा लड़कियों के वर्ग में सर्वश्रेष्ठ भारोत्तोलक चुना गया। इस आयोजन के दौरान जूनियर महिला और युवा लड़कियों की भारतीय टीम ने तीसरे स्थान की टीम ट्रॉफी जीती। इस आयोजन के दौरान कुल मिलाकर भारतीय युवा और जूनियर टीम ने सात स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य पदक के साथ 33 मूल्यवान पदक जीते।

## क्रिकेट को दुनिया भर में अधिक लोगों तक पहुंचाना ही प्राथमिकता : जय शाह

**नई दिल्ली।** टी20 पुरुष विश्व कप के गूगल ट्रेंड्स 2024 में शीर्ष पर पहुंचने पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने कहा है कि क्रिकेट के खेल को दुनिया भर में अधिक लोगों तक पहुंचाना आईसीसी सदस्यों के लिए मुख्य प्राथमिकताओं में से एक है। जय शाह ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि क्रिकेट के खेल को दुनिया भर में अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना आईसीसी सदस्यों और मेरे लिए मुख्य प्राथमिकताओं में से एक है। इसलिए इस साल टी20 विश्वकप में विश्व स्तर पर कितनी रुचि थी, इसका प्रमाण देखना उत्साहजनक है। अपने पोस्ट के साथ शाह ने फाइनल खेलने वाली दो टीमों की एक तस्वीर और त्रश्रश्द्दद्यद्ग के शीर्ष रुझानों का एक स्क्रीनशॉट संलग्न किया है।उन्होंने कहा कि विराट कोहली टी20 पुरुष विश्व कप फाइनल में 76 रन की बहुमूल्य पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच बने थे। पूरे टूर्नामेंट में 4.17 की शानदार इकोनॉमी रेट से 15 विकेट हासिल करने वाले बुमराह को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का सम्मान मिला।

## खो खो विश्व कप 2025 से सह-ब्रांड एंबेसडर के रूप में जुड़े टाइगर श्रॉफ

**नई दिल्ली**। खो खो विश्वकप 2025 की स्टार पावर में लगातार इजाफा हो रहा है। बॉलीवुड सुपरस्टार टाइगर श्रॉफ भी सह-ब्रांड एंबेसडर के तौर पर खो खो विश्वकप प्रतियोगिता से जुड़ गए हैं। ऐसे में खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई)) अभिनेता टाइगर श्रॉफ का स्वागत किया और इस खेल के प्रति लोगों के झुकाव को लेकर इसके बेहतर भविष्य के प्रति आश्वस्तता जताई। भारतीय खो-खो महासंघ ने कहा कि यह घोषणा करते हुए वो रोमांचित है कि बॉलीवुड के युवा सुपरस्टार टाइगर श्रॉफ उद्घाटन खो-खो विश्व कप के ब्रांड एंबेसडर के रूप में सलमान खान के साथ शामिल हो गए हैं। यह आयोजन 13 जनवरी से 19 जनवरी, 2025 तक नई दिल्ली में होने वाला है। यह ऐतिहासिक टूर्नामेंट वैश्विक दर्शकों के लिए भारत के पोषित खेल का सार प्रदर्शित करेगा। फिटनेस के कट्टर समर्थक टाइगर ने स्वस्थ जीवन शैली विकसित करने में खेल की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ÷किसी के भी जीवन में फिटनेस अंतिम लक्ष्य होना चाहिए और खेल इसे हासिल करने का सबसे बड़ा साधन है। खो-खो फिटनेस, रणनीति और भावना का एक आदर्श मिश्रण है और मुझे उम्मीद है कि मैं लोगों को इसे अपनाने के लिए प्रेरित करूंगा।खो-खो को लेकर टाइगर ने कहा कि यह सिर्फ एक खेल नहीं बल्कि ऐसी भावना है जो भारत की मिट्टी से गहराई से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा, हमारी संस्कृति में अपनी जड़ों से लेकर वैश्विक सनसनी बनने तक, यह खेल ताकत, चपलता और गति का उदाहरण देता है।

# जयपुर को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे यूपी योद्धाज, हरियाणा से भिड़ेंगे

**एजेंसी**

**पुणे।** यूपी योद्धाज ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के एलिमिनेटर-1 मुकाबले में जयपुर पिंक पैंथर्स को 46-18 के अंतर से हराते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। पहले सेमीफाइनल में उसका सामना हरियाणा स्टीलर्स से होगा जबकि दो बार के चैंपियन जयपुर को घर वापसी करनी होगी।लगातार 10 मैचों से अजेय यूपी जीत में भवानी राजपूत (12), गगन गौड़ा (5), हितेश (6), महेंद्र (4) और सुमित (5) का योगदान रहा जबकि जयपुर के लिए रेजा मीरबघेरी (5) ही सबसे चमकदार सितारे रहे। यूपी ने रेड में 12 के मुकाबले 18 और डिफेंस में 5 के मुकाबले 18 अंक ले वर्चस्व कायम किया। शानदार रेडिंग कर रहे भवानी और डिफेंस में मुस्तैद आशू, भरत और हितेश के दम पर यूपी योद्धाज ने सात मिनट में ही जयपुर को आलआउट कर 9-3 की लीड ले ली। शुरुआती 10 मिनट में यूपी के डिफेंस ने अर्जुन को नहीं चलने दिया। वह 4.30 मिनट बाहर रहे और तीन में से दो रेड में



लपके गए। दूसरी ओर, भवानी ने 6 रेड से पांच अंक उठा लिए।

ब्रेक के बाद जयपुर ने रेड खाता खोल स्कोर 5-13 कर दिया। इसी बीच धरनीधरन ने लगातार दूसरा अंक ले लिया लेकिन गगन ने मल्टीप्वाइंटर के साथ फासला बढ़ा दिया। आज अंकुश भी नहीं चल रहे थे। भवानी ने अगली रेड पर उनका भी शिकार कर स्कोर 17-6 कर दिया। फिर यूपी के डिफेंस ने तीसरी बार अर्जुन का शिकार कर मुश्किल बढ़ा दी। इसके बाद सुपर टैकल सिचुएशन में भवानी ने एक और शिकार किया और फिर यूपी ने दूसरा आलआउट लेते हुए 22-7 की लीड ले ली और फिर 23-8 के स्कोर पर पाला बदला। हाफटाइम के बाद जयपुर ने चार बदलाव किए। इस बीच सुरजीत ने गगन को डैश कर डिफेंस में जयपुर का खाता खोला। इसके बाद भवानी ने मल्टीप्वाइंटर के साथ स्कोर 26-9 कर दिया।

जल्द ही जयपुर के लिए सुपर टैकल आन हो गया था। डू ओर डाई रेड पर भवानी आए और यूपी को आलआउट की कगार पर ला दिया और फिर इसे अंजाम दे 32-10 की लीड ले ली। इसी बीच भवानी ने सुपर-10 पूरा किया। आलइन के कुछ मिनट अंदर ही यूपी ने फिर से जयपुर के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। 10 मिनट बचे थे और यूपी 37-11 से आगे थे।ब्रेक के बाद रेजा ने भवानी को सुपर टैकल कर जयपुर को दो अंक दिलाए। इस बीच रेजा के खिलाफ फाउल पर आशू को दो मिनट के लिए बाहर किया गया। और फिर यूपी ने चौथा आलआउट ले 42-13 की लीड ले ली। अंतिम मिनट में जयपुर ने यूपी को सुपर टैकल सिचुएशन में डाला लेकिन यूपी ने इसके भी दो अंक उठाकर तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बना ली।

# हरियाणा ने झारखंड को 64 रनों से हराया

**एजेंसी**

**जयपुर।** दिनेश बाना (नाबाद 72), अंकित कुमार (67) और सुमित कुमार (नाबाद 56) की अर्धशतकीय पारियों के बाद अंशुल काम्?बोज (चार विकेट) की बदौलत हरियाणा ने विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप ए मुकाबले में झारखंड को 64 रनों हराया।

हरियाणा के 295 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी झारखंड की पूरी टीम 46.4 ओवर में 231 रन पर सिमट गई। झारखंड के लिए अतुल सिंह ने (49), अनुकूल रॉय (32), कप्तान इशान किशन ने (36), विराट सिंह ने (34), उत्कर्ष सिंह (27), कुमार देवब्रत (16) और बाल कृष्णन (19) रन बनाकर आउट हुये। चार बल्लेबाज दहाई अंक से नीचे आउट हुये। हरियाणा के लिए अंशुल काम्बोज ने चार विकेट लिये। निशांत सिंधु को दो विकेट मिले। अमित राणा, सुमित कुमार और अमन कुमार ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। झारखंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा के लिए दिनेश बाना ने 57 गेंदों में (नाबाद 72) और अंकित कुमार ने 94 गेंदों में (67) रन की पारी खेली। इसके अलावा सुमित



कुमार ने 39 गेंदों में (नाबाद 56) रन बनाये।हिमांशु राणा (38) और पार्थ वत्स (27) रन बनाकर आउट हुए। हरियाणा ने निर्धारित 50 ओवरों में छह विकेट पर 295 रनों का स्कोर खड़ा किया।झारखंड की ओर से उत्कर्ष सिंह ने तीन विकेट लिये। विकास सिंह, अनुकूल रॉय और बाल कृष्णना ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

# पहले सत्र में दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजी आक्रमण के आगे पाकिस्तानी पारी लड़खडाई

**एजेंसी**

**सेंचुरियन।** डेन पैटरसन और कॉर्बिन बॉश (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने भोजनकाल तक पाकिस्तान के 88 रन पर चार विकेट झटक लिये है। भोजनकाल तक पाकिस्तान ने चार विकेट पर 88 रन बना लिये है तथा कामरान गुलाम (23) और मोहम्मद रिजवान (10) रन बनाकर खेल रहे है।आज यहां दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 15वें ओवर में कॉर्बिन बॉश ने कप्तान शान मसूद (17) को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को पहली सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में डेन पैटरसन ने सैम अयूब (14) को आउटकर पवेलियन भेज दिया।इसके बाद 18वें ओवर में पैटरसन ने बाबर आजम (चार) को अपना शिकार बनाकर दक्षिण अफ्रीका को तीसरी सफलता



दिलाई। सऊद शकील (14) को कॉर्बिन बॉश ने आउट किया। पहले सत्र का खेल समाप्त होने के समय पाकिस्तान ने 24 ओवरों में चार विकेट पर 88 रन बना लिये है और कामरान गुलाम (नाबाद 23) और मोहम्मद रिजवान (10) रन बनाकर क्रीज पर मौजूद है। दोनों बल्लेबाजों के बीच अब तक 33 गेंदों में 32 रनों की साझेदारी हो चुकी है। दक्षिण अफ्रीका की ओर से डेन पैटरसन और कॉर्बिन बॉश ने दो-दो विकेट लिये।

# टिम साउदी करेंगे आईएलटी-20 के तीसरे संस्करण में शारजाह वारियर्स की कप्तानी

**एजेंसी**

**शारजाह**। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों में से एक टिम साउदी डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 के तीसरे संस्करण के लिए शारजाह वारियर्स टीम की कप्तानी करेंगे। शारजाह वारियर्स का मानना है कि साउदी का अनुभव और खेल का ज्ञान आईएलटी-20 के आगामी सीजन के लिए टीम को मजबूती देगा। आईएलटी-20 तीसरे सत्र की शुरुआत 11 जनवरी को होगी और शारजाह वारियर्स अपना पहला मैच 12 जनवरी को गुजरात जायंट्स के खिलाफ खेलेगा। इस अवसर पर टिम साउदी ने कहा, शारजाह वारियर्स के पास एक शानदार टीम है, जिसमें कई बेहतरीन बल्लेबाज और योग्य और कुशल गेंदबाज हैं। इतने प्रतिभाशाली क्रिकेटरों की कप्तानी करना और उनके साथ रहना वाकई रोमांचक होगा। टीम प्रबंधन के साथ मेरी बातचीत भी अब तक काफी सफल रही है और हमें पूरा भरोसा है कि यह सत्र अच्छा रहेगा। मैं टीम में शामिल होने और उसका नेतृत्व करने



के लिए वाकई उत्साहित हूं। शारजाह वॉरियर्स के मुख्य कार्यकारी क्षेमल वैनगंकर ने कहा, हम, कैप्री स्पोर्ट्स में टिम साउदी को शारजाह वॉरियर्स टीम में कप्तान के रूप में शामिल करने पर बहुत उत्साहित हैं। क्रिकेट के खेल के प्रति उनकी कार्य नीति और समर्पण बेमिसाल है और लड़ते रहने की उनकी दृढ़ता, योद्धा भावना के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। साउथी न केवल आईएलटी-20 के आगामी संस्करण के लिए हमारी टीम को मजबूत करते हैं, बल्कि इसमें गहराई और अनुभव भी जोड़ते हैं। हमें विश्वास है कि नेतृत्व की उनकी गतिशील शैली हमारे लिए एक नए युग की शुरुआत करेगी।

# ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 474 रन पर समाप्त, स्टीव स्मिथ ने लगाया शतक, बुमराह ने झटके 4 विकेट

**एजेंसी**

**मेलबर्न।** स्टीव स्मिथ के शतक और उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, सैम कोंस्टास के अर्धशतकों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत यहां खेले जा रहे बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 140 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। स्मिथ के अलावा उस्मान ख्वाजा ने 57, मार्नस लाबुशेन ने 72 और सैम कोंस्टास ने 60 रन बनाए। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने सर्वाधिक 4 विकेट लिए। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सैम कोंस्टास और उस्मान ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई। विशेषकर कोंस्टास ने टी-20 प्रारुप की तरह बल्लेबाजी करनी शुरु की। उन्होंने खासकर बुमराह पर निशाना साधा और



उनकी जमकर खबर ली। देखते ही देखते उन्होने अपना अर्धशतक भी पूरा कर लिया। ख्वाजा और कोंस्टास ने 19.1 ओवर में 89 रन जोड़ लिये। रवींद्र जडेजा ने इसी स्कोर पर कोंस्टास को एलबीडब्ल्यू कर यह साझेदारी तोड़ी। कोंस्टास ने 65 गेंदों पर 6 चौके और 2 छक्के की बदौलत 60 रन बनाए। 154 के कुल स्कोर पर बुमराह ने ख्वाजा को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। ख्वाजा ने 57 रनों शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। लाबुशेन और स्मिथ ने एक बार फिर से पारी संभाली और तीसरे विकेट के लिए 83 रनों की साझेदारी की। इस साझेदारी को वाशिंगटन सुंदर ने तोड़ा। सुंदर ने 237 के कुल स्कोर पर लाबुशेन को पवेलियन भेज भारत को तीसरी सफलता दिलाई। लाबुशेन के आउट होने के बाद बुमराह ने ट्रैविस हेड (00) को बोल्ड कर भारत को बड़ी राहत दिलाई। इसके बुमराह ने 246 के कुल स्कोर पर मिचेल मॉर्श (04) को भी अपना शिकार बनाया।

यहां से एलेक्स कैरी और स्मिथ ने छठे विकेट के लिए 53 रन जोड़े। इस दौरान स्मिथ ने 71 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। आकाशदीप ने 299 के कुल स्कोर पर कैरी (31) को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी।

## डीएसए प्रीमियर लीग में दिल्ली एफसी, तरुण संघा की बड़ी जीत




**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** प्लेयर ऑफ द मैच ओलेन सिंह नींगठोजाम के दो शानदार गोलों की मदद से तरुण संघा ने यूनाइटेड भारत को 4 -1 से हरा कर डीएसए प्रीमियर लीग के दूसरे चरण में बड़ी जीत के साथ शुरुआत की। दिन के दूसरे मैच में जैकब के दो बेहतरीन गोलों से दिल्ली एफसी ने नेशनल यूनाइटेड को 5-0 से परास्त किया।

तरुण संघा के लिए नरेश मेटी और रिलेक्स सिंह ने भी एक-एक गोल किये। वहीं यूनाइटेड भारत का गोल जावेद अख्तर ने किया।

दिल्ली एफसी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' जैकब ने दो गोल किये। आरिस खान, अबेलसन जाची और थॉनाखोग मायूम ने एक एक गोल जमाए। विजेता टीम ने 12 मैचों में 25 अंक बना लिए हैं जबकि नेशनल यूनाइटेड 12 अंक जुटा पाई है। तरुण संघा ने दूसरे लेग की शुरुआत जीत के साथ की और 14 अंक बनाए हैं। पराजित यूनाइटेड भारत के मात्र छह अंक हैं और अंक तालिका में सबसे पीछे है।

# विराट कोहली और सैम कॉन्स्टास के बीच मैच के दौरान हुई बहस

**एजेंसी**

**मेलबर्न।** ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच खेले जा रहे चौथे टेस्ट के पहले दिन भारत विराट कोहली और ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण कर रहे सैम कॉन्स्टास के बीच टक्कर के बाद बहस हुई।आज यहां खेले जा रहे मैच में घटनाक्रम 10वें ओवर के दौरान उस समय हुआ जब कोहली और कॉन्स्टास ओवर की समाप्ति के बाद पिच पर आपस में टकरा गए। इसके तुरंत बाद दोनों खिलाड़ी आपस में बहस करते हुए देखे गये। उस्मान ख्वाजा ने बीच बचाव किया।

सत्र में बाद में रिप्ले सामने आने पर यह दिखा कि कॉन्स्टास दूसरे छोर की ओर जा रहे थे लेकिन पिच के बाहर से गेंद को हाथ में टॉस करते हुए आ रहे कोहली कॉन्स्टास से टकरा गए।मैच के बाद कॉन्स्टास ने एक स्थानीय चैनल से कहा, मैं समझ नहीं पाया। मैं दस्ताने ठीक कर रहा था और तब कंधे टकरा गए। लेकिन यह क्रिकेट में होता रहता है। पिच की दाईं ओर गए और इस टकराव की शुरुआत उन्हीं की ओर से हुई।स्थानीय चैनल से साइमन



ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कॉमेंट्री के दौरान कहा, जरा देखिए विराट कैसे चल रहे हैं। विराट टॉफेल ने इस घटना को आईसीसी के कोड ऑफ कंडक्ट के तहत अनुचित बताया।

# भोजनकाल तक जिम्बाब्वे के दो विकेट पर 92 रन

**एजेंसी**

**बुलावायो।** बेन कर्रन (68) रनों की अर्धशतकी पारी के दम पर जिम्बाब्वे ने पहले टेस्ट मैच के पहले दिन भोजनकाल तक अफगानिस्तान के खिलाफ दो विकेट पर 92 रन बना लिये है। भोजनकाल के समय टी काइटानो (नाबाद 13) और सीन विलियम्स (नाबाद 10) रन बनाकर खेल रहे है। यहां इससे पहले जिम्बाब्वे ने अफगानिस्तान के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की जॉयलॉर्ड गंबी और बेन कर्रन की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये 43 रन जोड़े। नौवें ओवर में नवीद जदरान ने जॉयलॉर्ड गंबी (नौ) को आउट कर अफगानिस्तान को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये टी काइटानो ने बेन कर्रन के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 26वें ओवर में ए एम गजनफर ने अर्धशतक बना चुके बेन कर्रन को बोल्ड कर जिम्बाब्वे




को बड़ा झटका दिया। कर्रन ने 74 गेंदों में 11 चौके लगाते हुये (68) रनों की पारी खेली। जिम्बाब्वे ने भोजनकाल तक दो विकेट पर 92 रन बना लिये है और टी काइटानो (नाबाद 13) और सीन विलियम्स (नाबाद 10) क्रीज पर मौजूद है। अफगानिस्तान की ओर से ए एम गजनफर और नवीद जदरान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

# गुजरात ने असम को आठ विकेट से हराया

**जयपुर ।** चिंतन गजा (पांच विकेट) और प्रियजीत सिंह जाडेजा (चार विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद उर्विल पटेल (37) और आर्य देसाई (28) रन की बल्लेबाजी के दम पर गुजरात ने विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप ए मुकाबले में असम को 241 गेंदों के शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया।

असम के 75 रनों के जवाब में गुजरात ने 9.5 ओवर में दो विकेट पर 78 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। गुजरात के लिए उर्विल पटेल ने (37) और आर्य देसाई (28) रनों की पारी खेली। उमंग कुमार (आठ) और सौरव चौहान (तीन) रन बनाकर नाबाद रहे। असम की ओर से अब्दुल अजीज कुरैशी और आकाश सेनगुप्ता ने एक-एक विकेट लिया।

गुजरात ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी असम की टीम चिंतन गजा और प्रियजीत सिंह



जाडेजा की घातक गेंदबाजी का सामना नहीं कर सकी और पूरी टीम 19.1 ओवर में 75 के स्कोर पर ढ़ेर हो गई। असम के लिए स्वरूपम पुरकायस्था ने(15) रन बनाये। वहीं मुख्तार हुसैन (19) रन बनाकर नाबाद रहे। असम के नौ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। गुजरात की ओर से चिंतन गजा ने पांच विकेट और प्रियजीत सिंह जाडेजा ने चार विकेट लिये। अरजान नागवासवाला ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

# यू मुंबा को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे पटना पाइरेट्स, दबंग दिल्ली से भिड़ेंगे

**एजेंसी**

**पुणे।** प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन की चौथी सेमीफाइनलिस्ट टीम के नाम का खुसाला हो गया है। बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के एलिमिनेटर-2 मुकाबले में यू मुंबा को 31-23 से हराकर तीन बार की चैंपियन पटना पाइरेट्स चौथी सेमीफाइनलिस्ट बनी। मुंबा को घर लौटना होगा और पटना को अब सेमीफाइनल में दबंग दिल्ली केसी का सामना करना होगा। चौथे खिताब के लिए प्रयासरत पटना की जीत में अयान (10), देवांक (8) और गुरदीप (5) का योगदान रहा जबकि मुंबा के लिए जफरदानेश (7) और अजीत (5) ही कुछ हद तक चमक दिखा सके। पटना की टीम ने 17वीं बार प्लेआफ खेलते हुए 12वीं जीत हासिल की है। पटना ने डिफेंस में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 7 के मुकाबले 11 अंक लेकर अंतर पैदा किया।वैसे मुंबा के डिफेंस ने अच्छी शुरुआत की और पहली रेड पर देवांक को लपक लिया। लेकिन अयान ने परवेश को बाहर कर उन्हें रिवाइव करा लिया। अजीत ने गुरदीप को बाहर किया तो



देवांक ने सुनील के रूप में बड़ा शिकार कर लिया। इसके बाद पटना ने लगातार दो अंक के साथ स्कोर 4-2 कर दिया। फिर अयान ने चार के डिफेंस में लोकेश को आउट कर मुंबा के लिए सुपर टैकल आन कर दिया।

मुंबा आलआउट की कगार पर थे लेकिन जफर ने मल्टीप्वाइंटर के साथ एक रिवाइव ले लिया लेकिन जल्द ही पहला आलआउट ले पटना ने 11-5 की लीड ले ली। आलइन के बाद मुंबा के डिफेंस ने पलटवार कर देवांक को लपक लिया। 10 मिनट बाद पटना 11-6 से आगे थे। ब्रेक के बाद पटना ने रोहित, जफर और अजीत को बाहर कर लीड दोगुनी कर दी।

देवांक ने इस मैच में तीसरी बार सुनील को बाहर कर स्कोर 15-7 कर दिया। रोहित के डू ओर डाई रेड पर आउट होने के बाद मुंबा के लिए सुपर टैकल आन था और लोकेश ने देवांक को लपक दो अंक ले स्कोर 9-16 कर दिया। इसके बाद अजीत ने एक अंक लिया। बहरहाल, पटना ने 17-11 के स्कोर पर पाला बदला।

अजीत ने आलइन के बाद भी एक अंक लेकर फासला 5 का कर दिया। अजीत ने इसके बाद चार के डिफेंस में हामिद को बाहर कर पटना के लिए सुपर टैकल आन कर दिया लेकिन अयान ने परवेश का शिकार कर इस स्थिति को टाल दिया।

हालांकि पटना फिर सुपर टैकल सिचुएशन में आ गए लेकिन अयान ने उसे फिर उबार लिया। इस बीच मुंबा के डिफेंस ने देवांक का शिकार किया तो अजीत को लपक अयान ने सुपर टैकल के दो अंक ले लिए। 30 मिनट के बाद पटना 22-17 से आगे थे। ब्रेक के बाद पटना ने लीड सात की कर ली। हालांकि डू ओर डाई रेड पर मुंबा ने अयान को लपक लिया लेकिन अजीत का शिकार कर पटना ने इसका जवाब दिया। फिर रोहित लपक लिए गए। लीड 9 की हो चुकी थी और अब सिर्फ 4 मिनट बचे थे। फिर देवांक ने एक अंक के साथ मुंबा को आलआउट की ओर धकेला लेकिन धनसेकर ने उसे उबार लिया। अगली रेड पर भी धनसेकर ने अंक लिया। इसके बाद मुंबा ने वापसी की तमाम कोशिशें की लेकिन उसका प्रयास नाकाम रहा और वह घर लौटने को मजबूर हुई।

## सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी
**नई दिल्ली।** घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोने के भाव में तेजी आने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 77,600 रुपये से लेकर 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,150 रुपये से लेकर 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज मामूली तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

## अडानी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया

**मुंबई।** जाने माने उद्योगपति और अडानी समूह के प्रमुख गौतम अडानी ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया। श्री अडानी ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने शोक संदेश में लिखा, इतिहास 1991 के आर्थिक सुधारों में डॉ. मनमोहन सिंह की महती भूमिका के लिए उन्हें हमेशा सम्मान देगा। उनके सुधारवादी कदमों से भारत को एक नया रूप मिला और देश ने दुनिया के लिए अपने दरवाजे खोले। डॉ. सिंह अपनी विशिष्ट नेतृत्व क्षमता, विनम्रता और देश सेवा से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री का आज देर शाम राष्ट्रीय राजधानी के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे।

## फियो की अमेरिका केंद्रित 750 करोड़ रु की विपणन योजना की सिफारिश

**नयी दिल्ली।** देश के निर्यातकों के शीर्ष फोरम फियो ने अमेरिका और चीन के बीच व्यापार में आयात प्रशुल्क की संभावित लड़ाई के बीच भारतीय निर्यात क्षेत्र के अवसर बढ़ाने के लिये सरकार को अमेरिकी बाजार पर केंद्रित करते हुये 750 करोड़ रुपये की तीन साल की विशेष विपणन योजना शुरू करने का सुझाव दिया है। फियो का मानना है कि इससे भारत को तीन वर्ष में दो लाख करोड़ रुपये के निर्यात के अतिरिक्त अवसर मिल सकते हैं। फियो अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने बजट से पहले सरकार के समक्ष निर्यात क्षेत्र के लिये सिफारिशों की विस्तृत सूची प्रस्तुत की है। फियो ने आंतरिक अध्ययन के आधार पर कहा है, ÷ टैरिफ (प्रशुल्क) युद्ध से भारत के निर्यात के लिए बहुत बड़ा अवसर मिलने वाला है। चीन पर उच्च टैरिफ लगाने का इरादा रखने वाला अमेरिका भारतीय निर्यात के लिये एक महत्वपूर्ण अवसर पैदा कर सकता है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां चीन पहले एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता रहा है। फियो अध्यक्ष ने अपनी प्रस्तुति में कहा है, हमें इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में प्रदर्शनियों में भाग लेने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। तीन वर्षों के लिए प्रति वर्ष 250 करोड़ रुपये (कुल मिलाकर 750 करोड़ रुपये) के कोष के साथ अमेरिका पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक विपणन योजना शुरू की जा सकती है, जिससे तीन वर्षों में 2,00,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निर्यात हो सके।

## दो वर्षों में तीन हजार ज्वेलरी स्टोर शुरू करने की उद्योग की योजना: शाह

**नयी दिल्ली।** जेम्स एंड ज्वेलरी निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के अध्यक्ष विपुल शाह ने आज कहा कि पिछले बजट में कीमती धातुओं पर आयात शुल्क कम करने से इस क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि को बढ़ावा मिला है और यह परिवार द्वारा संचालित आभूषण व्यवसायों की कई कंपनियों के शेयर बाजार सूचीबद्ध होने से लेकर विदेशों में प्रमुख खुदरा विक्रेताओं के विस्तार और अगले दो वर्षों में 3,000 खुदरा दुकानों के खुलने की योजना से स्पष्ट है, जिससे देश भर में लाखों रोजगार के अवसर पैदा होंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ आज यहां बजट पूर्व चर्चा में भाग लेने के बाद श्री शाह ने यहां जारी बयान में कहा कि इस दौरान उन्होंने रत्न एवं आभूषण उद्योग की ओर से प्रमुख सिफारिशें प्रस्तुत कीं, जिनका उद्देश्य विकास को बढ़ावा देना, वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना और उद्योग की महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करना था। उन्होंने कहा हम पिछले बजट में कीमती धातुओं पर आयात शुल्क कम करने के लिए माननीय वित्त मंत्री को धन्यवाद देते हैं, एक ऐसा कदम जिसने इस क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि को बढ़ावा दिया है।

# अमित शाह ने की भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता

एजेंसी
**नई दिल्ली।** केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल) की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।बैठक को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' और किसानों को समृद्ध बनाने के विज़न को साकार करने की दिशा में भारतीय बहुराज्य बीज सहकारी समिति लिमिटेड की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने बैठक में बीबीएसएसएल द्वारा वर्ष 2025-26 में और 20,000 समितियों को जोड़ने का लक्ष्य रखा। शाह ने कहा कि बीबीएसएसएल को बीज उत्पादन के लिए पानी और कीटनाशक के उपयोग को कम करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि छोटे किसानों की उपज उच्चतम हो और उनकी फसल की



परिपक्वता की अवधि अधिक हो इस दिशा में काम करें। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि बीबीएसएसएल भारत के परंपरागत 'मीठे' बीजों के संग्रहण और संरक्षण की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि इफ्को और कृभको को हमारे मूल और हाइब्रिड बीजों का पोषक तत्वों की दृष्टि से मूल्यांकन करना चाहिए। शाह ने कहा कि पारंपरिक 'मीठे' या लुप्तप्राय बीजों के संवर्धन व संरक्षण के साथ-साथ पोषक तत्वों को कम किए बिना दलहन और तिलहन के बीजों का उत्पादन बढ़ाना बीबीएसएसएल की प्राथमिकता रहनी चाहिए। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि इफ्को और कृभको को अपनी प्रयोगशालाओं को आदर्श और सर्वश्रेष्ठ प्रयोगशाला बनाने की दिशा में प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी सहकारी संस्थाओं को सभी किसानों को प्रमाणित बीज से खेती करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। अमित शाह ने कहा कि देशभर के 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 20,000 से अधिक विभिन्न सहकारी समितियां बीबीएसएसएल की शेयरधारक है। अमित शाह ने कहा कि बीबीएसएसएल को बीज उत्पादन, शोध और संवर्धन की दिशा में काम करने वाले सभी सरकारी विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों और प्रयोगशालाओं का उपयोग करना चाहिए। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने बीज उत्पादन बढ़ाने से संबंधित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए 10 साल का रोडमैप बनाने और उसकी निरंतर समीक्षा करने पर बल दिया।

## आरबीआई ने एआई के नैतिक उपयोग पर 8 सदस्यीय पैनल किया गठित

एजेंसी
**मुंबई/नई दिल्ली।** रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने वित्तीय क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जिम्मेदार एवं नैतिक इस्तेमाल के बारे में एक रूपरेखा तैयार करने के लिए 8 सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की। ये समिति पहली बैठक की तारीख से छह महीने के अंदर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। रिजर्व बैंक के मुताबिक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मुंबई में कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर पुष्पक भट्टाचार्य इस समिति के अध्यक्ष होंगे। भट्टाचार्य की अध्यक्षता वाला यह पैनल वैश्विक स्तर के साथ-साथ भारत में वित्तीय सेवाओं में एआई को अपनाने के वर्तमान स्तर का आकलन करेगा। यह समिति वैश्विक स्तर पर वित्तीय क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए एआई पर विनियामक और पर्यवेक्षी दृष्टिकोण की समीक्षा करेगी। यह पैनल एआई से जुड़े संभावित जोखिमों की पहचान करके परिणामी अनुपालन आवश्यकताओं की सिफारिश करेगा। यह समिति भारतीय वित्तीय क्षेत्र में एआई मॉडल या अनुप्रयोगों को जिम्मेदारीपूर्वक नैतिक रूप से अपनाने के लिए शासन संबंधी पहलुओं सहित एक रूपरेखा की सिफारिश करेगी। आरबीआई ने कहा कि इस समिति में देबजानी घोष (स्वतंत्र निदेशक, रिजर्व बैंक इनोवेशन हब), बलरामन रवींद्रन (प्रोफेसर और प्रमुख, वाधवानी स्कूल ऑफ डेटा साइंस एंड एआई, आईआईटी मद्रास), अभिषेक सिंह (अतिरिक्त सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय) शामिल हैं। इनके अलावा राहुल मथन (साझेदार, ट्राइलीगल), अंजनी राठौर (समूह प्रमुख और मुख्य डिजिटल अनुभव अधिकारी, एचडीएफसी बैंक), श्री नागरालू (सुरक्षा एआई अनुसंधान प्रमुख, माइक्रोसॉफ्ट इंडिया) और सुवेंदु पति (मुख्य महाप्रबंधक, वित्त प्रौद्योगिकी, आरबीआई) को सदस्य बनाया गया है।

# नवंबर में एनएसई से जुड़े 15.2 लाख नए निवेशक, इनवेस्टर्स की कुल संख्या 10.7 करोड़ के पार

एजेंसी
**नई दिल्ली।** अक्टूबर और नवंबर में घरेलू शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर रजिस्टर होने वाले निवेशकों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। नवंबर में एनएसई से कुल 15.20 लाख नए निवेशक जुड़े, जो पिछले 7 महीने का सबसे निचला स्तर है। हालांकि एनएसई पर रजिस्टर्ड निवेशकों की संख्या नवंबर के महीने तक 10.72 करोड़ हो गई थी। इस साल फरवरी में रजिस्टर्ड निवेशकों की संख्या 9 करोड़ से कुछ अधिक थी, जो अगस्त तक 10 करोड़ हो गई थी।

एनएसई की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर-नवंबर में बाजार में आई गिरावट की वजह से नए निवेशकों के रजिस्ट्रेशन में गिरावट जरूर दर्ज की गई, लेकिन वार्षिक आधार पर देखा जाए तो पिछले साल की तुलना में इसमें बढ़ोतरी हुई है। 1 साल पहले नवंबर के महीने में निवेशकों के रजिस्ट्रेशन का ये आंकड़ा 13.4 लाख था, जो अब बढ़कर 15.2 लाख हो गया है।

राज्यवार इंवेस्टर्स की संख्या देखी जाए तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की



संख्या के मामले में महाराष्ट्र पहले स्थान पर है, जबकि उत्तर प्रदेश इस सूची में दूसरे स्थान पर है। उत्तर प्रदेश के रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या इस साल अप्रैल के महीने में ही एक करोड़ के स्तर को पार कर गई थी, जबकि अगले 7 महीने में यानी नवंबर तक उत्तर प्रदेश के रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स का आंकड़ा 1.20 करोड़ के स्तर तक पहुंच गया। क्षेत्रीय आधार पर देखा जाए तो एनएसई में रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स में से 3.90 करोड़ इन्वेस्टर उत्तर क्षेत्र के हैं, जबकि पश्चिमी क्षेत्र दूसरे स्थान पर बना हुआ है। हालांकि 2022 तक पश्चिम क्षेत्र रजिस्टर्ड इन्वेस्टर के मामले में सबसे ऊपर बना हुआ था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की दिसंबर की मार्केट रिपोर्ट के मुताबिक एनएसई में रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या में महिलाओं की भागीदारी भी लगातार बढ़ रही है। 2021-22 में कुल रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स में 22 प्रतिशत महिलाएं थीं लेकिन नवंबर 2024 तक महिलाओं की भागीदारी 24 प्रतिशत हो चुकी है। इसी तरह एनएसई पर रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की औसत आयु 35.8 साल है। इसके अलावा कुल इन्वेस्टर्स में 30 साल से कम आयु के निवेशकों की संख्या 39.9 प्रतिशत है।

# माह नवंबर 2024 में सभी वस्तुओं का थोक मूल्य सूचकांक 401.32 रहा

एजेंसी
**जयपुर।** राज्य का माह नवंबर, 2024 को सभी वस्तुओं का थोक मूल्य सूचकांक आधार वर्ष (1999-2000) पर गत माह की तुलना में 0.82 प्रतिशत की कमी के साथ 401.32 रहा। माह नवंबर, 2024 में प्राथमिक वस्तु समूह सूचकांक 457.69 एवं ईधन, शक्ति, प्रकाश एवं उपस्नेहक समूह सूचकांक 568.11 तथा विनिर्मित उत्पाद समूह सूचकांक 308.62 अंक रहा है। राज्य के मासिक सामान्य थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति नवंबर, 2024 में गत वर्ष नवम्बर माह की तुलना में 2.54 प्रतिशत रही है। आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव विनेश सिंघवी ने बताया कि माह नवंबर, 2024 में प्राथमिक वस्तु समूह का सूचकांक गत माह की तुलना में 2.04 प्रतिशत की कमी के साथ 457.69 रहा है। प्राथमिक वस्तु समूह के सूचकांक में कमी का मुख्य कारण इसके अंतर्गत कृषि उप समूह सूचकांक में 2.19 प्रतिशत एवं खनिज उप समूह सूचकांक में 0.95 प्रतिशत की कमी दर्ज होना रहा है। उन्होंने बताया कि आलोच्य माह में प्राथमिक वस्तु



समूह में कृषि मद समूह के सूचकांक के अन्तर्गत दालों में 3.85 प्रतिशत, फलों में 52.71 प्रतिशत, सब्जियों में 10.13 प्रतिशत, रेशा में 0.20 प्रतिशत, तिलहन में 1.58 प्रतिशत एवं अन्य अखाद्य पदार्थ में 5.75 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

खनिज उप समूह सूचकांक के अंतर्गत आलोच्य माह में 0.95 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई। जिसमें मुख्यतः जिप्सम में 2.08 प्रतिशत, चूना पत्थर में 0.49 प्रतिशत एवं चांदी में 19.51 प्रतिशत की कमी दर्ज रही है। ईंधन, शक्ति, प्रकाश एवं उपस्नेहक समूह का सूचकांक माह नवंबर, 2024 के दौरान 568.11 अंक रहा है। ईंधन, शक्ति, प्रकाश एवं उपस्नेहक समूह सूचकांक की वर्ष दर वर्ष मुद्रास्फीति दर में गत वर्ष की तुलना में 2.26 प्रतिशत की कमी पाई गई। विनिर्मित उत्पाद समूह का सूचकांक माह नवंबर, 2024 में 308.62 अंक रहा, जिसमें गत माह की तुलना में 0.06 प्रतिशत की कमी पाई गई। समीक्षाधीन अवधि के दौरान केमिकल उप समूह सूचकांक में 1.32 प्रतिशत की कमी पाई गई जबकि खाद्य उत्पाद उप समूह के सूचकांक में 0.33 प्रतिशत, लकड़ी और लकड़ी उत्पाद उप समूह के सूचकांक में 0.36 प्रतिशत, बुनियादी कीमती और अलौह धातुएं उप समूह के सूचकांक में 0.05 प्रतिशत एवं सामान्य प्रयोजन मशीनरी उप समूह में 0.04 प्रतिशत वृद्धि रही हैं। विनिर्मित उत्पाद समूह सूचकांक की वर्ष दर वर्ष मुद्रास्फीति की दर गत वर्ष की तुलना में 1.52 प्रतिशत दर्ज की गई।

## सीतारमण ने निर्यात और व्यापार उद्योग विशेषज्ञों के साथ बजट पूर्व बैठक में की सुझाव एकत्र करने पर चर्चा

एजेंसी
**नई दिल्ली।** केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने राजधानी में निर्यात, व्यापार और उद्योग क्षेत्रों के प्रमुख हितधारकों और विशेषज्ञों के साथ बजट पूर्व परामर्श बैठक की। इस बैठक में आगामी केंद्रीय बजट 2025-26 के लिए अंतर्दृष्टि और सुझाव एकत्र करने पर चर्चा हुई।केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी, 2025 को संसद में अगले वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश करेंगी।

निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में आगामी बजट में व्यापार एवं सेवा क्षेत्रों को मजबूत बनाने के लिए प्रमुख चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की गई। इस बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, वित्त सचिव तुहिन कांता पांडे, आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ और मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंथा वी नागेश्वरन भी शामिल हुए। इससे पहले 24 दिसंबर को केंद्रीय वित्त मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ जाने-माने अर्थशास्त्रियों और



क्षेत्र के विशेषज्ञों से बैठक की थी। इस बैठक में केंद्रीय बजट 2025-26 के लिए उनके विचार और सुझाव मांगे गए। सीतारमण के अलावा नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी, नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम, मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंथा नागेश्वरन और सुरजीत भल्ला, डीके जोशी समेत जाने-माने अर्थशास्त्री भी बैठक में शामिल थे।

# आर्थिक वृद्धि को बनाये रखने की आवश्यकता, तीसरी तिमाही होगी बेहतर: वित्त मंत्रालय

एजेंसी
**नई दिल्ली।** वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच आर्थिक वृद्धि को बनाये रखने के लिए सभी संबंधित पक्षों को मिलकर काम करने की जरूरत होगी। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में नरमी के बाद तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) का परिदृश्य बेहतर दिखाई दे रहा है। वित्त मंत्रालय की नवंबर 2024 की जारी मासिक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। वित्त मंत्रालय ने नवंबर महीने की जारी अपनी मासिक रिपोर्ट में कहा है कि देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर में चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में नरमी आई है, जो कम होकर 5.4 फीसदी पर रही है। मंत्रालय ने कहा कि दूसरी तिमाही में नरमी के बाद तीसरी तिमाही का परिदृश्य बेहतर दिखाई दे रहा है। इसका पता अक्टूबर और नवंबर महीने के लिए महत्वपूर्ण आंकड़ों वस्तु एवं




सेवाकर (जीएसटी) संग्रह और पीएमआई आदि से चलता है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि, जलाशय में जल स्तर का अधिक होना और पर्याप्त उर्वरक उपलब्धता रबी बुवाई के लिए अच्छा संकेत है। कुल मिलाकर औद्योगिक गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही में वृद्धि परिदृश्य पहली छमाही के मुकाबले बेहतर है। इसमें कहा गया है कि मांग में नरमी का कारण संभवतः केंद्रीय बैंक का मौद्रिक नीति रुख और विवेकपूर्ण उपाय हो सकते हैं। मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार अच्छी खबर है कि केंद्रीय बैंक ने दिसंबर, 2024 में अपनी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक में नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) को 4.5 फीसदी से घटाकर चार फीसदी कर दिया। इससे कर्ज वृद्धि को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी, जो वित्त वर्ष 2024-25 में कुछ धीमी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार अगामी वित्त वर्ष 2025-26 को देखा जाए तो नई अनिश्चितताएं सामने आई हैं और वैश्विक व्यापार वृद्धि पहले की तुलना में अधिक अनिश्चित दिख रही है। पीएमआई के संबंध में रिपोर्ट में कहा गया है कि अक्टूबर और नवंबर महीने के आंकड़े यह बताते हैं कि कंपनियों के नए ऑर्डर में वृद्धि हो रही है और मांग मजबूत है। इसके साथ ही वे विस्तार कर रहे हैं। यह रिपोर्ट कहती है कि सरकारी पूंजीगत व्यय में अपेक्षित वृद्धि से सीमेंट, लोहा, इस्पात, खनन और बिजली क्षेत्रों को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

# क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक को रेलवे से कवच सिस्टम के लिए 978.61 करोड़ रुपये का ऑर्डर

एजेंसी
**नई दिल्ली/मोहाली।** रेलवे सुरक्षा और ट्रेन कंट्रोल एंबेडेड सिस्टम पर काम करने वाली एक शोध-उन्मुख कंपनी क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड (क्वाड्रेंट) ने एक बड़ा ऑर्डर मिलने का ऐलान किया है। कंपनी के ट्रेन कंट्रोल सिस्टम डिवीजन ने भारतीय रेलवे और चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स (सीएलडब्ल्यू) से 978.61 करोड़ रुपये (कर सहित) का अनुबंध हासिल किया है, जिसमें 1,200 इंजनों पर कवच सिस्?टम लगाना और चालू करना है।

क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड (क्वाड्रेंट) के ट्रेन कंट्रोल सिस्टम डिवीजन ने जारी एक बयान में कहा कि उसे 1,200 लोकोमोटिव पर कवच सिस्टम लगाने और चालू करने के लिए भारतीय रेल और चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स (सीएलडब्ल्यू) द्वारा 978.61 करोड़ रुपये (करों सहित) का प्रतिष्ठित अनुबंध दिया गया है। ये परियोजना क्वाड्रेंट का अब तक का सबसे बड़ा अनुबंध है, जो सुरक्षा नवाचारों को आगे बढ़ाने और भारत के रेलवे नेटवर्क के आधुनिकीकरण का समर्थन करने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक के प्रबंध निदेशक मोहित वोहरा ने कहा कि यह उपलब्धि महत्वपूर्ण रेलवे सुरक्षा प्रणालियों के विकास और कार्यान्वयन क्षमताओं में क्वाड्रेंट के समर्पण, नवाचार और विशेषज्ञता का प्रमाण है। उन्?होंने कहा कि कवच प्रणाली के विकास की हमारी यात्रा अगस्त 2020 में शुरू हुई, जो भारतीय रेलवे के साथ 4 साल से अधिक के कठोर विकास और सहयोग के माध्यम से हम रेलवे सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक, विश्वसनीय समाधान देने के अपने मिशन में एक ऐतिहासिक चरण में पहुंच गए हैं।

वोहरा ने कहा कि क्वाड्रेंट अगले साल चरणों में 1200 रेल इंजनों में कवच प्रणाली स्थापित करेगा, जिसमें निर्बाध एकीकरण, गुणवत्ता और समय पर डिलीवरी पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस परियोजना से यात्री सुरक्षा को बढ़ाने और भारत को रेलवे प्रौद्योगिकी में वैश्विक अग्रणी के रूप में स्थापित करने में आधारशिला बनने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी रूप से विकसित इस तकनीक पर रेल मंत्रालय का यह महत्वाकांक्षी प्रयास देश में इसी तरह की अत्याधुनिक तकनीकों के अनुसंधान, डिजाइन और विकास के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण और आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

उल्लेखनीय है कि क्वाड्रंट फ्यूचर टेक लिमिटेड कंपनी सिग्नलिंग डोमेन में रेलवे के लिए तकनीक और सुरक्षा प्रणाली विकसित करने और रेलवे, नौसेना रक्षा, सौर और इलेक्ट्रिक वाहन उद्योगों में अनुप्रयोगों के साथ विशेष केबल बनाने में माहिर है। कवच जैसे ट्रेन सुरक्षा समाधानों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, क्वाड्रंट वैश्विक स्तर पर रेलवे नेटवर्क की परिचालन सुरक्षा, दक्षता और विश्वसनीयता को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

# आरआईएनएल को मिला आंध्र प्रदेश राज्य ऊर्जा संरक्षण का स्वर्ण पुरस्कार

एजेंसी
**नई दिल्ली।** वशाखापत्तनम स्टील प्लांट की कॉर्पोरेट इकाई राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) ने आंध्र प्रदेश (एपी) ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार-2024 में स्वर्ण पुरस्कार जीता है। आरआईएनएल को पिछले तीन वर्षों के दौरान ऊर्जा संरक्षण उपायों को लागू करने के लिए यह पुरस्कार दिया गया है। इस्पात मंत्रालय के अनुसार विशाखापत्तनम स्टील प्लांट की कॉर्पोरेट इकाई आरआईएनएल ने लौह और इस्पात श्रेणी में ऊर्जा संरक्षण की दिशा में अपनी महत्वपूर्ण पहल के लिए राज्य ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2024 प्रतियोगिताओं में प्रतिष्ठित %गोल्ड अवार्ड% जीता है। मंत्रालय ने कहा कि हाल ही में विजयवाड़ा में आयोजित ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के समापन समारोह में आंध्र प्रदेश सरकार के विशेष मुख्य सचिव (ऊर्जा) के. विजयानंद, आईएएस से आरआईएनएल की ओर से उत्तम ब्रह्मा, महाप्रबंधक (ऊर्जा, पर्यावरण एवं उपयोगिताएं) आरआईएनएल और वीवीवीएस पुल्ला रेड्डी, उप-महाप्रबंधक (ऊर्जा प्रबंधन विभाग) आरआईएनएल ने स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त किया।इस्पात मंत्रालय ने कहा कि यह प्रतिष्ठित स्वर्ण पुरस्कार आरआईएनएल को पिछले तीन वर्षों के दौरान ऊर्जा संरक्षण उपायों को लागू करने तथा अपशिष्ट ऊर्जा का दोहन करने के लिए दिया गया। आरआईएनएल के



सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) एके सक्सेना ने विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र के ऊर्जा प्रबंधन तथा सहायक विभागों को आरआईएनएल को एक बार फिर गौरव दिलाने के लिए बधाई दी।

## आईडेंटिकल ब्रेन्स की स्टॉक मार्केट में धांसू एंट्री, निवेशकों को पहले दिन ही जोरदार मुनाफा

**नई दिल्ली।** फिल्म, वेब सीरीज, टीवी सीरियल और कॉमर्शियल्स को वीएफएक्स सर्विस मुहैया कराने वाली कंपनी आईडेंटिकल ब्रेन्स स्टूडियोज के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री हुई। लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर में गिरावट आ गई और ये लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने दोबारा जोर लगाया, जिससे इस शेयर में तेजी का रुख बन गया। आईपीओ के तहत कंपनी ने 54 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर ये शेयर 75.93 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 95 रुपये के भाव पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के तुरंत बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी ही देर में ये शेयर टूट कर 90.25 के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। राहत की बात यही रही कि थोड़ी ही देर बाद खरीदारों ने जोर लगाया, जिसकी वजह से ये शेयर लोअर सर्किट के फंदे से निकल कर 99.75 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले ही दिन इस शेयर से 84.72 प्रतिशत का फायदा हो चुका है।

# शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद सपाट स्तर पर बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी
**नई दिल्ली।** घरेलू शेयर बाजार ज्यादातर समय सीमित दायरे में कारोबार करके सपाट स्तर पर बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में तेजी आ गई, लेकिन पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से ये दोनों सूचकांक गिरावट का शिकार हो गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.39 अंक की सांकेतिक कमजोरी के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी ने 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज दिन भर के कारोबार में पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑटोमोबाइल और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसके साथ ही कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थ केयर, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। एफएमसीजी, मेटल, बैंकिंग और आईटी इंडेक्स बिकवाली के दबाव के कारण लाल निशान में बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया।आज शेयर बाजार में सपाट कारोबार होने के बावजूद स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 442.08 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 441.71 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 37 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,074 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई।

इनमें 1,640 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,327 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 107 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,504 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,010 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,494 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 13 शेयर बढ़त के साथ और 17 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 30 शेयर हरे निशान में और 20 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 84.41 अंक की मजबूती के साथ 78,557.28 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 425.50 अंक की मजबूती के साथ 78,898.37 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बनने की वजह से इस सूचकांक में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 11 के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब 725 अंक लुढ़क कर 299.49 अंक की कमजोरी के साथ 78,173.38 अंक तक गिर गया।

## घात लगाकर किए गए हमले में 14 अंतरिम सरकारी अधिकारियों की मौत

**एजेंसी**

**दमिश्क ।** सीरिया के अंतरिम आंतरिक मंत्रालय के 14 अधिकारी उत्तर-पश्चिमी प्रांत टार्टस में एक विश्वासघाती हमले में मारे गए और 10 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी आंतरिक मंत्री मोहम्मद अब्दुल रहमान ने दी। स्थानीय अल-वतन अखबार के हवाले से सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, मंत्री ने हमलावरों को पूर्व सरकार के अवशेष बताया। मंत्रालय ने कहा कि मारे गए अधिकारी सुरक्षा बनाए रखने और नागरिकों की रक्षा करने के लिए अपनी ड्यूटी निभा रहे थे। इससे पहले, यह रिपोर्ट किया गया था कि टार्टस प्रांत में हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन और स्थानीय सशस्त्र निवासियों और सुरक्षा कर्मियों के बीच हिंसक झड़पें हुईं। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स की रिपोर्ट के मुताबिक, लड़ाई खारबेट अल-मज्जा गांव में तब शुरू हुई, जब स्थानीय लोगों ने सुरक्षा बलों द्वारा उनके घरों की जांच का विरोध किया, जिसके बाद सशस्त्र निवासियों ने एचटीएस से जुड़े एक वाहन में आग लगा दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि सैन्य गठबंधन की यूनिट 82 और के9 दस्तों का एक बड़ा काफिला लताकिया प्रांत के पास के क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है।

## अमेरिका के कैलिफोर्निया में बर्ड फ्लू का प्रकोप, राज्य में दूध उत्पादन में भारी गिरावट

**सैक्रामेंटो।** अमेरिका के कैलिफोर्निया में एवियन इन्फ्लूएंजा ए (एच5एन1) वायरस के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। कैलिफोर्निया के अधिकारियों के अनुसार, बर्ड फ्लू ने अगस्त से अब तक 984 डेयरियों में से 659 को प्रभावित किया है। इनमें से एक-चौथाई मामले पिछले महीने में ही सामने आए। समाचार एजेंसी के अनुसार, राज्य के डेयरी उद्योग में तेजी से फैल रहे इस वायरस के कारण गवर्नर गेविन न्यूसम ने राज्य में पिछले सप्ताह आपातकाल की घोषणा की थी। कैलिफोर्निया के गवर्नर न्यूसम ने एक बयान में कहा, इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि सरकारी एजेंसियों के पास इस विषम स्थिति से सामना करने का जरूरी संसाधन कितना है जिससे वो परिस्थिति के अनुसार तुरंत रिएक्ट कर सकें। अमेरिकी रोग नियंत्रण केंद्र (सीडीसी) की जारी नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, इस महामारी का मानवीय प्रभाव लगातार गंभीर होता जा रहा है, तथा कैलिफोर्निया में ऐसे 36 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। जो कि देश के कुल 65 मामलों के आधे से भी अधिक हैं, हालांकि वास्तविक संख्या इससे अधिक होने की संभावना है, क्योंकि हाल ही में स्थानीय स्तर पर पुष्टि के मामले संघीय आंकड़ों में अभी तक जुड़े नहीं हैं।

## नेतन्याहू ने हूती विद्रोहियों को दी चेतावनी, बोले इजरायल हवाई हमला करने पर कर रहा विचार

**यरूशलम ।** इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने चेतावनी दी कि यमन में हूती बलों को भी इजरायल विरोधी समूहों जैसा ही परिणाम भुगतना पड़ेगा। नेतन्याहू ने एक वीडियो बयान में कहा, हूती विद्रोहियों को भी वही सबक मिलेगा जो हमास, हिजबुल्लाह, असद सरकार और दूसरों को मिला है। हालांकि, इसमें समय लग सकता है। लेकिन, यह पूरे मध्य पूर्व के लिए एक सबक साबित होगा। इससे पहले बुधवार को हूती विद्रोहियों ने लगातार दूसरे दिन इजरायल की ओर जमीन से जमीन पर मार करने वाली मिसाइल दागी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार एक ड्रोन दक्षिणी इजरायल में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। कथित तौर पर हूती बलों द्वारा जवाबी मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद इजरायल यमन में हूती बलों के खिलाफ एक बड़े हमले पर विचार कर रहा है। इजरायल के सरकारी स्वामित्व वाले कान टीवी ने बताया कि सेना एक संभावित ऑपरेशन की तैयारी कर रही है। वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के हवाले से कान टीवी ने कहा कि इजरायली वायु सेना, सैन्य खुफिया और संचालन निदेशालय पिछले सप्ताह के हमले के बाद यमन में काफी आक्रामक योजनाएं बना रहे हैं और टार्गेट सूची का विस्तार कर रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर से हूती समूह ने गाजा में फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाते हुए इजरायल पर कभी-कभी मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। इसके जवाब में इजरायल ने कई बड़े हवाई हमले किए, जिनमें से सबसे हाल ही में पिछले सप्ताह हुआ। इस हमले में नौ लोगों की मौत हो गई।

## इजरायली एयर स्ट्राइक में मारे गए 23 फिलिस्तीनी

**गाजा ।** फिलिस्तीनी सूत्रों ने बताया कि गाजा पट्टी में इजरायली हवाई हमलों में 22 फिलिस्तीनी मारे गए। गाजा में सिविल डिफेंस के प्रवक्ता महमूद बसल ने सिन्हुआ को बताया कि इजरायली विमानों ने बुधवार को उत्तरी गाजा शहर में अल-मुहब्बन स्कूल के अंदर विस्थापित व्यक्तियों के लिए बने टेंट को निशाना बनाया। बसल ने बताया कि नागरिक सुरक्षा दल ने इजरायली हमलों के बाद स्कूल से सात शव और 25 घायल व्यक्तियों को बरामद किया, जिन्हें स्थानीय अस्पताल में स्थानांतरित किया गया। स्थानीय सूत्र और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टेंट में आग लग गई और बमबारी में कुछ शव क्षत-विक्षत हो गए। इजरायली सेना ने एक प्रेस बयान में कहा कि खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए इजरायली वायु सेना के एक विमान ने गाजा शहर के अल-फुरकान इलाके में हमास के एक सदस्य को निशाना बनाया। दावा किया गया कि सेना ने पूरी सावधानी बरती। आम नागरिकों को ध्यान में रख हमले किए गए।

# डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर नेपाल के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सहित प्रमुख नेताओं ने जताया शोक

**एजेंसी**

**काठमांडू।** भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर नेपाल के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, कई पूर्व प्रधानमंत्री सहित प्रमुख दल के नेताओं ने शोक प्रकट किया है। इन सभी नेताओं ने दिवंगत मनमोहन सिंह के साथ अपनी स्मृति को साझा किया।

नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने एक बयान जारी करते हुए भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर दुख प्रकट किया है। डॉ. सिंह को विश्व के प्रख्यात अर्थशास्त्री बताते हुए राष्ट्रपति पौडेल ने कहा कि उनके द्वारा भारत के लिए अपनाई गई अर्थनीति का नेपाल समेत कई देशों ने अनुसरण करते हुए लाभ लिया है। राष्ट्रपति ने शोक संदेश भेजते हुए नेपाल की जनता की तरफ से गहरी शोक संवेदना जताई है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने डॉ. मनमोहन सिंह को एक अर्थशास्त्री के साथ महान विचारक एवं चिंतक के रूप में याद किया। ओली ने

सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि नेपाल और भारत के संबंधों को सुदृढ़ करने के उनके प्रयासों को स्मरण कर रहा हूं। प्रधानमंत्री ओली ने डॉ. मनमोहन सिंह के साथ अपनी एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और माओवादी पार्टी के अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड ने डॉ. सिंह के निधन को व्यक्तिगत क्षति बताया है। प्रचंड ने अपने शोक संदेश में कहा है कि सशस्त्र द्वंद में रहे माओवादी को शांति प्रक्रिया में लाने में डॉ. मनमोहन की भूमिका की जितनी प्रशंसा की जाए कम है। नेपाल में लोकतंत्र की पुनर्बहाली में डॉ. मनमोहन सिंह के ही मार्गदर्शन में सात दल और तत्कालीन विद्रोही पक्ष माओवादी के बीच लिखित समझौता हुआ था।

इसी तरह माओवादी के पूर्व नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. बाबूराम भट्टराई ने मनमोहन सिंह के निधन पर अपनी संवेदनाएं प्रकट करते हुए उन्हें एक महान अर्थशास्त्री, कुशल प्रशासक, दक्षिण एशिया के उदारीकरण के अग्रणी नेता के रूप में याद किया है। भट्टराई ने कहा कि नेपाल-भारत संबंधों को लेकर अत्यंत ही सकारात्मक रहने वाले डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से नेपाली जनता को भी उतना ही दुख हुआ है। पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल ने डॉ. सिंह के निधन पर जारी शोक संदेश में उन्हें नेपाल का सच्चा मित्र, सच्चे शुभचिंतक और नेपाल तथा नेपाली जनता के प्रति हमेशा ही प्रेम और सद्भाव रखने वाले नेता के रूप में याद किया है। माधव नेपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में उन्हें डॉ. मनमोहन सिंह के साथ कई बार मिलने और मंच साझा करने का मौका मिला है। उनके निधन से न सिर्फ भारत ने बल्कि पूरे विश्व ने एक महान अर्थशास्त्री को खो दिया है।

## जंगल की आग को और भड़का रही है तेज हवाएं

**एजेंसी**

**सिडनी ।** ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य में में लगी जंगल की आग को बुझाने में फायर फाइटर्स को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा रहा है। विक्टोरिया के आपातकालीन प्रबंधन आयुक्त रिक नुगेंट ने कहा कि फायर फाइटर्स को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा, लेकिन वे आगे आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार हैं।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, विक्टोरिया राज्य में आग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया था। दरअसल गर्मी और तेज हवाओं के कारण जंगलों में आग लगने का खतरा बढ़ गया था। नुगेंट ने पत्रकारों से कहा कि तेज उत्तरी हवाएं विक्टोरिया के दक्षिण में स्थित ग्रैम्पियंस नेशनल पार्क में लगी आग को और भड़का रही हैं। अधिकारी ने कहा, इसके बाद हवा की दिशा बदलकर दक्षिण-पश्चिम की ओर हो जाएगी, जिससे मौजूदा आग को बुझाने वाले अग्निशामकों के लिए समस्याएं और बढ़ जाएंगी ग्रैम्पियंस नेशनल पार्क की आग ने पहले ही करीब 55,000 हेक्टेयर भूमि को जलाकर पर्यावरण, पशुधन और बाहरी इमारतों को काफी नुकसान पहुंचाया है। नुगेंट ने कहा, ÷हमें अब तक आवासीय घरों के नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है, लेकिन ग्रैम्पियंस में कई लोग रहते हैं, इसलिए अगर कोई घर नष्ट होता है, तो मुझे इसमें कोई हैरानी नहीं होगी। विक्टोरिया के राज्य नियंत्रण केंद्र के ल्यूक हेगर्टी ने कहा कि ग्रैम्पियंस में हालात जल्दी बदल रहे हैं। उन्होंने कहा, जैसा कि हमने अनुमान लगाया था, आज दोपहर में आग और भड़की। हवा की दिशा बदलने से आग के कुछ हिस्सों पर असर पड़ना शुरू हो गया है। हेगर्टी ने आगे कहा, आज सुबह और दोपहर को हमने उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण आग को दक्षिण-पूर्व की ओर फैलते हुए देखा है। उन्होंने कहा कि दोपहर की हवाओं ने पेड़ गिरा दिए, जिससे उस क्षेत्र से बाहर जाने की कोशिश कर रहे लोगों परेशानी हो सकती है।

## सीरिया में अपदस्थ राष्ट्रपति के 20 से अधिक समर्थक मारे गए, कम से कम 45 गिरफ्तार

**एजेंसी**

**दमिश्क।** सीरिया में अब अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद के समर्थकों की जान पर बन आई है। सैन्य संचालन विभाग ने राजधानी दमिश्क, ग्रामीण इलाकों, होम्स, लताकिया और टार्टस के कई इलाकों में अभियान चलाकर असद के 20 से अधिक समर्थकों को मार गिराया और कम से कम 45 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। सीरियाई सैन्य संचालन विभाग असद के इन समर्थकों को आतंकवादी मान रहा है। न्यूज एजेंसी '963+' के अनुसार सैन्य संचालन विभाग के करीबी सूत्र ने बताया कि मेजेह 86, रिपब्लिकन गार्ड के आवासों, दमिश्क के डुम्मर प्रोजेक्ट, कुदसाया, अल-हमा और असल अल में सुरक्षा अभियान शुरू किया गया है। सैन्य संचालन विभाग ने वांछित व्यक्तियों और आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए चार दिन का समय दिया था। इस अवधि के गुजरने के बाद शुरू किए गए अभियान में अपदस्थ शासन से जुड़े कम से कम 20 आतंकवादी मारे गए और 45 से अधिक को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अलावा देश के पश्चिम में लताकिया शहर में एक अधिकारी सहित अपदस्थ शासन के 20 सदस्यों को भी गिरफ्तार किया गया। इससे पहले बुधवार को सीरियाई अंतरिम सरकार के आंतरिक मंत्री मोहम्मद अब्द अल-रहमान ने कहा था कि अपदस्थ राष्ट्रपति से संबद्ध बंदूकधारियों के घात लगाकर किए गए हमले में आंतरिक मंत्रालय के 14 सदस्य मारे गए और 10 अन्य घायल हो गए।

# चीन का ब्रह्मपुत्र नद पर सबसे बड़ा बांध बनाने का ऐलान

**एजेंसी**

**बीजिंग।** चीन ने भारतीय सीमा के करीब तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर 137 अरब डॉलर की लागत से दुनिया के सबसे बड़े बांध के निर्माण को मंजूरी दे दी है, जिससे तटवर्ती देशों- भारत और बांग्लादेश में चिंताएं बढ़ गई हैं।

दरअसल, चीन की सरकार ने ऐलान किया है कि वह तिब्बत की सबसे लंबी नदी यारलुंग त्सांगपो (भारत का ब्रम्हपुत्र नद) पर महाशक्तिशाली बांध बनाने जा रही है। इस बांध से चीन के धरती की स्पीड को प्रभावित करने वाले थ्री जॉर्ज बांध से 3 गुना ज्यादा बिजली पैदा होगी। चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ ने यह जानकारी दी है। एजेंसी के अनुसार, चीन की

सरकार इसे हिमालय के करीब एक विशाल घाटी में बनाने की योजना पर काम कर रही है। इसी स्थान से ब्रह्मपुत्र नदी अरुणाचल प्रदेश और फिर बांग्लादेश की तरफ मुड़ जाती है। चीनी मीडिया का कहना है कि यह बीजिंग के लिए इंजीनियरिंग की बड़ी चुनौती बनने जा रहा है। सरकार इस बांध को बनाने के लिए 137 अरब डॉलर खर्च करने जा रही है।

बांध निर्माण की घोषणा के बाद कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि यह चीनी बांध धरती पर चल रहे सिंगल इन्फ्रास्ट्रक्चर के किसी भी प्राजेक्ट को बहुत पीछे कर देगा जबकि कुछ विशेषज्ञ इस निर्णय को सोची समझी प्रक्रिया बता रहे हैं। उनका कहना है कि चीन इस दैत्याकार बांध का इस्तेमाल हथियार की तरह उपयोग कर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में कभी भी बाढ़ ला सकता है।

## अजरबैजानी सरकार के सूत्रों का दावा- रूसी मिसाइल के कारण हुई कजाकिस्तान में विमान दुर्घटना

**एजेंसी**

**अक्तौ (कजाकिस्तान)।** अजरबैजान सरकार के सूत्रों ने मीडिया में पुष्टि की है कि सतह से हवा में मार करने वाली रूसी मिसाइल के कारण बुधवार को अक्तौ में अजरबैजान एयरलाइंस का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

सूत्रों के अनुसार, ग्रोजी (रूस) के ऊपर ड्रोन हवाई गतिविधि के दौरान फ्लाइट 8432 पर मिसाइल दागी गई और उड़ान के बीच में विमान के बगल में विस्फोट होने से छर्रे यात्रियों और केबिन क्रू को लगे।

बाकू स्थित अंतरराष्ट्रीय आउटलेट एन्यूज़ ने अज़रबैजानी सरकार के सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि मिसाइल को पैंटिर-एस वायु रक्षा प्रणाली से दागा गया था।

रूसी सूत्रों के अनुसार, जिस समय अज़रबैजान एयरलाइंस की उड़ान चेचन्या के क्षेत्र से गुजर रही थी, रूसी वायु रक्षा बल सक्रिय रूप से यूक्रेनी यूएवी को मार गिराने का प्रयास कर रहे थे। वहीं, जीवित बचे लोगों ने बताया है कि उन्होंने

ग्रोज़ी में लैंडिंग के असफल प्रयासों से पहले एक विस्फोट की आवाज़ सुनी थी। इसके बाद अक्तौ में उतरने की कोशिश करने पर विमान टकराकर टूट गया और उसमें आग लग गई।

इस विमान दुर्घटना की आगे की जांच से मिसाइल के दागे जाने की परिस्थितियों, रूस में नजदीकी हवाई अड्डे पर उतरने की अनुमति नहीं मिलने और क्षतिग्रस्त विमान के साथ समुद्र पार करने के निर्देश का खुलासा होने की उम्मीद है। दुर्घटनास्थल से ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है और दुर्घटना से पहले की घटनाओं की पुष्टि करने में इसका विश्लेषण महत्वपूर्ण होगा।

## पाकिस्तान में आतंकवाद विरोधी अभियानों में 13 आतंकवादी ढेर

**एजेंसी**

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों ने तीन अलग-अलग अभियानों में एक सैन्य अधिकारी और 13 आतंकवादियों को मार गिराया। एजेंसी सिन्हुआ ने सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के हवाले से बताया कि बन्नू जिले में एक ऑपरेशन चलाया गया। इस ऑपरेशन में आतंकवादियों के ठिकाने को सटीक रूप से निशाना बनाया गया और मुठभेड़ के दौरान दो आतंकवादी मार गिराए गए। बयान में कहा गया है कि उत्तरी वज़ीरिस्तान जिले में एक और ऑपरेशन हुआ, जिसमें भारी गोलीबारी के दौरान एक सैन्य अधिकारी और पांच आतंकवादी मारे गए। इसके अलावा, आठ आतंकवादी घायल भी हुए। बयान में कहा गया है कि तीसरी मुठभेड़ दक्षिण वज़ीरिस्तान जिले में हुई, जिसमें छह आतंकवादी मारे गए और आठ अन्य घायल हो गए। आईएसपीआर ने कहा कि इलाके में

मौजूद बाकी आतंकवादियों को नष्ट करने के लिए अभियान जारी है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि दिसंबर में पाकिस्तान के पूर्वी पंजाब प्रांत में पुलिस ने एक आतंकवादी हमले को विफल कर दिया था, जिसमें चार आतंकवादी मारे गए थे और दो पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। जिले की पुलिस ने एक बयान में कहा कि यह घटना मियांवाली जिले में हुई, जहां लगभग 20 आतंकवादियों ने एक पुलिस स्टेशन पर हमला कर दिया। स्टेशन के अंदर पुलिस सतर्क थी और उसकी जल्दी प्रतिक्रिया की वजह से, आतंकवादियों की साजिश नाकाम हो गई और वे घटनास्थल से भाग गए। बयान में कहा गया कि हमले के बाद दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी हुई, जिसमें आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने शवों को अपने कब्जे में ले लिया है और उनकी पहचान की जांच की जा रही है।

# दक्षिण कोरिया में अब विपक्ष का कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू के खिलाफ मोर्चा

**एजेंसी**

**सियोल।** दक्षिण कोरिया में अब विपक्ष ने कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। मुख्य विपक्षी दल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ कोरिया (डीपीके) ने हान पर संवैधानिक न्यायालय में खाली तीन जजों के पदों पर नियुक्ति पर आनाकानी का आरोप लगाया है। साथ ही महाभियोग का सामना करने के लिए चेताया है।

दक्षिण कोरिया के दो प्रमुख समाचार पत्रों द कोरिया टाइम्स और द कोरिया हेराल्ड ने अपनी खबर में इस विवाद पर विस्तार से चर्चा की है। दरअसल कार्यवाहक राष्ट्रपति हान ने कहा है कि वह तब तक संवैधानिक न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति नहीं करेंगे जब तक प्रतिद्वंद्वी पार्टियां राजनीतिक समझौता नहीं कर लेतीं। उनके इस बयान के बाद डीपीके ने कार्यवाहक राष्ट्रपति हान के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव

पेश कर नेशनल असेंबली के पूर्ण सत्र में इसकी सूचना दी। डीपीके की मांग है कि नौ सदस्यीय संवैधानिक न्यायालय के तीन खाली पदों पर कार्यवाहक राष्ट्रपति नियुक्ति को मंजूरी दें। दरअसल संवैधानिक न्यायालय को यह तय करना है कि जा सकता है या नहीं। देश के संविधान के अनुसार, महाभियोग प्रस्ताव को बरकरार रखने के लिए संवैधानिक न्यायालय में कम से कम छह मतों की आवश्यकता होती है।

मुख्य विपक्षी दल डीपीके ने नेशनल असेंबली के पूर्ण सत्र के दौरान कार्यवाहक राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर मतदान कराने की रणनीति तैयार की है। कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू ने साफ कहा कि वह द्विदलीय समझौते के बिना किसी भी न्यायाधीश की नियुक्ति नहीं करेंगे। इसके बाद डेमोक्रेटिक पार्टी ने हान पर महाभियोग चलाने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इसमें कार्यवाहक राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा का सहयोगी बताया गया। तीन दिसंबर की अल्पकालिक मार्शल लॉ घोषणा पर राष्ट्रपति यून सुक येओल के खिलाफ पारित हो चुके महाभियोग प्रस्ताव को चलाया

## सीरिया के अंतरिम अधिकारियों ने दमिश्क के उपनगरीय इलाके, टारटस में अभियान शुरू किया

**एजेंसी**

**दमिश्क।** सीरिया के अंतरिम प्रशासन ने ग्रामीण दमिश्क में सुरक्षा अभियान शुरू किया। साथ ही तटीय प्रांत टारटस में सशस्त्र समूहों को निशाना बनाकर अभियान चलाया, स्थानीय मीडिया अल-वतन ऑनलाइन ने यह जानकारी दी। अभियान ने दमिश्क के ग्रामीण इलाकों में कुद्सया, अल-हमे, ऐश अल-वारौर, जबल अल-वार्ड और हे अल-वुरूद सहित पड़ोस को निशाना बनाया। अस-वतन ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि अभियान का उद्देश्य अवैध हथियारों को जब्त करके और कलह भड़काने वाले के रूप में पहचाने गए व्यक्तियों को हिरासत में लेकर क्षेत्र की तलाशी लेना था। इस बीच, टार्टस में, अधिकारियों ने घोषणा की कि उन्होंने कई लड़ाकों को निष्प्रभावी कर दिया है, जिन्हें उन्होंने जंगली इलाकों और पहाड़ियों पर असद के मिलिशिया के अवशेष÷ के रूप में संदर्भित किया। रिपोर्ट ने संकेत दिया कि अतिरिक्त भगोड़ों को पकड़ने के लिए अभियान

जारी है। समाचार एजेंसी ने बताया कि यह कार्रवाई देश भर में सुरक्षा पहलों की एक श्रृंखला के हिस्से के रूप में की गई, जिसका उद्देश्य नए नेतृत्व के अधिकार को मजबूत करना है। यह घटना टार्टस, लताकिया, होम्स और दमिश्क में प्रदर्शनकारियों द्वारा सड़कों पर उतरने के एक दिन बाद हुई, जिसमें अलावी अल्पसंख्यक के धार्मिक स्थल पर कथित हमलों की निंदा की गई। सुरक्षा अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि ऐसी घटनाएं अलग-थलग हैं और चेतावनी दी कि पूर्व शासन के अवशेष सांप्रदायिक विभाजन का फायदा उठाकर कलह पैदा कर सकते हैं। , यह बताया गया कि सीरिया के अंतरिम आंतरिक मंत्रालय के 14 अधिकारी उत्तर-पश्चिमी प्रांत टार्टस में एक 'विश्वासघाती हमले' में मारे गए और 10 अन्य घायल हो गए। अंतरिम सरकार के आंतरिक मंत्री मोहम्मद अब्दुल रहमान ने हमलावरों को पूर्व सरकार के 'अवशेष' बताया। मंत्रालय ने कहा कि मारे गए अधिकारी सुरक्षा बनाए रखने और नागरिकों की रक्षा करने के उद्देश्य से कर्तव्यों का पालन कर रहे थे। इस महीने की शुरुआत में सीरिया में बशर अल-असद की सरकार के हाल ही में पतन के बाद, कई हाई-प्रोफाइल घटनाओं ने पूरे देश में सांप्रदायिक तनाव को बढ़ा दिया है।

## सोवियत संघ और अमेरिका से सबक ले इस्लामाबाद : पाकिस्तानी एयर स्ट्राइक पर तालिबान की चेतावनी

**एजेंसी**

**काबुल ।** इस्लामाबाद को अफगानिस्तान पर निशाना साधने से पहले इतिहास से सबक सीखना चाहिए, पाकिस्तान को यह चेतावनी अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने दी। कई रिपोर्टों में मुत्ताकी के हवाले से कहा गया है कि अफगानिस्तान अपने क्षेत्र पर हुए आक्रमण को नहीं भूलेगा, और पाकिस्तानी शासकों को एक संतुलित नीति अपनानी चाहिए।

यह बात उन्होंने गुरुवार दोपहर सोवियत आक्रमण की 45वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कही। अपने भाषण के दौरान विदेश मंत्री ने पाकिस्तान को सोवियत संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका के भाग्य से सीखने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान कभी भी आक्रमणों को स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कथित तौर पर पाकिस्तान के लोगों से अपने शासकों की गलत नीतियों को रोकने की अपील भी की। मुत्ताकी की यह कड़ी प्रतिक्रिया अफगानिस्तान में पाकिस्तानी हवाई हमलों के 48 घंटे से भी कम समय बाद आई है, जिसमें मंगलवार रात कई महिलाओं और बच्चों सहित 46 लोग मारे गए थे। पाकिस्तानी एयर स्ट्राइक पक्तिका प्रांत के बरमल जिले के कुछ हिस्सों में की गई। यह इस साल दूसरी बार है इस्लामाबाद की तरफ अफगान के 'नागरिक क्षेत्रों' पर सीधे मिलिट्री अटैक किया गया है।

# बस हादसे में तीन की मौत, चार गंभीर रूप से घायल

**एजेंसी**

**ओस्लो ।** नॉर्वे के उत्तरीय शहर हैडसेल में एक यात्री बस के झील में गिर जाने से तीन लोगों की मौत हो गई जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह जानकारी देश के स्थानीय अधिकारियों ने दी। झील में गिरने के समय इस बस में 50 से अधिक यात्री सफर कर रहे थे। दुर्घटना से पहले यह बस नार्विक से स्वोल्वेर जा रही थी। स्वोल्वेर जाते समय बस उत्तरी नॉर्वे के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल लोफोटेन द्वीपसमूह के राफ्टसुंडेट के निकट होटल में पलट गई। समाचार एजेंसी के अनुसार, आपातकालीन सेवाओं को घटनास्थल के लिए काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। खराब मौसम की वजह से घटनास्थल पर पहुंचने के लिए हेलीकॉप्टर को ले जाने में भी समस्या हुई। नॉर्डलैंड पुलिस डिस्ट्रिक्ट के चीफ ऑफ स्टाफ बेंट

एरे एलर्टसन ने इस दुर्घटना के बारे में जानकारी देते हुए कहा, बस आंशिक रूप से पानी में डूबी हुई है। तीन लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है और चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं। आपातकालीन सेवाओं ने बस से सभी को निकाल लिया है। गंभीर रूप से घायल पीड़ितों को हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाया गया, जबकि अन्य को एक स्कूल सहित निकटवर्ती आश्रय स्थलों में ले जाया गया। अधिकारियों ने बताया कि विमान में सवार यात्री आठ विभिन्न देशों से हैं, जिनमें नॉर्वे, भारत, चीन, सिंगापुर, मलेशिया, नीदरलैंड, फ्रांस और दक्षिण सूडान शामिल हैं। नॉर्वे में चीनी दूतावास ने पुष्टि की है कि बस में करीब 20 चीनी पर्यटक सवार थे, जिनमें से पांच को मामूली चोट आई। दूतावास ने कहा कि वह पर्यटकों से संपर्क बनाए हुए है और उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करेगा। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर ने इस दुर्घटना में मारे गए लोगों के लिए शोक व्यक्त किया। उन्होंने राष्ट्रीय प्रसारक एनआरके से कहा, ÷मुझे लगता है कि नॉर्वे में हर कोई हैडसेल से जो कुछ भी सुन रहा है, उससे प्रभावित है। उन्होंने देश से उन लोगों के साथ खड़े होने का आग्रह किया जो बुरी तरह प्रभावित हैं। दुर्घटना के कारणों की जांच चल रही है।

# पोषक तत्वों से भरपूर : आंवला

आंवले के पौधे को बहुत शुभ माना जाता है और साथ ही इसके फल पोषक तत्वों से भी भरपूर होते हैं जिनके सेवन से समय से पहले बाल सफेद न होना, आँखों की रोशनी बढ़ना जैसे कई सारे फायदे शरीर को होते हैं, इसीलिए हर किसी को अपने घर में आंवले के पौधे को जरूर लगाना चाहिए। यह एक ऐसा पेड़ है जिसे एक बार लगा देने पर बड़ा होने के बाद यह कई सालों तक फल देता रहता है।

यदि आप भी जानना चाहते हैं कि आंवले को घर पर बीज से कैसे उगाएं तो यह लेख आपके लिए ही है। घर पर आँवला या इंडियन गूसबेरी के बीज कब लगाएं, गमले में आँवला के बीज लगाने की विधि क्या है तथा अमला या आंवला के पेड़ की देखभाल या केयर कैसे करें, के बारे में संपूर्ण जानकारी के लिए लेख को लास्ट तक जरूर पढ़ें।

### ⏩ आंवला प्लांट लगाने के लिए मिट्टी

इंडियन गूसबेरी या आंवला के पौधे को उगाने के लिए दोमट मिट्टी या चिकनी मिट्टी का इस्तेमाल किया जाना चाहिए, लेकिन ध्यान रखें कि, मिट्टी न तो बहुत अधिक जलभराव वाली होनी चाहिए और न ही बहुत अधिक रेतीली। आंवला के पौधे थोड़ी अम्लीय और थोड़ी क्षारीय मिट्टी में (6.5-9.5 PH) अच्छे से ग्रो होते हैं।

### ⏩ गमले में आंवला के बीज कैसे लगाएं

आंवले का पेड़ काफी बड़ा (लगभग 20-25 फुट लम्बा) होता है, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि, इसे उगाने के लिए बड़ा गार्डन ही चाहिए। आप इसे आसानी से अपने घर के छोटे गार्डन में या छत पर गमले में भी बीज से उगा सकते हैं। आप इन सरल स्टेप्स को फॉलो करके गमले में आंवला के पौधे आसानी से उगा सकते हैं, जैसे

1. सबसे पहले आप जिस भी वैरायटी के आंवला उगाना चाहते हैं, उसके बीज खरीद लें या उन्हें आँवला के फल से भी निकाल कर लगा सकते हैं।
2. आँवला के पौधे के लिए अच्छा पॉटिंग मिक्स तैयार करने के लिए आप 50ml बलुई या चिकनी मिट्टी, 20ml गोबर की खाद, 20% वर्मीकंपोस्ट और 10% नीम खली को मिक्स करें।
3. अब पॉटिंग मिक्स युक्त, सीडलिंग ट्रे या उचित आकार के ग्रो बैग (6 से 10 इंच) में आंवले के बीज को 0.6 सेंटीमीटर (1/4 इंच) की गहराई में लगा दें।
4. बीज लगाने के बाद मिट्टी में पानी डालें, ताकि मिट्टी नम हो जाए।
5. अब गमलों को आंशिक छाया वाली जगह पर ब्राइट लाइट में रख दें।
6. मिट्टी में नमी को बनाये रखें, इसके लिए समय-समय पर गमलों या सीडलिंग ट्रे (जिसमें बीज लगाएं हों) को चेक करते रहें।
7. अनुकूल जलवायु मिलने पर आंवला के बीज 30 से 50 दिन में जर्मीनेट हो जाते हैं।
8. यदि आप नर्सरी से खरीद कर आंवले का पौधा लाये हैं या फिर आपके द्वारा बीज से लगाए गए पौधे की लम्बाई 5-10 इंच हो जाए, तब आप पौधों को बड़े गमले या ग्रो बैग में रिपॉट अर्थात् स्थानांतरित कर सकते हैं।

### आंवले के पेड़ की देखभाल कैसे करें

घर पर गमले या गार्डन की मिट्टी में लगे आँवला के पौधे लगभग 5-8 साल में फल देने लगते हैं, इसलिए लम्बे समय तक इसकी देखभाल करने की जरूरत होती है। होम गार्डन में लगे आंवला के पेड़ की देखभाल करने के लिए निम्न टिप्स को फॉलो करें, जो इस प्रकार हैं

आंवला के पौधों को शुरूआत में नियमित रूप से पानी देने की आवश्यकता होती है, लेकिन जैसे-जैसे पौधा परिपक्व होता जाता है, उसे कम पानी की आवश यकता होती है। आँवला के पौधे बड़े होने पर पानी तभी दें, जब पौधे की मिट्टी की ऊपरी परत सूखी दिखाई दें। आप मिट्टी में ऊँगली डालकर जांच कर सकते हैं कि, मिट्टी गीली है या सूखी। एक बात का विशेष ध्यान रखें कि, आंवला के पौधों में फल आते समय जरूरत के अनुसार पौधों को पानी जरूर दें। पौधों को पानी देने के लिए आप वॉटर केन और स्प्रे पंप का इस्तेमाल कर सकते हैं।

### सन लाइट

आंवला या इंडियन गूसबेरी के पौधों को अच्छी तरह से ग्रो करने के लिए भरपूर धूप की आवश्यकता होती है, इसलिए पौधे लगे गमले या ग्रो बैग को ऐसे स्थान पर रखें, जहां पौधे को आवश्यकता अनुसार धूप प्राप्त हो सके। गर्मी के मौसम में तेज धूप के दौरान पौधे को आंशिक छाया में रखें, क्योंकि तेज धूप के कारण पौधे मुरझा सकते हैं या खराब हो सकते हैं। आप पौधों को तेज धूप से बचाने के लिए शेड नेट का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

### तापमान और आर्द्रता

गर्मी के मौसम में आँवला के पेड़ में अधिक फूल खिलते हैं, जबकि बरसात (जुलाई से अगस्त) के मौसम में उच्च आर्द्रता की जलवायु फलों की ग्रोथ के लिए हेल्पफुल होती है। अच्छी तरह से ग्रो हो चुका, आँवला का पेड़ 0एष्ट-45एष्ट के टेम्प्रेचर को भी सहन कर सकता है।

### खाद और उर्वरक

गमले या ग्रो बैग की मिट्टी (मृदा) में लगे आँवला के पौधे की ग्रोथ के लिए समय-समय पर पुरानी गोबर खाद, वर्मीकम्पोस्ट और घर में सब्जियों के छिलकों से बनी जैविक खाद दे सकते हैं। इसके अलावा आप इंडियन गूसबेरी में फूल लगने के 2-3 सप्ताह पहले खाद दे सकते हैं, ताकि पौधे में अच्छी तरह से फूल खिलने के बाद फल लग सकें।

### कीट और रोग

आँवला का पौधा कैटरपिलर, मिली बग्स जैसे कीटों और रस्ट रोग से संक्रमित हो सकता है। रस्ट रोग के कारण आँवला के पौधे के तने, पत्तियों व फलों पर लाल रंग के गोल, अंडाकार धब्बे बन जाते हैं। आप घरेलू कीटनाशकों जैसे नीम तेल, साबुन का स्प्रे आदि का उपयोग करके इन अवांछित कीटों से छुटकारा पा सकते हैं। एक लीटर पानी में 3-4ml नीम तेल और लिक्विड सोप की कुछ बूंदे मिलाएं और इस घोल को स्प्रे पम्प में भरकर पौधे के कीट व रोग ग्रस्त भाग पर छिड़काव करें।

### प्रूनिंग

आँवला प्लांट की सूख चुकी ,डैमेज, रोगग्रस्त और उलझी हुई ब्रान्चेस को समय-समय पर हटा देना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने से पौधा साफ-सुथरा हो जाता और रोग व कीट लगने की संभावना भी कम होती है। इसके अतिरिक्त पौधे से डैमेज भाग हटा देने से पौधे की ऊर्जा व्यर्थ नहीं जाती है, क्योंकि पौधे की जो ऊर्जा खराब भागों में नष्ट हो जाती थी, अब वह पौधे के विकास में उपयोग होती है और फलस्वरूप पौधा हरा-भरा बना रहता है।

### मल्चिंग

स्प्रिंग सीजन के बाद घांस, पत्तों से आँवला प्लांट की मल्चिंग कर देना चाहिए, ताकि गर्मी के महीनों में पौधे की मिट्टी में पर्याप्त नमी बनी रहे, लेकिन मल्चिंग करने से पौधे की मिट्टी में पर्याप्त नमी बनी रहती है, जिसके कारण पौधे में कीट व रोग लगने की संभावना होती है, इसलिए समय-समय पर पौधे का निरीक्षण करते रहें।

### आंवला हार्वेस्टिंग टाइम

आमतौर पर बीज लगाने के लगभग 5-8 साल में आंवला के पेड़ में फल आने लगते हैं। मार्च-अप्रैल में आंवला प्लांट में नई पत्तियां और फूल खिलते हैं तथा फल जुलाई से सितंबर के महीने तक आते रहते हैं। -

# फसलों पर अनुकूल एवं प्रतिकूल मौसम का प्रभाव

## मौसम तथा कृषि क्रियाएं

मौसम का कृषि क्रियाओं से बहुत गहरा सम्बन्ध है। कृषि में खेत की जुताई, बुवाई, निराई-गुड़ाई फसल की वृद्धि फसल का पकना फसल की कटाई तथा भंडारण तक की सभी क्रियाएं मौसम की अनुकूलता पर निर्भर करती हैं तथा फसल की सफलता और असफलता मौसम के ऊपर निर्भर करती है।

किसी भी फसल की उपज प्राप्त करने के लिए समय पर फसल की बुवाई होनी चाहिए फिर अंकुरण के लिए उचित धूप वायु तथा नमी की आवश्यकता होती है। इसके बाद पौधों की वृद्धि के लिए धूप वर्षा और वायु की आवश्यकता पड़ती है। पौधों में प्रकाश संश्लेषण की क्रिया के लिए धूप की आवश्यकता है। धूप में पेड़ पौधे अपना भोजन बनाते हैं तथा धूप से भूमि के ताप में वृद्धि होती है जिससे आवश्यक तत्व जल में घुल जाते हैं जिन्हें पौधे अपनी जड़ों के द्वारा ग्रहण करते हैं। धूप में फसलों पर कीड़ों का प्रभाव भी कम होता है।

इसके अतिरिक्त पौधों की वृद्धि हेतु समय-

समय पर सिंचाई की आवश्यकता होती है।

यदि इस समय पर वर्षा हो जाती है तो सिंचाई के साथ साथ वायु में नमी की मात्रा भी बढ़ जाती है जिससे पौधों की बढ़वार अच्छी होती है। इसी प्रकार फसल की पकाई, कटाई तथा भंडारण के समय भी अनुकूल मौसम का होना अनिवार्य है।

यही कारण है कि जिस वर्ष मौसम फसलों के अनुकूल होता है, फसलों की पैदावार अच्छी होती है तथा जिस वर्ष मौसम प्रतिकूल होता है उस वर्ष में फसल की पैदावार कम होती है।

## फसलों पर मौसम का अनुकूल और प्रतिकूल प्रभाव

भारतवर्ष की अधिकांश भूमि पर असिंचित खेती होती है जहां पर फसल का पैदा होना या ना होना केवल प्रकृति पर निर्भर करता है। इसके अतिरिक्त उन स्थानों पर भी जहां सिंचाई के साधन है, यदि मौसम फसलों के अनुकूल है तो अच्छी उपज होती है इसके विपरीत मौसम के प्रतिकूल दशाएं होने पर उपज अच्छी नहीं होती है। हमारे देश में मुख्यत: 3 ऋतुएँ ग्रीष्म, वर्षा तथा शरद की होती हैं। इन ऋतुओं का मौसम भिन्न-भिन्न प्रकार का होता है। इसी आधार पर भारतवर्ष में मुख्यत: फसलों को भी जलवायु के आधार पर तीन भागों में विभाजित कर सकते हैं-

खरीफ की फसलें- इन फसलों के अंतर्गत मक्का, ज्वार, बाजरा, महुआ, उर्द, लोबिया, अरहर, ग्वार, तिल, मूंगफली, कपास, सनई तथा पटसन आदि की खेती होती है। इन फसलों की बुवाई के लिए वायुमंडल का ताप ऊंचा होना चाहिए तथा वृद्धि के लिए अच्छी नमी तथा अधिक समय तक धूप की आवश्यकता होती है।

अर्थात दिन बड़े होने चाहिए तथा फसलों की पकाई के समय कम समय तक धूप की आवश्यकता पड़ती है अर्थात दिन पहले से छोटे होने चाहिए। यही कारण है कि इस श्रेणी की फसलों का समय जून से अक्टूबर तक होता है।

रबी की फसलें- इन फसलों के अंतर्गत गेहूं, जौ, चना, मटर, सरसों, रिजका, गोभी, गाजर, मूली, आदि की खेती की जाती है। इन फसलों की बुवाई के समय वायुमंडल में अच्छी नमी कम धूप तथा हल्की ठंड की आवश्यकता पड़ती है। पौधों की वृद्धि के लिए ठंडा वातावरण तथा कम समय के लिए प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है तथा फसलों की पकाई के लिए गर्म दिन तथा अधिक समय के लिए धूप की आवश्यकता पड़ती है। इन फसलों की खेती का उपयुक्त समय नवंबर से अप्रैल तक होता है।

**सी एम शर्मा**

किसी स्थान का मौसम असल में उस स्थान के तापमान, बादलों की दशा, हवा में नमी आदि से सम्बंधित है। मौसम का सम्बन्ध हमारे वातावरण में रोजाना होने वाले बदलावों से है।

ये मौसम सब जगहों पर एक जैसा नहीं रहता। किसी एक जगह पर मौसम गर्म और तेज़ धूप वाला हो सकता है वहीं उसी समय किस दूसरी जगह ठंडी हवाओं और बर्फबारी वाला मौसम हो सकता है। वायुमंडल की दशाएं मौसम को निर्धारित करने में मुख्य भूमिका निभाती हैं।

**फसलों पर प्रतिकूल मौसम का प्रभाव-**

प्रतिकूल मौसम फसलों को अंकुरण से लेकर उन के भंडारण तक की क्रियाओं को प्रभावित करता है जिससे उत्पादकता पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इस शीर्षक के अंतर्गत हम मौसम की उन दशाओं का वर्णन करेंगे, जो फसलों पर बुरा प्रभाव डालती हैं।

**त्रुटियुक्त वर्षा - वर्षा की निम्नलिखित तीन अवस्थाएं फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं-**

अनावृष्टि - वर्षा का बहुत कम होना या बिल्कुल ना होना अनावृष्टि कहलाता है। ऐसी अवस्था में खरीफ की फसलें बिल्कुल बर्बाद हो जाती हैं। केवल ऐसे क्षेत्रों को छोड़कर जहां सिंचाई की सुविधाएं हैं, फसलें सूख जाती हैं और अकाल की स्थिति उत्पन्न हो जाती है तथा रबी की फसलों की बुवाई भी अधिकतर क्षेत्रों में नहीं हो पाती।

अतिवृष्टि - वर्षा का आवश्यकता से अधिक होना अतिवृष्टि कहलाता है वर्षा की इस अवस्था से नदियों में बाढ़ आ जाती है जिससे फसलें बह जाती हैं या पानी में डूबकर सड़ जाती हैं। दूसरे, जो क्षेत्र गहरे होते हैं तथा जल निकासी की व्यवस्था नहीं होती है वहां पर अधिक दिनों तक पानी भरा रहता है जिसके कारण पौधों की जड़े गल जाती है। इससे खरीफ की फसलों में भारी हानि होती है तथा रबी की फसल पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है क्योंकि जमीन की समय पर जुताई नहीं हो पाती है जिससे रबी की फसल की बुवाई देर से होती है।

असमय वृष्टि - जब वर्षा ठीक समय पर ना होकर ऐसे समय पर होती है जब वर्षा की आवश्यकता न हो तो ऐसी वर्षा को असमय वृष्टि कहते हैं। ऐसी वर्षा फसलों की बुवाई, अंकुरण पौधों की वृद्धि तथा पकाई और भंडारण जैसी सभी क्रियाओं पर बुरा प्रभाव डालती है। उपरोक्त क्रियाओं में से कोई सी क्रिया भी नियमानुसार पूर्ण नहीं होती है जिससे उपज पर बुरा प्रभाव पड़ता है। जैसे-

(i) बुवाई से पूर्व वर्षा से दोबारा जमीन तैयार करने में समय लग जाता है जिससे फसल देर से बोई जाती है।

(ii) बुवाई के तुरंत बाद वर्षा होने से बीज के जमीन में सड़ने का भय रहता है तथा जमीन की ऊपरी सतह सूखकर कठोर हो जाती है जिससे अंकुरण नहीं होता है।

(iii) कई बार असमय वर्षा से खेतों की निराई-गुड़ाई ठीक प्रकार से नहीं हो पाती है जिससे खरपतवार अधिक उग जाती है।

(i1) फसल की पकाई के समय की वर्षा कई बार फसल को नष्ट कर देती है तथा उसकी कटाई पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

(1) असमय वर्षा रबी तथा खरीफ की फसलों को खलियानों से उठाने में भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। कई बार तो उपज का काफी हिस्सा नष्ट हो जाता है।

पाले का प्रभाव - आमतौर पर पाला दिसंबर तथा जनवरी के महीनों में पड़ता है। उस समय रबी की फसलें खेतों में होती है। पाला पड़ने पर पेड़ पौधों की कोशिका का जल बर्फ में बदल जाता है जिससे पेड़ पौधों की कोशिकाएं फट जाती है (क्योंकि पानी जब बर्फ में परिवर्तित होता है तो उसके आयतन में 1/5 भाग की वृद्धि हो जाती है।) जिसके कारण पेड़-पौधे सूख जाते हैं।

ओलों का प्रभाव - मार्च-अप्रैल के महीनों में होने वाली वर्षा में अधिकतर ओले पड़ जाते हैं क्योंकि इस मौसम में जब वायुमंडल का ताप 0 हो जाता है तो वायुमंडल का जल बर्फ में परिवर्तित होकर ओलों के रूप में बरसने लगता है जिससे खड़ी फसलें नष्ट हो जाती है तथा जो फसलें पकी होती है उनके दाने खेतों में ही झड़ जाते हैं।

गर्म और तेज हवाओं का प्रभाव - मार्च-अप्रैल के माह में जब रबी की फसलों में दूध की स्थिति होती है तब दाने पकने से पूर्व गर्म तेज हवाओं के चलने से दानों का दूध सूख जाता है जिससे दानों का समुचित विकास नहीं हो पाता है तथा उपज कम हो जाती है।

**फसलों पर प्रतिकूल मौसम के कुप्रभाव को दूर करने के उपाय -**

फसलों को प्रतिकूल मौसम के कुप्रभाव से पूर्ण रूप से तो नहीं बचाया जा सकता है परंतु फिर भी बचाव के उपाय किए जाए तो फसलों को होने वाली हानि को काफी कम किया जा सकता है। फसलों को प्रतिकूल मौसम के कुप्रभाव से बचने के कुछ उपाय इस प्रकार हैं-

**त्रुटियुक्त वर्षा के कुप्रभाव से फसलों की सुरक्षा-**

त्रुटियुक्त वर्षा के अन्तर्गत वर्षा की तीन अवस्थायें - (i) अनावृष्टि, (ii) अतिवृष्टि, (iii) असमय वृष्टि आती हैं। इन तीनों अवस्थाओं से फसलों का बचाव निम्नलिखित उपायों से कर सकते हैं-

**अनावृष्टि से फसलों की सुरक्षा -**

अनावृष्टि की स्थिति में फसलों की सुरक्षा हेतु निम्नलिखित उपाय करने चाहिए -

01. जिन क्षेत्रों में अनावृष्टि (कम वर्षा) होती है वहां ऐसी फसलों की खेती करनी चाहिए जिनमें पानी की कम आवश्यकता होती है; जैसे - ज्वार, बाजरा, चना, सरसों, मूंगफली, आदि।

02. ऐसे क्षेत्रों में कम पानी चाहने वाली तथा कम समय में पकने वाली फसलें उगानी चाहिए और शुष्क खेती की विधि प्रयोग में लानी चाहिए। शुष्क खेती विधि के द्वारा ऐसे यंत्र का प्रयोग किया जाता है जिससे भूमि में पानी की अधिक से अधिक मात्रा बनी रहती है।

03. ऐसे क्षेत्रों में गर्मियों में जुताई अधिक की जाती है जिससे थोड़ी वर्षा होने पर भी जमीन में अधिक से अधिक नमी बनी रहती है।

04. ऐसे क्षेत्रों में खरीफ की फसल के बाद नमी को संरक्षित रखने के लिए जुताई के बाद पाटा अवश्य लगा देना चाहिए।

05. ऐसे क्षेत्रों में खरपतवार को नियंत्रित रखना चाहिए तथा मिश्रित फसलें उगानी चाहिए।

**अतिवृष्टि से फसलों की सुरक्षा -अतिवृष्टि से फसलों की सुरक्षा निम्नलिखित उपायों के द्वारा की जा सकती है-**

01. ऐसे क्षेत्रों में जहाँ अतिवृष्टि (अधिक वर्षा) होती है, खेतों से जलनिकासी की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए जिससे अधिक समय तक खेतों में पानी न भरा रहे।

02. ऐसे क्षेत्रों में ऐसी फसलें उगानी चाहिए जिनमे जल की अधिक आवश्यकता होती है। जैसे - धान, गन्ना, आदि।

03. ऐसे क्षेत्रों में ऐसी फसलें (अगेती फसलें) उगानी चाहिए जो जल्दी पक जाती हैं तथा अतिवृष्टि से पूर्व ही उन्हें काटा जा सके।

04. जो खेत गहरे हों उनके जल पम्पिंग सेट की सहायता से निकाल देना चाहिए, जिससे पौधों की जड़े न गल पायें।

05. ऐसे क्षेत्रों में खरीफ की फसल काटने के बाद खेतों की उथली जुताई करके उन्हें खुला छोड़ देना चाहिए जिससे खेत जल्दी सूख सके।

असमय वृष्टि से फसलों की सुरक्षा -

असमय वृष्टि से फसलों की सुरक्षा के उपाय निम्नलिखित हैं -

01. यदि फसल बोने से पूर्व पलेवा के बाद वर्षा हो जाये तो खेत को कल्टीवेटर से जुताई करके छोड़ देना चाहिए जिससे खेत शीघ्र ही जुताई के लिए सूख जाये।

02. यदि खेत की बुवाई के एक-दो दिन बाद ही वर्षा हो गई है और खेत में पपड़ी जम गई है तो ऐसी स्थिति में खूंटीदार पटेला से पपड़ी तोड़ देनी चाहिए, जिससे पौधे अंकुरित होकर बाहर निकल जायें। 03. फसल पकने के पूर्व यदि वर्षा हो गई है तो खेत के जल की निकासी का प्रबन्ध करना चाहिए। 04. यदि फसल काटने के बाद वर्षा हो जाये तो फसल को ऊँचे स्थान पर इस प्रकार रखना चाहिए जिससे कि बालियाँ ऊपर की ओर रहें।

## पाले से फसल की सुरक्षा

**पाले से फसलों को बचाने के लिए निम्नलिखित उपाय करने चाहिए-**

फसलों को पाले की हानि से बचाने के लिए खेतों में पानी लगा देना चाहिए। खेतों में पानी लगा देने से भूमि के निकट की वायु का ताप हिमांक बिन्दु से अधिक ही रहता है जिसके फलस्वरूप पाले के स्थान पर ओस पड़ती है।

02. रात्रि में खेत पर जिस दिशा में वायु का बहाव हो उस मेंड़ पर धुआँ करना चाहिए जिससे सम्पूर्ण खेत में धुआँ फैल जाये तथा खेत का ताप बढ़ने से पाला नहीं पड़ेगा।

03. ,पुआल, घास तथा पॉलीथिन का पलवार (Mulch) के रूप में प्रयोग करना चाहिए जिससे खेत की नमी सुरक्षित रहे तथा खेत का ताप हिमांक बिन्दु से ऊँचा बना रहे।

04. फसलों में ऐसी जातियाँ उगानी चाहिए, जो पाले को सहन कर सकें।

05. छोटे पेड़ों को पाले से बचाने के लिए उनके ऊपर घास-फूँस के द्वारा गोल घेरे के रूप ढककर बाँध देना चाहिए।

गर्म तेज हवाओं (लू) से फसलों की सुरक्षा -

जिस प्रकार से पाला फसलों के लिए हानिकारक है ठीक उसी प्रकार लू भी फसलों को हानि पहुँचाती है। लू से फसलों को बचाने के उपाय निम्नलिखित हैं -

01. ऐसी फसलें उगानी चाहिए जो तेज गर्मी तथा लू को सहन कर सकें। जैसे- तरबूज, खरबूजा व ककड़ी आदि।

02. खेतों में घास-फूँस की पलवार का प्रयोग करना चाहिए जिससे भूमि में नमी बनी रहे।

03. तेज हवाओं से फसलों को बचाने के लिए खेतों में पानी उस स्थिति में लगाना चाहिए जब हवा बंद हो, नहीं तो फसलों के गिरने का भय रहता है।

04. यदि झड़ने वाली फसल पक रही हो तो उसे खेत में झड़ने से बचाने के लिए एक-दो दिन पूर्व ही काट लेना चाहिए। जैसे - सरसों की फसल।

05. छोटे पेड़ों को लू से बचाने के लिए घास-फूँस के घेरों से ढक देना चाहिए।

06. फलों के बगीचों को बचाने के लिए उनके चारों ओर वायुरोधी पेड़ों की बाड़ लगानी चाहिए, जो छोटे पेड़ों का वायु आदि से बचाव कर सकें।

**प्रतिकूल मौसम से उत्पन्न कीटों और रोगों से फसलों की सुरक्षा**

आमतौर पर देखने में आया है कि जब लम्बे समय तक मौसम खराब रहता है तो फसलों में कई प्रकार की बीमारियाँ लग जाती हैं तथा कई प्रकार के कीटों का प्रकोप फसलों में बढ़ जाता है; जैसे - खराब नम मौसम के कारण सरसों की फसल में माहूं (चेपा) लग जाता है। इसके उपचार के लिए मेटासिस्टाक्स के 0.1% घोल का छिड़काव फसल पर करना चाहिए। इसी प्रकार गेहूँ की फसल में अधिक नमी के प्रकोप से गेरुई नामक रोग फरवरी महीने में लग जाता है जिसके उपचार के लिए डाइथेन एम-45 का 0.25% का घोल फसल पर छिड़कना चाहिए। इसी प्रकार से अधिक ठण्ड और खराब मौसम से आलू की खेती में झुलसा रोग लग जाता है जिससे पौधों की पत्तियां सूख जाती हैं। इस रोग के उपचार के लिए डाइथेन एम-45 या डाइथेन जेड-78 की 2 किग्रा मात्रा को 1,000 लीटर पानी में घोलकर फसल पर 10-15 दिन के अन्तराल से 2-3 छिड़काव करना चाहिए।

# कश्मीरी शॉल विक्रेताओं का उत्पीड़न शिकायत दर्ज की गई है और एफआईआर दर्ज की जाएगी

**श्रीनगर, 27 दिसंबर हि.स.।** हिमाचल प्रदेश के अधिकारियों ने बिलासपुर जिले में कश्मीरी शॉल विक्रेताओं को परेशान करने के खिलाफ शिकायतें दर्ज की हैं और वहां कश्मीरी व्यापारियों को डराने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कदम उठा रहे हैं।

यह बात जम्मू और कश्मीर छात्र संघ एसोसिएशन के राष्ट्रीय संयोजक, नासिर खुहमी ने एक विज्ञप्ति में कही। उन्होंने बताया कि मुझे हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के ओएसडी रितेश केपरेट जी द्वारा सूचित किया गया है कि शिकायतें दर्ज की गई हैं, उत्पीड़न को रोक दिया गया है और कश्मीरियों को डराने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कदम उठाए जा रहे हैं। इसके अलावा सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए एक एफआईआर भी दर्ज की जाएगी।

उन्होंने हिमाचल प्रदेश सरकार के साथ इस मामले को उठाने के लिए जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनके सलाहकार नासिर असलम वानी को भी धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि मैं जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला साहब और उनके सलाहकार नासिर असलमी वानी साहब को बिलासपुर में कश्मीरी शॉल विक्रेताओं द्वारा सामना किए जा रहे उत्पीड़न को हिमाचल प्रदेश सरकार के साथ उठाने के लिए धन्यवाद देता हूं।

उन्होंने कहा कि हिमाचल सरकार ने मामले का संज्ञान लिया है और मुख्यमंत्री कार्यालय राज्य में काम करने वाले कश्मीरी व्यापारियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित कर रहा है।